3 राजधानी
लकी ड्रा के नाम पर 2.21 करोड़ ठगे

6 अभिमत
मोदी ने सुधारों को दी सर्वोच्च प्राथमिकता

10 स्पोर्ट्स
भारतीय टीम एक साथ सिडनी जाएगी

12 कॅरियर
कैसे प्राप्त करें उत्तम स्कोर

RNI NO.DELHI/2012/48369
वर्ष 9 अंक 59
नई दिल्ली, सोमवार, 4 जनवरी, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

ब्रिटेन में लॉकडाउन को और कड़ा किया जा सकता है
विदेश-11

www.dailypioneer.com

गाजियाबाद के मुरादनगर में हादसा: श्मशान घाट में छत गिरने से 23 लोगों की मौत

अशोक निर्वाण। गाजियाबाद

- दर्जनों घायल, अभी और लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका, देर रात तक चलता रहा बचाव कार्य
- मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता का किया ऐलान, जांच के आदेश
- अंतिम संस्कार में भाग लेने आए थे दुर्घटना में शिकार सभी लोग
- प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री ने भी जताया हादसे पर दुख

जिला मुख्यालय से करीब 14 किलोमीटर दूर मुरादनगर थाना क्षेत्र स्थित उखलारसी गांव के समीप रविवार को बारिश के दौरान श्मशान घाट में एक निर्माणाधीन गलियारे का लेंटर भरभरा कर गिर गया जिसके मलबे में दबकर 23 लोगों की मौत हो गई तथा 15 लोग घायल हो गये। मरने वालों में 22 की शिनाख्त कर ली गई है।

समाचार लिखे जाने तक मौके पर एनडीआरएफ, फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम द्वारा बचाव कार्य जारी था। मलबे में अभी और लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। हादसे के शिकार सभी लोग एक व्यक्ति के अंतिम संस्कार में पहुंचे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना पर दुख प्रकट किया। मोदी ने ट्वीट किया कि उत्तर प्रदेश के मुरादनगर में हुए दुर्भाग्यपूर्ण हादसे की खबर से अत्यंत दुख पहुंचा है। राज्य सरकार राहत और बचाव कार्य में तत्परता से जुटी है। इस दुर्घटना में जान गंवाने वालों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट करता हूं, साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

आदित्यनाथ ने मृतकों के परिवारों के लिए दो-दो लाख रुपए की आर्थिक सहायता की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने मेरठ के संभागीय आयुक्त और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (क्षेत्र) को इस घटना के बारे में रिपोर्ट देने का भी निर्देश दिया है। केंद्रीय मंत्री और गाजियाबाद के सांसद वीके सिंह तथा पुलिस एवं नागरिक प्रशासन के अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया। जिलाधिकारी अजयशंकर पाण्डे ने बताया कि यह हादसा उस समय हुआ जब उखरालसी गांव के समीप स्थित दयानन्द कालोनी के लोग 62 वर्षीय यादराम के शव का अंतिम संस्कार करने श्मशान घाट पहुंचे थे।

हादसे के बाद बचाव और राहत कार्य में जुटी एनडीआरएफ की टीम व डॉग स्क्वायड।

घायलों को जिला सरकारी एमएमजी अस्पताल के अलावा कई अन्य निजी अस्पतालों में भी भर्ती कराया गया है। जिस स्थान पर यह हादसा हुआ है उस पर नगर पालिका द्वारा यह निर्माण कार्य कराया गया था। मरने वालों में पत्रकार मुकेश सोनी का 22 वर्षीय पुत्र दिग्विजय सोनी भी शामिल हैं। हादसे का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य संचालित करने के निर्देश दिए। पुलिस ने बताया कि जब छत ढही, तो बारिश से बचने के लिए कई लोग इमारत के नीचे खड़े थे जिसे हाल ही में बनाया गया था।

इस हादसे में जिन लोगों की मौत हुई, वे सभी पुरुष और यादराम के रिश्तेदार या पड़ोसी थे, जिनका उस वक्त वहां अंतिम संस्कार हो रहा था। घटना के बाद श्मशान घाट पर सबसे पहले स्थानीय लोग पहुंचे। उसके बाद पुलिस पहुंची और फिर राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की इकाई पहुंची। सभी मलबे से मृतकों एवं घायलों को निकालने में जुट गये।

कोवैक्सीन व कोविशील्ड को मिली मंजूरी

- भारत बायोटेक के स्वदेशी और सीरम इंस्टीट्यूट के टीकों के आपात इस्तेमाल का रास्ता हुआ साफ
- कैडिला को उसके वैक्सीन के तीसरे चरण के क्लीनिकल ट्रायल के लिए मिली अनुमति
- प्रधानमंत्री ने बताया गर्व का क्षण, कहा-इससे कोविड मुक्त भारत की मुहिम को मिलेगा बल

टीके के लिए खत्म हुआ भारत का इंतजार

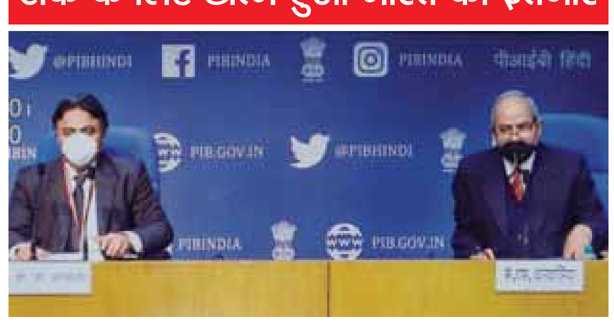

नई दिल्ली में पत्रकारों को संबोधित करते भारत के औषधि महानियंत्रक वीजी सोमानी और प्रेस सूचना ब्यूरों के प्रधान महानिदेशक केएस धतवालिया (दाएं)

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत के औषधि नियामक ने सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा निर्मित ऑक्सफोर्ड कोविड-19 टीके 'कोविशील्ड' और भारत बायोटेक के स्वदेश में विकसित टीके 'कोवैक्सीन' के देश में सीमित आपात इस्तेमाल को रविवार को मंजूरी दे दी, जिससे व्यापक टीकाकरण अभियान का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की कोविड-19 संबंधी विषय विशेषज्ञ समिति (एसईसी) की अनुशंसा के आधार पर भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) ने यह मंजूरी प्रदान की है। डीसीजीआई डॉ वीजी सोमानी ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सीडीएससीओ ने पर्याप्त अध्ययन के बाद विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों को स्वीकार करने का फैसला किया है और तदनुसार मेसर्स सीरम और मेसर्स भारत बायोटेक के टीकों के आपात स्थिति में सीमित उपयोग के लिए स्वीकृति प्रदान की जा रही है। इससे आने वाले दिनों में भारत में कम से कम दो टीकों के जारी होने का रास्ता साफ हो गया है। उन्होंने कहा कि सीरम और भारत बायोटेक के टीके की दो खुराक लगाई जाएंगी।

इन टीकों का भंडारण दो से आठ डिग्री सेल्सियस तापमान पर करना होता है। दुनिया की सबसे बड़ी टीका निर्माता कंपनी सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया ने 'कोविशील्ड' के उत्पादन के लिए एस्ट्राजेनेका के साथ साझेदारी की है। भारत बायोटेक ने भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के साथ मिलकर 'कोवैक्सीन' का विकास किया है। भारत में कोविड-19 रोधी दो टीकों के आपात इस्तेमाल को मंजूरी दिए जाने को कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ भारत की जंग में निर्णायक क्षण (शेष पेज 9)

भारत बायोटेक की वैक्सीन को मंजूरी पर कांग्रेस ने जताई चिंता

- अनिवार्य तीन परीक्षणों और डेटा को लेकर किया सवाल, लेकिन आधिकारिक रूप से वैज्ञानिकों को दी बधाई
- भाजपा का पलटवार, कहा-उम्मीद के अनुरूप व्यवहार कर रही है विपक्षी पार्टी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत बायोटेक के कोविड-19 वैक्सीन को आपात इस्तेमाल की मंजूरी दिए जाने को लेकर विवाद शुरू हो गया है। कई वरिष्ठ कांग्रेस ने जिस तरह से इसे इजाजत दी है उसको लेकर चिंता जताई है। पार्टी के नेताओं ने आधिकारिक तौर पर वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को उनकी उपलब्धि पर बधाई दी है।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा, जयराम रमेश तथा शशि थरूर ने स्वास्थ्य मंत्री से यह समझाने के लिए कहा कि अनिवार्य प्रोटोकॉल तथा डेटा के सत्यापन का पालन क्यों नहीं किया गया। समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने शनिवार को कोविड वैक्सीन को 'भाजपा की वैक्सीन' करार देते हुए कहा था कि वे इसे नहीं लगावाएंगे।

रविवार को उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम 'संवेदनशील प्रक्रिया' है और सरकार को इसे 'दिखावे' वाले कार्यक्रम में रूप में नहीं लेना चाहिए क्योंकि यह जिंदगियों का सवाल है। हालांकि कांग्रेस में इसको लेकर अलग रुख भी सामने आये। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने स्वदेशी टीके के लिए वैज्ञानिकों और भारत बायोटेक के अनुसंधानकर्ताओं की प्रशंसा की। इसके बाद केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने तीखी प्रतिक्रिया जतायी और कहा कि कांग्रेस नेता 'वास्तव में उसी तरह (शेष पेज 9)

अभी और होगी बारिश, ठंड से कुछ राहत दो दिन बाद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर में रविवार तड़के शुरू हुई बारिश दोपहर तक भिगोती रही। इससे ठंड और बढ़ गई। पहले से ही कड़ाके की सर्दी का सामना कर रहे लोगों को बारिश के बाद की ठिठुरन ने घरों में दुबकने को मजबूर कर दिया। मौसम विभाग ने उत्तर भारत के कई हिस्सों में अगले दो दिन कहीं तेज तो कहीं हल्की वर्षा होने का अनुमान जताया है। विभाग ने उत्तर भारत के कई हिस्सों के लिए येलो अलर्ट जारी किया और कहा है कि अगले दो से तीन दिनों तक दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और पंजाब के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश जारी रहेगी। मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली में अगले दो से तीन दिनों में (शेष पेज 9)

बर्फ की सफेद चादर से ढका जम्मू-कश्मीर

- भारी हिमपात से सभी उड़ानें हुई रद्द, जवाहर टनल भी बंद

मोहित कंधारी। जम्मू

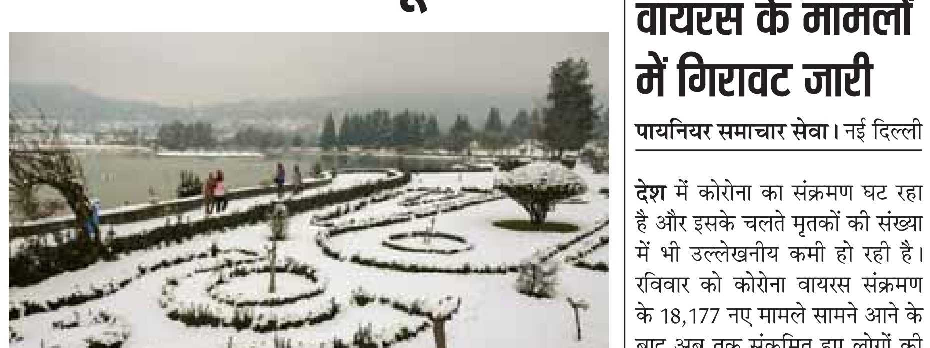

श्रीनगर में डल झील के किनारे हुए भारी हिमपात के चलते बर्फ से ढका एक पार्क

ताजा बर्फबारी से केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर सफेद चादर सी ओढ़ ली है। गुलमर्ग और पहलगाम जैसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों के साथ-साथ श्रीनगर और उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा समेत सभी जिला मुख्यालयों में कहीं हल्की तो कहीं भारी बर्फबारी हुई।

इससे लगभग सभी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। जवाहर टनल के पास जमी घनी बर्फके कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात ठप हो गया। उपायुक्त, रामबन ने ट्वीट कर कहा कि भारी बर्फबारी और कई स्थानों पर पत्थर खिसकने के कारण यातायात रोक दिया गया है। लोग राजमार्ग पर यात्रा करने से बचें।

हवाईअड्डे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि श्रीनगर में खराब दृश्यता और मध्यम बर्फबारी के कारण आने-जाने वाली सभी उड़ानें रद्द कर दी गईं हैं, क्योंकि बर्फरनवे पर जम गई है। जम्मू क्षेत्र में माता वैष्णो देवी की गुफा, पटनीटॉप के पर्यटन रिसॉर्ट तथा डोडा, किश्तवाड़ और रामबन जैसे पहाड़ी जिलों में भी खूब बर्फबारी हुई। मौसम विभाग ने पहले से ही घाटी के कई इलाकों में रविवार और सोमवार को व्यापक स्तर पर भारी बर्फबारी का अनुमान जारी किया था। मौसम विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि अरब सागर से उठा पश्चिमी विक्षोभ अफगानिस्तान और पाकिस्तान होते हुए जम्मू कश्मीर पहुंच गया (शेष पेज 9)

देश में कोरोना वायरस के मामलों में गिरावट जारी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश में कोरोना का संक्रमण घट रहा है और इसके चलते मृतकों की संख्या में भी उल्लेखनीय कमी हो रही है। रविवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 18,177 नए मामले सामने आने के बाद अब तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 1,03,23,965 हो गई है, जिनमें से 99,27,310 लोग संक्रमणमुक्त हो चुके हैं। देश में संक्रमण से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर 96.15 प्रतिशत हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सुबह आठ बजे के अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटे में 217 और लोगों की मौत होने के बाद देश में संक्रमण से जान गंवाने वालों की संख्या 1,49,435 हो गई है। देश में कोविड-19 के कारण (शेष पेज 9)

ट्रायल से गुजर रही कोवैक्सीन का होगा अभी सीमित इस्तेमाल

- वायरस के बदलते स्वरूप से संक्रमण के मामले में ज्यादा विकल्प होने के मद्देनजर दी गई इजाजत

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

ट्रायल के तीसरे दौर से गुजर रही स्वदेशी विकसित भारत बायोटेक की को-वैक्सीन को भले मंजूरी मिल गई हो, लेकिन इसका इस्तेमाल अभी सीमित स्तर पर ही होगा।

को-वैक्सीन की प्रभावकारिता के बार में विशेषज्ञों ने चिंता जाहिर भी की थी। डीसीजीआई ने स्पष्ट किया है कि कोरोना के नए स्ट्रेन के दस्तक देने के बाद भारत में टीकाकरण के

लिए ज्यादा विकल्प मौजूद रहें, इसलिए जनहित में वैक्सीन को इजाजत दी गई है, लेकिन इसका प्रयोग बेहद सावधानी के साथ सीमित मामलों में ही होगा।

डीसीजीआई ने यह भी कहा कि यदि सुरक्षा को लेकर थोड़ी भी समस्या पैदा हो तो हम कभी भी किसी दवा को मंजूरी नहीं देंगे। यह वैक्सीन 110 फीसदी सुरक्षित है। हल्का बुखार, दर्द और एलर्जी जैसे कुछ सामान्य दुष्प्रभाव हर टीका लेने से होते हैं, जो आम बात है। यह पूरी तरह बकवास है कि टीका लगवाने से लोग नपुंसक हो सकते हैं। हालांकि, डॉक्टरों और अनुसंधान विशेषज्ञों ने इसे एक खतरनाक कदम बताया कि जिस वैक्सीन के क्लीनिकल ट्रायल के अंतिम नतीजे न मिले हों और उसे मंजूरी मिल गई।

उन्होंने तर्क दिया कि समस्या यह है कि सरकार ने लोकल फॉर वोकल को बढ़ावा देने के अपने उतावलेपन के चक्कर में मानक दवा और वैक्सीन-विकास प्रोटोकॉल के प्रमुख तत्वों को भी दरकिनार कर दिया है। विशेषज्ञों ने वैक्सीन को 110 फीसदी सुरक्षित बताने वाले डीसीजीआई के दावों पर भी सवाल उठाया है। विशेषज्ञों ने यह भी चेतावनी दी कि सरकार के (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	47,746	
निफ्टी	13,981	
सोना	49,675	/10g
चांदी	67,983	/kg

क्विक न्यूज

बारातियों को लेकर जा रही बस दुर्घनाग्रस्त, सात मरे

कासरगोड। केरल में कासरगोड के पास रविवार सुबह एक बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में बस में सवार दो बच्चों समेत सात लोगों की मौत हो गई जबकि कई अन्य घायल हो गए। बस बारातियों को लेकर जा रही थी। दुर्घटना में घायल हुए 46 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से 11 की हालत गंभीर बताई गई है। पुलिस ने बताया कि यात्री कर्नाटक के निवासी है और वे सुलिया रोड से होते हुए पनाथूर की ओर जा रहे थे। हादसा सुबह करीब 11:30 बजे हुआ। जिलाधिकारी डी सजिथ बाबू ने पीटीआई-भाषा से कहा कि घायलों को पास ही स्थित मंगलुरु के अस्पताल में भर्ती किया गया है। उन्होंने कहा, हमने इस मामले में जांच के आदेश दिए हैं। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, बस में 82 यात्री सवार थे।

एलएसी पर तनाव के बीच चीनी कंपनी को रेपिड रेल का ठेका

- आरआरटीएस के अशोक नगर से साहिबाबाद हिस्से का निर्माण करेगी शंघाई टनल इंजीनियरिंग कंपनी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

एलएसी पर नौ महीने से चले आ रहे टकराव के कारण जब देश भर में 'बायकाट चीन' की आवाज बुलंद हो रही है, उस समय राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने दिल्ली-मेरठ आरआरटीएस परियोजना के न्यू अशोक नगर से साहिबाबाद तक 5.6 किलोमीटर के भूमिगत ट्रैक के निर्माण का ठेका चीनी कंपनी शंघाई टनल इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड को दिया है।

पिछले साल जून में उस समय भारी विवाद खड़ा हो गया था जब आरआरटीएस न्यू अशोक नगर-साहिबाबाद खंड के निर्माण के लिए शंघाई टनल कंपनी ने सबसे कम 1,126 करोड़ की बोली लगाई थी। लोग सवाल उठा रहे थी कि चीन लद्दाख में एलएसी पर भारत के लिए मुश्किलें खड़ी कर रहा है और भारत उसकी कंपनी को रेल प्रोजेक्ट के निर्माण का ठेका दे रहा है।

देश की पहली रैपिड रेल परियोजना को बनाने वाली नेशनल कैपिटल रिजन ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन ने कहा कि चीनी कंपनी को यह ठेका निर्धारित प्रक्रिया और दिशा-निर्देशों के तहत दिया गया है। एनसीआरटीसी के प्रवक्ता ने कहा कि बहुपक्षीय एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित बोलियों के लिए विभिन्न स्तरों पर स्वीकृति लेनी होती है। निर्धारित प्रक्रिया और दिशानिर्देशों के बाद ही यह ठेका दिया गया है।' प्रवक्ता ने कहा कि अब 82 किलोमीटर लंबे (शेष पेज 9)

अलापुझा के आरकेके में है कलाकृतियों का अद्भुत संग्रह

- मशहूर पर्यटन स्थल का मुख्य आकर्षण है बेट्टी करुणाकरण का यह संग्रहालय

कुमार चेलप्पन। कोच्चि

केरल के अलापुझा को पूर्व का वेनिस का कहा जाता है और यह विशेषण उसे यूं ही नहीं मिला है। प्रकृति ने दिल खोलकर उसे उपहार दिया है। नदियां, शांत बांधों और झीलों से सजा यह क्षेत्र बरबस ही किसी को आकृष्ट कर सकता है। यहीं नहीं अरब सागर का खूबसूरत तट और शहर से सटकर निकलती नहरों ने इसे सैलानियों का पसंदीदा पर्यटन स्थल बना दिया है। अधिकांश लोग यह नहीं जानते कि अलापुझा भारत के नारियल उद्योग का मुख्य

आरकेके म्यूजियम में बेट्टी करुणाकरण

केंद्र है। यहां पर प्राचीन कलाकृतियों का दुनिया का सबसे बड़ा संग्रह है तथा हाथी दांत और स्फटिक की कलाकृतियां, दुर्लभ विदेशी पौधे भी इसके आकर्षण में चार चांद लगाते हैं। बेट्टी करुणाकरण के पास दुनिया के किसी भी व्यक्ति से ज्यादा कला संग्रह है। यदि उन्हें केरल की सांस्कृतिक साम्राज्ञी कहा जाए तो गलत नहीं होगा। रवि करुणाकरण मेमोरियल म्यूजियम में आने वाले लोग यहां की डायरी में जो कुछ लिखकर जाते हैं, वह इस बात को बल देती है। बोस कृष्णमचारी जैसे विख्यात कलाकार इस संग्रहालय को देखकर हैरत में पड़ गए जिसे बेट्टी ने बनाया और साकार किया है। यह संग्रहालय बेट्टी ने अपने प्रिय पति स्वर्गीय रवि करुणाकरण की याद में बनाया है जो आधुनिक नारियल उद्योग के अगुआ थे। पायनियर से बातचीत में बेट्टी ने कहा कि उनके दादा कृष्णन और पिता करुणाकरण भी नारियल व्यवसाय में थे। रवि ने वहां से शुरुआत की जहां से उन्होंने कारोबार को छोड़ा था। कृष्णा और करुणाकरण नारियल कारोबार के चलते दुनिया भर में यात्रा करते थे। करुणाकरण की पढ़ाई यूरोप. ब्रिटेन और अमेरिका में हुई थी और वे केरल के पहले ग्लोबल सिटीजन थे। रवि की भी पढ़ाई यूरोप और अमेरिका में हुई थी। बेट्टी कहती है ' मैं रवि के साथ उनके बिजनेस टूर पर जाती थी। वे जब अपने ग्राहकों से बातचीत करते थे तो उस समय मैं शॉपिंग करती थी और उन प्रसिद्ध संग्रहालयों में जाती थी तो अपने कलाकृतियों के संग्रह के लिए प्रसिद्ध थे। उनके संग्रहालय में स्वारोवस्की और ललारडो कलेक्शन में कुछ शानदार कलाकृतियां हैं। पुन्नामाडा नदी में नावों की रेस कब की खत्म हो गई है लेकिन इन कमियों को आरकेके म्युजियम पूरा कर देता है।

नोएडा में हफ्ते में सिर्फ दो दिन लगेगा टीका, तैयारियां पूरी

छह सरकारी केंद्रों पर कल होगा वैक्सीनेशन का पूर्वाभ्यास

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्धनगर में छह सरकारी अस्पतालों में कोरोना वैक्सीन का पूर्वाभ्यास पांच जनवरी को किया जाएगा। इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। दूसरे कई राज्यों में कोविड-19 वैक्सीन पूर्वाभ्यास पहले ही किया जा चुका है। पूर्वाभ्यास के दौरान वैक्सीनेशन में आने वाली हर समस्या की समीक्षा की जाएगी। अगर कहीं कोई परेशानी आती है, तो उसे दुरुस्त किया जाएगा। जिले में होने वाले पूर्वाभ्यास में 150 डॉक्टर और कर्मी शामिल रहेंगे।

पूर्वाभ्यास के लिए तीन शहरी और तीन ग्रामीण सरकारी अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र चुने गए हैं। जिम्स, शारदा, सुपर स्पेश्यलिटी शिशु अस्पताल, बिसरख सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बिसरख प्राथमिक

स्वास्थ्य केंद्र और भंगेल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर पूर्वाभ्यास किया जाएगा। शिशु अस्पताल में छह कमरे बनाए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा है कि मकर संक्रांति पर प्रदेश में टीकाकरण शुरू हो जाएगा।

इसी कड़ी में मंगलवार सुबह 10-12 बजे तक पूर्वाभ्यास किया जाएगा। कोरोना टीकाकरण के प्रभारी डॉ नीरज त्यागी ने बताया कि ट्रायल के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। हर वैक्सीनेशन केंद्र पर 25-25 स्वास्थ्यकर्मी शामिल होंगे। जो पूरी प्रक्रिया की जानकारी देंगे। कोरोना वैक्सीन को सुरक्षित रखने के लिए जिले में कोल्ड चेन बनाए गए हैं। इन सभी पर निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगा दिए गए हैं।

हफ्ते में सिर्फ दो दिन लगेगा टीका

कोरोना वैक्सीन सोमवार और शुक्रवार को लगाई जाएगी। एक सेंटर पर 100-100 लोगों को टीका लगेगा। एक रिजर्व दिन भी होगा ताकि विशेष परिस्थितियों में उस दिन टीकाकरण किया जा सके। आईसीएमआर के दिशा-निर्देशों के मुताबिक ही काम किया जाएगा। पहले चरण में 21,500 से ज्यादा कोरोना योद्धाओं को वैक्सीन दी जाएगी। एक सप्ताह के अंदर ही टीके की पहली खुराक दे दी जाएगी।

कोरोना वैक्सीनेशन के लिए नोएडा में 42 केंद्र बनाए जाएंगे। ग्रेटर नोएडा में 33 केंद्र होंगे। सभी चयनित केंद्रों पर तीन कमरे निर्धारित कर लिए गए हैं। कई सरकारी और निजी अस्पतालों में 6 से अधिक वैक्सीनेशन केंद्र भी बनाए गए हैं। एक स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल के लिए एक प्रभारी नियुक्त किया गया है।

गाजियाबाद में भी प्रशासन ने कसी कमर

गाजियाबाद। जिले में 46 लाख की आबादी मानकर प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने तैयारी की है। तीन चरणों में टीकाकरण की तैयारी की जा रही है। हाई रिस्क ग्रुप और कोरोना योद्धाओं के करीब 14 लाख लोगों के टीकाकरण का प्लान बनाया गया है। सबसे पहले 25 हजार स्वास्थयकर्मियो को पहले चरण में टीका लगाया जाएगा, जिसमें निजी और सरकारी स्वास्थ्यकर्मी शामिल हैं। दूसरे चरण में नगर निगम के सफाई कर्मचारी आदि जैसे फ्रंटलाइन वर्कर का टीकाकरण होगा। यह संख्या भी हजारो में है। उसके बाद तीसरे चरण में 50 साल से अधिक उम्र के करीब साढ़े 10 लाख लोगों का टीकाकरण होगा। इस तरह तीन चरणों में यह अभियान चलेगा। पहले तीन चरणों में 14 लाख लोगों को कोरोना का वैक्सीन लगाया जाएगा। सीएमओ डॉ. एनके गुप्ता के मुताबिक जिला एमएमजी अस्पताल स्थित वैक्सीन स्टोर में सभी व्यवस्थाओं को पूरा किया गया है। उन्होंने बताया कि जिले में एक जिला स्तरीय वैक्सीन स्टोर और 29 ब्लॉक कोल्ड चेन प्वाइंट्स बनाए गए हैं।

मुरादनगर हादसा

घटिया सामग्री से बना लेंटर नहीं झेल सका बारिश

पूरी मुस्तैदी के साथ बचाव कार्य में लगे रहे एनडीआरएफ के जवान

● पालिका प्रशासन भी अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकता

अशोक निर्वाण। गाजियाबाद

मुरादनगर थाना क्षेत्र स्थित उखलारसी गांव के शमशान घाट पर हादसे में मारे गए 21 लोगों की मौत को लेकर पूरे जिले में मातम का माहौल है। जिस समय यह हादसा हुआ उस समय रह रहकर बारिश पड़ रही थी। बारिश से बचने के लिए शव यात्रा में शामिल बड़ी संख्या में लोग निर्माणधीन लेंटर के नीचे खड़े हो गये। देखते ही देखते लोगों के वजन से भराव की जमीन अचानक धंस गई जिसके चलते पूरा निर्माणाधीन लेंटर भरभरा कर गिर पड़ा और उसके नीचे खड़े लोग काल का ग्रास बन गए।

शायद यदि वर्षा नहीं होती, तो लोग बारिश से बचने के लिए किसी सहारे को नहीं ढूंढते और यह हादसा भी नहीं होता, लेकिन होनी को जो मंजूर होता है वहीं होकर रहता है। यह हृदय हादसा भी इसी की एक बानगी है। बता दें कि उखलारसी गांव के नजदीक दयानन्द कॉलोनी के निवासी 62 वर्षीय यादराम का बीती देर रात निधन हो गया था। उन्हीं का अन्तिम संस्कार के लिए कॉलोनी के लोग व रिश्तेदार शमशान घाट पर एकत्र हुए थे।

समाचार लिखे जाने तक मौके पर एनडीआरएफ ,फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम द्वारा बचाव कार्य जारी रहा। खास बात यह है कि जो निर्माणाधीन लेंटर गिरा है उसका निर्माण नगर पालिका द्वारा कराया जा रहा था । साफ जाहिर है कि लेन्टर में घटिया निर्माण सामग्री का प्रयोग जरूर हुआ होगा इस

डॉग स्क्रायड की मदद से लापता लोगों को खोजती एनडीआरएफ की टीम।

हादसे की खबर सुनकर मौके पर पहुंचे केंद्रीय राज्यमंत्री वी.के. सिंह।

निर्माण कार्य में लापरवाही साफ नजर आ रही है।

हालांकि मुख्यमंत्री ने इस मामले को लेकर मंडलायुक्त व एडीजी को जांच रिपोर्ट सौपने को कहा है। मुरादनगर नगर पालिका की लापरवाही सामने आने पर कार्रवाही जरूर होगी। यह भी किसी से नहीं छिपा है कि नगर पालिकाओं में कमीशन का खेल बड़े पैमाने पर चलता है। जो 21 लोग इस हादसे में मरे हैं उनमें बुजुर्ग वरिष्ठ पत्रकार मुकेश सोनी का 22 वर्षीय पुत्र दिग्विजय सोनी भी शामिल है। जिलाधिकारी ने कहा कि मरने वालों की पहचान की जा रही है और उन पर आश्रित की हर संभव मदद की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

सैनीनगर में सावित्री बाई फुले की जयंती मनाते लोग।

सावित्री बाई फुले की जयंती मनाई

हापुड़। नगर में विभिन्न स्थानों पर भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फुले की जयंती मनाई गई। बुलन्दशहर रोड स्थित सैनीनगर में देश की पहली महिला शिक्षिका महान समाजसेविका सावित्रीबाई फुले की 191 जयंती बड़े ही धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर सैनी महासभा उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष राकेश सैनी ने कहा कि सावित्रीबाई फुले ने उस समय शिक्षा का बीड़ा उठाया जिस समय महिलाओं को घर से बाहर निकलने तक की इजाजत नहीं थी। उन्होंने पत्थर खाकर शिक्षा की ज्योत जगाई। इस अवसर पर उन्होंने सावित्री फुले जयंती को महिला शिक्षा दिवस व सावित्रीबाई फुले और महात्मा ज्योतिराव फुले को भारत रत्न देने की मांग भारत सरकार से की। कार्यक्र में मुख्य अतिथि सदर विधायक विजयपाल आढती व भाजपा क्षेत्रीय महामंत्री विकास अग्रवाल मौजूद रहे।

निराश्रितों को गर्म कपड़े बांटती मेयर आशा शर्मा।

बेघर लोगों को मेयर ने बांटे गर्म कपड़े

गाजियाबाद। महानगर के फुटपाथों पर कडाके की ठंड के बीच खुले आसमान के नीचे खानाबदोश लोगों के बीच गाजियाबाद नगर निगम की मेयर आशा शर्मा बीती देर रात पहुंची और लगभग 100 लोगों को कंबल व गर्म कपड़े देने के बाद नगर निगम द्वारा तैयार किये गये आश्रय स्थलों का पूरा पता दिया ताकि लोग वहां जाकर ठंड से बच सके। पिछले कुछ दिनों से तापमान अचानक तेजी के साथ गिरा है। बहुत सर्दी होने के कारण असहाय व्यक्तियों जिनके पास अपना घर नहीं है और उनका रहना सहना आश्रय स्थल या सड़क पर है उनको ठंड से बचाव हेतु मेयर ने राजनगर रेलवे लाइन, नासरपुर फाटक, हापुड चुंगी एवं अन्य स्थानों पर सर्दी में ठिठुर रहे लोगों को गर्म कपड़े व कंबल वितरित किए।

क्रॉकरी गोदाम में लगी भीषण आग

नोएडा। शहर की सबसे भीड़ भरी अट्टा मार्केट में रविवार दोपहर एक क्रोकरी के गोदाम में भीषण आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि आसपास की दुकानों के चपेट में आने का खतरा उत्पन्न हो गया। सूचना मिलने के बाद तत्काल पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया है। इस हादसे में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। हादसे की वजह पता लगाने के लिए फायर ब्रिगेड के अफसर जांच कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार सेक्टर-18 की अट्टा मार्केट में एक क्रॉकरी स्टोर के गोदाम में रविवार को आग लग गई। पुलिस ने बताया कि आग दोपहर 1 बजे के आसपास आग लगी थी। सेक्टर-20 पुलिस स्टेशन के स्टेशन हाउस ऑफिसर राकेश सिंह ने कहा, अट्टा मार्केट में क्रॉकरी स्टोर के गोदाम में आग लगी है। जल्द ही फायर डिपार्टमेंट की गाड़ियां पहुंच गई थीं। इस हादसे में कोई घायल नहीं हुआ है। अधिकारी ने कहा कि आग लगने के कारण संपत्ति के नुकसान का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

अप्सरा बॉर्डर पर किसानों का धरना, लगा जाम

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

दिल्ली-यूपी की सीमा अप्सरा बॉर्डर पर रविवार को किसानों ने धरना प्रदर्शन शुरु कर दिया है। इससे जीटी रोड रोड का आवागमन बंद हो गया है। जानकारी के अनुसार करीब 200 किसान दिल्ली यूपी की सीमा अप्सरा बॉर्डर पर दिल्ली जाने वाले मार्ग को रोककर धरना देकर बैठ गए हैं । इससे यातायात जाम हो गया है। किसानों के बीच में धरने पर समाजवादी पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता भी दिखाई दे रहे हैं।

जानकारी के अनुसार पिछले 1 महीने से आंदोलन कर रहे किसानों ने जीटी रोड को अपने प्रदर्शन से दूर रखा हुआ था लेकिन रविवार को करीब 200 की संख्या में अपनी कारों से आए किसान अव जीटी रोड

अप्सरा बॉर्डर पर धरनारत किसानों के साथ बैठे सपा कार्यकर्ता।

के आवागमन को रोककर दिल्ली यूपी को पूरी तरह से अलग-थलग करने की योजना बना चुके हैं। दिल्ली यूपी सीमा अप्सरा बॉर्डर पर धरना देकर बैठे किसानों की वजह से ओवर ब्रिज और नीचे बायीं ओर से दिल्ली जाने वाला रास्ता बिल्कुल बंद हो गया है। मौके पर पहुंचे एसपी सिटी द्वितीय ज्ञानेंद्र सिंह ने किसानों को समझाया और राष्ट्रीय राजमार्ग से अलग बैठने के लिए कहा लेकिन किसान नहीं माने। खास बात यह है कि धरना दे रहे किसानों के बीच में स्थानीय समाजवादी पार्टी के नेता मनमोहन गामा अपनी टीम के साथ बैठे साफ दिखाई दे रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है किसानों के बीच में समाजवादी पार्टी भी भाजपा की उत्तर प्रदेश सरकार से दो-दो हाथ करना चाहती है। इस धरना के कारण जीटी रोड पर वाहन बहुत ही धीमी गति से चल रहे हैं।

ग्रेनो के यथार्थ अस्पताल में खुली पुलिस चौकी

नोएडा। अस्पताल परिसर में मरीजों और डॉक्टरों की सुरक्षा बढ़ाने और क्लिनिकल प्रक्रिया को बढ़ावा देने के मकसद से ग्रेटर नोएडा के यथार्थ सुपर स्पेशियल्टी हॉस्पिटल ने शनिवार को अपनी तरह की पहली परिसर स्थित पुलिस चौकी का उद्घाटन किया है। अस्पताल परिसर में स्थायी पुलिस चौकी की स्थापना न सिर्फ सुरक्षित क्षेत्र सुनिश्चित करेगी, बल्कि देर रात कभी भी भीड़ के हमलों जैसी घटनाओं से भी बचाव करेगी। इस पुलिस चौकी का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि गौतमबुद्धनगर के पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह ने किया।

विधायक निधि से 8 गलियों की सड़कों का हुआ निर्माण

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

शहर के शिब्बनपुरा इलाके की आठ गलियो में 54 लाख रूपये की लागत से तैयार इन्टर लॉकिंग सडकों का रविवार को प्रदेश के स्वास्थ्य राज्यमंत्री व शहर विधायक अतुल गर्ग ने एक समारोह में लोकार्पण किया। लगभग 54 लाख रुपये की विधायक निधि से बनी सड़कों से शिब्बनपुरा निवासियों को बड़ी राहत मिली है।

इस मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री अतुल गर्ग ने कहा कि मोदी व योगी सरकार जनहित में लगातार कार्य कर रही है। योगी सरकार में अपराध कम हुए हैं वहीं सरकारी विभागों में सभी की शिकायतें को शीघ्र सुना जा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में लाइट की व्यवस्था लगभग शतप्रतिशत है। वर्तमान में जनता भूल गई है कभी लाइट भी जाती है जबकि अन्य सरकारों में दिन में केवल 4 से 6 घंटे लाइट मिला करती थी।

राम मंदिर निर्माण को दिया ढाई करोड़ का दान

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

अयोध्या में बन रहे राम मंदिर से हर आम आदमी को जोड़ने की कवायद अब गाजियाबाद में शुरू हो गई है। गाजियाबाद में 2 दिन में राम मंदिर निर्माण के लिए करीब 5 करोड़ रुपए इकट्ठा किया गया है। अकेले एक शख्स ने इसके लिए 2 करोड़ 51 लाख 1 रुपये की राशि का दान किया है।

गाजियाबाद के शिक्षा संस्थान आईएमई के संचालक ने राम मंदिर के लिए भारी रकम का चेक दिया है। इस चेक में दो करोड़ 51 लाख 1 रुपये की रकम भरी गई है। गाजियाबाद

राम मंदिर निर्माण के लिए ढाई करोड़ का चेक सौंपते हरविलास गुप्ता।

निवासी हर प्रसाद गुप्ता ने यह चेक राम मंदिर निर्माण के लिए दिया है। हर प्रसाद गुप्ता के मुताबिक वो अपनी जवानी से राम मंदिर आंदोलन में जुड़े रहे हैं और अब अपनी आंखों के सामने जब उसको बनता देख रहे हैं, तो कोई कमी नहीं छोड़ना चाहते। हर प्रसाद गुप्ता ने बताया कि 2 दिन के भीतर ही हम लोग करीब 5 करोड़ रूपये गाजियाबाद से जोड़ चुके हैं। पर्चियों के जरिये रकम का संग्रह कर रहे हैं। पर्ची में दान कम से कम 10 रुपये का है और अधिक से अधिक कितना भी किया जा सकता है।

राम मंदिर के लिए पैसा इकट्ठा कर रहे लोग चाहते हैं कि ज्यादा से ज्यादा लोग लोगों को राम मंदिर निर्माण से जोड़ा जा सके। इसीलिए इसके लिए 4000 टोली बनाई गई है। यह टोली जगह-जगह जाकर पर्चियां काट रही हैं।

एकतरफा प्यार में युवती पर चाकू से किया हमला, जख्मी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● आरोपी युवक को पुलिस ने दबोचा

थाना फेस-2 क्षेत्र में नया गांव के पास एक युवक ने एकतरफा प्रेम के चलते युवती पर चाकू से हमला करके उसकी हत्या का प्रयास किया। युवती को गंभीर हालत में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां से उसे बाद में दिल्ली रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह जानकारी पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को दी।

थाना फेस-2 की प्रभारी निरीक्षक अनीता चौहान ने बताया कि आरोपी शिवनाथ एक निजी कंपनी में काम करने वाली एक युवती से एकतरफा प्रेम करने लगा। युवक ने कई बार युवती से प्रेम का इजहार किया, लेकिन युवती ने इंकार कर दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि शुक्रवार को जब युवती काम करने के लिए अपने कारखाने के लिए निकली तो युवक ऑटो रिक्शा में सवार होकर आया और चाकू से युवती की गर्दन पर वार करके फरार हो गया।

हादसे के बाद क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाती पुलिस।

ट्रक और कार की भिड़ंत में एक की मौत, 3 लोग जख्मी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● घायलों को अस्पताल में कराया भर्ती

थाना बादलपुर क्षेत्र के छपरौला के पास शनिवार सुबह एक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की जान चली गई। यहां सुबह एक ट्रक और कार की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि हादस में ट्रक से सहायक चालक की मौत हो गई जबकि अन्य तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। शव को पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। थाना बादलपुर के थानाध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा ने घटना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शनिवार की सुबह छपरौला के पास एक ट्रक और कार के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस घटना में ट्रक के सहायक चालक कृष्णमूर्ति (25 वर्ष)की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करा दिया है।

अगवा लड़की बल्लभगढ़ से बरामद, युवक फरार

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के थाना रबूपुरा क्षेत्र के मिर्जापुर गांव से अगवा की गई एक किशोरी को पुलिस ने हरियाणा के बल्लभगढ़ से बरामद कर लिया है। लड़की का अपहरण करने वाला युवक अभी फरार है जिसे पुलिस तलाश कर रही है।

थाना रबूपुरा के प्रभारी निरीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि मिर्जापुर गांव में रहने वाली एक किशोरी को राजेश कुमार नामक युवक ने दो दिन पूर्व अगवा कर लिया था। उन्होंने बताया कि किशोरी के परिजनों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच कर रही पुलिस ने हरियाणा के बल्लभगढ़ से किशोरी को बरामद कर लिया है, उसे अगवा करने वाला आरोपी राजेश फरार है।

जिले में दस दिवसीय टीबी खोज अभियान शुरू

स्वास्थ्य राज्यमंत्री अतुल गर्ग ने जागरूकता रैली को झंडी दिखाकर किया रवाना

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

जनपद में टीबी मरीजों की खोज के लिए दस दिवसीय अभियान शुरू हो गया है। घर-घर जाकर स्वास्थ्य विभाग की टीम टीबी के मरीजों को ढूंढकर उनका इलाज करेगी। 10 दिनों तक चलने वाले इस अभियान की शुरुआत स्वास्थ्य राज्यमंत्री अतुल गर्ग ने जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के साथ की।

इसके साथ ही उन्होंने टीबी विभाग को मिली नई डिजिटल एक्स-रे मशीन का भी शुभारंभ किया। टीबी विभाग में एक्स-रे मशीन लगने से अब मरीजों को भटकना नहीं पड़ेगा। केंद्र सरकार की ओर से वर्ष 2025 तक देश को पूरी तरह से टीबी मुक्त करने की योजना तैयार की गई है। योजना के तहत पूरे देश में टीबी की जांच और उपचार के संसाधन मुहैया

जिला अस्पताल से हरी झंडी दिखाकर टीबी खोज अभियान की शुरूआत करते स्वास्थ्य राज्यमंत्री।

करवाने के साथ टीबी मरीजों को पुष्टाहार राशि भी प्रदान की जा रही है।

जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. जेपी श्रीवास्तव ने बताया कि वर्ष 2021 का पहला सघन टीबी मरीज खोज अभियान आज से शुरु किया गया। 10 दिनों तक चलने वाले इस अभियान के दौरान टीबी विभाग 7.2 लाख आबादी को कवर करेगा। इस दौरान टीबी विभाग की टीमें 1.44 लाख घरों में विजिट करेंगी और परिवार के सभी सदस्यों की स्क्रीनिंग करेंगी। स्क्रीनिंग के दौरान जिसमें टीबी के लक्षण मिलेंगे, उनकी जांच की जाएगी। इस अभियान के लिए टीबी विभाग में 195 टीमों का गठन किया गया है और 39 सुपरवाइजर नियुक्त किए गए हैं। पूरे अभियान की निगरानी के लिए 13 नोडल अधिकारी बनाए गए हैं।

विभाग को मिली अपनी डिजिटल एक्सर मशीन : डीटीओ डॉ. जेपी श्रीवास्तव ने बताया कि डिजिटल एक्सरे मशीन मिलने से टीबी के मरीजों के इलाज में सुविधा मिलेगी। उन्होंने बताया शासन से मशीन स्वीकृत होने के बाद कोरोना संक्रमण शुरू सहो गया, जिसके चलते मशीन नहीं आ सकी थी। अब मशीन विभाग को प्राप्त हो गई है और उसे टीबी जांच कक्ष में स्थापित किया गया है।

सेप्टिक टैंक में गिरने से 5 साल के बच्चे की मौत

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा थाना क्षेत्र में सेप्टिक टैंक में गिरने से पांच साल के बच्चे की मौत हो गई। थाना प्रभारी निरीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि गांव मुरादगढ़ी निवासी विपिन ने बीती रात पुलिस में शिकायत दर्ज करायी थी कि उसका पांच साल का बेटा निखिल घर से दुकान पर टॉफी लेने गया था लेकिन नहीं लौटा है।

शनिवार को पुलिस बच्चे की तलाश कर रही थी, उसी दौरान वह निर्माणाधीन एक मकान के बराबर में बने शौचालय के गड्ढे में घायल अवस्था में मिला। पुलिस ने बताया कि गड्ढे से निकालकर बच्चे को ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में भर्ती कराया गयाए जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

नोएडा
नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रशासनिक भवन, सैक्टर-6, नौएडा-201301 (उ०प्र०)
वेबसाइटः www.noidaauthorityonline.com

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

UPLC लखनऊ में पंजीकृत फर्मो/ठेकेदारों से निम्न जॉब संख्या हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं, जिन्हें निम्नानुसार तिथियों तक अपलोड किया जा सकता है एवं प्राप्त ई-निविदाओं को उनके सम्मुख दर्शायी गई तिथियों पर खोला जायेगा। निविदा सम्बन्धी समस्त विवरण व शर्तें नौएडा प्राधिकरण की वेबसाइट www.noidaauthorityonline.com एवं UPLC की वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। किसी परिवर्तन, संशोधन व अतिरिक्त सूचनाओं के लिये उक्त वेबसाइट देखते रहें।

क)	(1)	जॉब सं०-15/ई-निविदा/भ०क्र०वि०/2019-20, कार्य का नाम - मैन हॉल कवर्स फ्रेम सहित की आपूर्ति हेतु, नौएडा, अनुमानित लागत रु० 2257500.00

उक्त निविदा दिनांक 11.01.2021 को 5.00 बजे तक अपलोड किया जा सकता है। प्राप्त ई-निविदाओं की प्री-क्वालिफिकेशन दिनांक 12.01.2021 को 11.00 बजे खोली जायेंगी।
भण्डार क्रय अधिकारी
कार्यालय : सैक्टर-39
नौएडा
स्वच्छ, हरित, सकुशल, सुरक्षित नौएडा

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाषः 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादकः चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादकः उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 4 जनवरी 2021

पहले चरण में 9 लाख लोगों को लगेगा टीका

कोविड-19 वैक्सीन के दिल्ली पहुंचने का इंतजारः सत्येंद्र जैन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दो कोविड-19 टीकों की मंजूरी मिलने के बाद दिल्ली सरकार ने कमर कस ली है। केजरीवाल सरकार पहले चरण में करीब तीन लाख स्वास्थ्य कर्मियों और अग्रिम मोर्चे पर काम करने वाले करीब छह लाख लोगों को टीका लगाएगी।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने रविवार को दो कोविड-19 टीकों के आपात इस्तेमाल की मंजूरी मिलने का स्वागत किया और कहा कि टीका पहुंचते ही दिल्ली सरकार टीकाकरण शुरू करने को तैयार है।

जैन ने बताया कि करीब नौ लाख लोगों को टीका लगाया जाएगा, जिसमें तीन लाख स्वास्थ्य सेवा में लगे और छह लाख अग्रिम मोर्चे में लगे लोग शामिल है। उन्होंने कहा, भारत के औषधि महानियंत्रक ने दो टीकों के आपात इस्तेमाल की मंजूरी दे दी है। इसे संभव बनाने के लिए दिन रात काम करने वाले वैज्ञानिकों और अनुसंधानकर्ताओं को ढेर सारी बधाई। डीसीजीआई ने सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा निर्मित ऑक्सफोर्ड कोविड-19 टीके कोविशील्ड और भारत बायोटेक के स्वदेश में विकसित टीके को वैक्सीन के देश में सीमित आपात इस्तेमाल को रविवार को मंजूरी दे दी, जिससे व्यापक टीकाकरण अभियान का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार रोल-आउट के लिए पूरी तरह से तैयार है। सरकारी अस्पताल, निजी अस्पताल और सरकारी डिस्पेंसरी- इन तीन स्थानों पर बने केंद्रों पर एक ड्राई रन चलाया गया। वैक्सीन के स्टोरेज की भी सारी तैयारियाँ हो गई हैं। पहले चरण में, हम 500-600 वैक्सीन केंद्र बनाएंगे जिसके बाद इन केंद्रों की संख्या बढ़ाकर 1000 तक कर दी जाएगी।

दिल्ली में कोविड बेड की संख्या घटाने पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा, पिछले कुछ दिनों में हमने दिल्ली में बेडों की संख्या घटाई है। जिसके तहत दिल्ली सरकार के अस्पतालों में 2500 एवं निजी अस्पतालों में 5000-6000 बेड कम किए गए।

वैज्ञानिक और डॉक्टरों को सलाम : केजरीवाल

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि भारत में बने दो टीकों के आपातकालीन उपयोग के लिए मंजूरी से देश में कोरोनो वायरस बीमारी (कोविड-19) के खिलाफ लड़ाई को सकारात्मक दिशा मिलेगी। देशवासियों को बधाई देते हुए, केजरीवाल ने उपलब्धि के लिए वैज्ञानिकों और डॉक्टरों को सलाम किया। सभी देशवासियों को बधाई। डीसीजीआई द्वारा भारत में निर्मित दो टीकों के आपातकालीन उपयोग को मंजूरी देना देश की कोरोना के खिलाफ लड़ाई को एक सकारात्मक दिशा देगा।

लगातार दूसरे दिन कोरोना के 500 से कम केस

● रिकवरी दर पहली बार 97.5 फीसदी के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई

नई दिल्ली। नए साल में कोविड-19 महामारी का प्रकोप कम होता जा रहा है। राजधानी दिल्ली में लगातार दूसरे दिन कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा 500 से नीचे पहुंच गया है। साथ संक्रमण दर घटकर 0.62 फीसदी पर आ गई है।

यह दिल्ली में कोरोना संक्रमण की सबसे कम दर है। अच्छी बात यह भी है कि सक्रिय मरीजों की दर लगातार छठे दिन एक फीसदी से नीचे है और आज यह पहली बार 0.85 फीसदी पर आ गई है।

रिकवरी दर पहली बार 97.5 फीसदी के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, रविवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 424 नए मामले सामने आए। यह पिछले साढ़े सात महीनों में अब तक की सबसे कम संख्या है। संक्रमण से 14 और लोगों की मौत हो गई और संक्रमण की दर 0.62 प्रतिशत हो गई। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शहर में कुल मामलों की संख्या 6.26 लाख से अधिक है, वहीं मृतक संख्या 10,585 हो गई है। शनिवार को 494 नए मामले सामने आए थे और संक्रमण की दर 0.73 प्रतिशत रही। स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने शनिवार को ट्वीट करके कहा था कि पिछले 11दिन से संक्रमण की दर एक प्रतिशत से नीचे बनी हुई है और नए मामलों की संख्या 17 मई से सबसे कम है।

गत 21-23 दिसंबर से रोजाना सामने आने वाले मामलों की संख्या 1000 से नीचे है। 21 दिसंबर को 803, 22 को 939 और 23 दिसंबर को 871 नए मामले सामने आए थे। हालांकि, 24 दिसंबर को 1,063 नए मामले सामने आए थे, फिर 25 दिसंबर को यह संख्या कम होकर 758 और फिर 26 दिसंबर को 655 हो गई थी। 27 दिसंबर को 757 मामले सामने आए थे, जबकि 28 दिसंबर को एक दिन में सामने आने वाले नए मामलों की संख्या 564 थी।

तंबुओं में घुसा बारिश का पानी, फिर भी राजधानी की सीमाओं पर डटे किसान

● अलाव, ईंधन, कंबल सब कुछ भीगा, पर हौसला नहीं टूटा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में बारिश से पारा ऊपर गया है, लेकिन ठिठुरन बढ़ गई है। नए साल के तीसरे दिन मौसम ने पूरी तरह से करवट ले ली है। इसकी मार सबसे ज्यादा किसानों को झेलनी पड़ रही है। नए कृषि कानूनों के खिलाफ पिछले एक महीने से भी अधिक समय से दिल्ली की सीमाओं पर डटे किसानों की मुश्किलें रातभर हुई बारिश ने बढ़ा दीं।

बारिश होने से रविवार सुबह तक आंदोलन स्थलों पर तंबुओं में पानी भर गया और अलाव, ईंधन की लकड़ी, कंबल आदि भी भीग गए।संयुक्त किसान मोर्चा से जुड़े किसान नेता अभिमन्यु कोहर ने बताया कि किसान जिन तंबुओं में रह रहे हैं वे वाटरप्रूफ हैं लेकिन ये ठंड और जलभराव से उनका बचाव नहीं कर सकते। बारिश की वजह से प्रदर्शन स्थलों पर हालात बहुत खराब हैं। जगह-जगह बारिश का पानी जमा हो गया है। बारिश के बाद ठंड बहुत बढ़ गई है लेकिन सरकार को किसानों की पीड़ा नजर नहीं आ रही। सिंघू बॉर्डर पर डटे गुरविंदर सिंह ने कहा कि कुछ स्थानों में पानी भर गया है। समुचित जन सुविधाएं नहीं हैं। कई तरह करी दिक्कतों के बावजूद भी वे यहां से तब तक नहीं हिलने वाले जब तक कि किसानों की मांगें पूरी नहीं हो जातीं। पंजाब और हरियाणा के किसानों समेत हजारों की संख्या में किसान नए कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सिंघू, टिकरी और गाजीपुर सीमाओं पर एक महीने से भी अधिक समय से डटे हुए हैं।

खाना बनने की हुई परेशानी

भारतीय किसान यूनियन (उग्रहण) के नेता सुखदेव सिंह के नेतृत्व में किसान टिकरी सीमा पर प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों ने ठंड से बचने के लिए जो इंतजाम किए हैं, वे बारिश और उसके बाद होने वाले जलभराव के कारण ज्यादा मददगार साबित नहीं हो रहे। किसान वीरपाल सिंह ने कहा कि उनके कंबल, कपड़े, लकड़ियां आदि भीग गए हैं। बारिश के कारण हुए जलजमाव के चलते उनके कपड़े भीग गए। खाना बनाने में भी परेशानी आ रही है क्योंकि लकड़ी भीग गई है। उनके पास एलपीजी सिलेंडर है लेकिन यहां हर किसी के पास यह नहीं है। गाजीपुर सीमा पर प्रदर्शन कर रहे किसानों में से एक धर्मवीर यादव ने कहा, चाहे तूफान क्यों न आ जाए वह किसी भी परेशानी का सामना करने को तैयार हैं लेकिन जब तक मांगें पूरी नहीं होती, वह इस स्थान से नहीं हटेंगे। बुराड़ी स्थित मैदान में भी शिविरों में पानी भर गया।

‘परीक्षा परिणाम की समय-सीमा तय करे डीयू’

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) को आदेश दिया है कि छात्रों के रिजल्ट जारी करने और दीक्षांत समारोह की एक समयसीमा तय करें।

उच्च न्यायालय ने कहा कि डीयू इन मुद्दों के बारे में समयसीमा प्रदान करने करने और इसकी प्रक्रिया को लेकर एक विस्तृत हलफनामा दायर करे ताकि छात्रों को हर सेमेस्टर में असुविधा न हो और उन्हें अंक तालिका तथा डिग्री प्रमाण पत्र हासिल करने के लिए इस तरह अदालत का दरवाजा खटखटाने के लिए मजबूर न होना पड़े। न्यायमूर्ति एम. प्रतिभा सिंह ने कहा, अदालत की राय है कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि परिणामों की घोषणा, प्रतिलेख, अंक-तालिका और डिग्री प्रमाण पत्र आदि जारी करने के लिए एक व्यापक, सुव्यवस्थित प्रक्रिया हो। उच्च न्यायालय ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा दायर किया गया पिछला हलफनामा संतोषजनक नहीं था क्योंकि डिजिटल डिग्री प्रमाणपत्र जारी करने और डिजीलॉकर तक डेटा प्रसारित करने के लिए कोई विशेष समयसीमा नहीं दी गई है और हलफनामा बहुत ही अस्पष्ट था। अदालत, डीयू के पूर्व छात्रों द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिनमें तत्काल आधार पर डिग्री प्रमाण पत्र जारी करने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया गया है ताकि छात्र उच्च शिक्षा हासिल कर सकें।

कोर्ट ने सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के समापन के बाद परिणाम घोषित करने के लिए एक समयसीमा प्रदान बताने के लिए कहा। डीयू से परीक्षा परिणाम के बाद अंक पत्र, प्रतिलिपि जारी करने या उन्हें ऑनलाइन उपलब्ध कराने के लिए भी कहा है।

दिल्ली में खुली तमिल अकादमी

● पूर्व पार्षद और दिल्ली तमिल संगम के सदस्य एन. राजा बने पहले उपाध्यक्ष

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी की सरकार राजधानी में विभिन्न भाषाओं व संस्कृतियों को बढ़ावाा देने के लिए अकादमी बना रही है।

इसी कड़ी में उसने तमिल अकादमी का गठन किया है। तमिल भाषा और संस्कृति का प्रचार-प्रसार करने के मकसद से बनाई गई इस अकादमी की अधिसूचना जारी कर दी है। दिल्ली नगर निगम के पूर्व पार्षद और दिल्ली तमिल संगम के सदस्य एन. राजा को इस अकादमी का पहला उपाध्यक्ष नियुक्त किया है।

नई अकादमी को जल्द ही सभी आवश्यक अधिसंरचना के साथ एक कार्यालय के लिए स्थान आवंटित किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली सांस्कृतिक रूप से काफी समृद्ध महानगर है। यहां देश के सभी हिस्सों के लोग रहते और काम करते हैं। यही सांस्कृतिक विविधता राजधानी की जीवंत और महानगरीय संस्कृति बनाती है। दिल्ली में रहने वाली तमिलनाडु की बड़ी आबादी के लिए वह एक मंच देना चाहते हैं। साथ ही राजधानी के लोगों को भी तमिलनाडु की कला-संस्कृति का लाभ मिलेगा। उन्हें खुशी है कि अकादमी के प्रथम उपाध्यक्ष एन. राजा जैसे प्रमुख लोगों ने इस अकादमी की स्थापना में अपना भरपूर सहयोग दिया है।

मालूम हो कि सिसोदिया के पास कला, संस्कृति और भाषा विभाग का कार्यभार भी है। एन. राजा ने कहा कि उपमुख्यमंत्री के अधीन दिल्ली सरकार द्वारा तमिल भाषा अकादमी की स्थापना की है।

धूल से प्रदूषण को लेकर तीनों निगमायुक्तों को पर्यावरण समिति ने किया तलब

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा की पर्यावरण समिति ने धूल से प्रदूषण होने की समस्या को लेकर तीनों नगर निगम के आयुक्तों को तलब कर सोमवार को पेश होने के लिए कहा है। समिति की अध्यक्ष एवं आम आदमी पार्टी की विधायक आतिशी ने रविवार को कहा कि दिल्ली में वायु प्रदूषण के लिए सड़क पर मौजूद धूल भी एक प्रमुख कारण है, लेकिन एमसीडी झाड़ू लगाने की मशीनों का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। उन्होंने एमसीडी को धूल से होने वाले प्रदूषण के लिए जिम्मेदार ठहराया।

आतिशी ने टेरी (ऊर्जा एवं संसाधन संस्थान) की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि एमसीडी झाड़ू लगाने की मशीनों का इस्तेमाल नहीं कर रही है जबकि राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने इस सिलसिले में निर्देश दिए थे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण समिति को धूल की मात्रा बढ़ने के बारे में शहर के विभिन्न हिस्सों से शिकायतें मिली हैं। समिति ने नगर निगम आयुक्तों से अधिकरण के आदेशों और टेरी की सिफारिशों के क्रियान्वयन के संबंध में एक रिपोर्ट भी सौंपने को कहा है।

आतिशी ने कहा कि यह चौंकाने वाली बात है कि सर्वोच्च न्यायालय और एनजीटी के निर्देशों और टेरी जैसे प्रमुख पर्यावरण अनुसंधान संगठनों की सिफारिशों के बावजूद दिल्ली में 20,000 किलोमीटर से अधिक छोटी सड़कें हाथों से साफ की जाती हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एमआरएस से केवल हर दिन लगभग 1300 किमी सड़क की सफाई होती है। यह वास्तव में भयावह है और एनजीटी द्वारा जारी किए गए निर्देशों का उल्लंघन है।

रघुवीनगर में मामूली विवाद में युवक को पीटकर मार डाला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रघुबीर नगर में कुछ लोगों ने 27 वर्षीय एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मृतक की पहचान सतेंद्र के रूप में हुई है, जो शिवाजी विहार की जनता कालोनी का रहने वाला था।

वह पहले लूट और चोरी समेत करीब आठ मामलों में संलिप्त पाया गया था। पुलिस ने कहा कि झगड़े का सटीक कारण फरार संदिग्धों को पकड़ने के बाद ही पता चल पाएगा। पुलिस के अनुसार शनिवार और रविवार की दरमियानी रात सतेंद्र और उसके दोस्तों नितिन तथा मनीष का विक्की नाम के व्यक्ति के साथ झगड़ा हुआथा, जिसके बाद विक्की ने अपने साथियों के साथ मिलकर बेसबॉल केबल्लों से सतेंद्र पर हमला कर दिया।

लकी ड्रॉ के नाम पर 2.21 करोड़ ठगे, बाप-बेटा गिरफ्तार

● लोगों से तीन हजार और 75 हजार रुपये 20 महीने तक जमा करने का देता था लालच

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भुवनेश गुप्ता

विवेक गुप्ता

दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने लकी ड्रॉ के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले बाप-बेटा को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों की पहचान पिता भुवनेश गुप्ता (59 साल) और उसके बेटे विवेक गुप्ता (34 साल) के रूप मे हुई है। आरोपी मोहिनी इंटरप्राइजेज नाम के जरिये लोगों को फर्जी मान्यता प्राप्त लकी ड्रॉ के नाम पर 2.21 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की थी। संयुक्त पुलिस आयुक्त ओपी मिश्रा के अनुसार, कुछ लोगों ने शिकायत दी थी कि भुवनेश गुप्ता और विवेक गुप्ता ने उत्तम नगर में श्री मोहिनी ज्वेलर्स नाम से एक दुकान खोली हुई थी। वर्ष 2017 में आरोपियों ने श्री मोहिनी एंटरप्राइजेज नाम से एक लकी ड्रा की स्कीम शुरू की। जिसके तहत 20 महीने तक अलग-अलग 2 योजनाओं में हर महीने 3000 और 75000 रुपये जमा करने के लिए कहा गया। ये कहा गया कि लकी ड्रा में एसी और फ्रिज जैसे इनाम निकलेंगे और जिसके इनाम नहीं निकलेंगे। उन्हें हर महीने 3 हजार की किस्त वाले को 63000 रुपये के गहने और 75000 रुपये की किस्त देने वाले को 15 लाख रुपये से ऊपर के गहने मिलेंगे।

लोगों को फर्जी सरकारी पेपर्स दिखाकर गुमराह कर रहे थे। साथ ही उन्हें कथित सरकार द्वारा प्रमाणित योजना में पैसे लगाने का लालच भी देते थे। आरोपियों ने 18 ड्रा करवाए और लोगों से सवा दो करोड़ रुपये की ठगी कर भाग गए। उत्तमनगर से फरार होने के बाद दिल्ली एनसीआर में ही लगातार अपने ठिकाने बदल रहे थे।

हनुमान मंदिर तोड़ने के विरोध में प्रदर्शन

नई दिल्ली। चांदनी चौक इलाके में प्राचीन हनुमान मंदिर को तोड़ने के विरोध में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भाजपा व एमसीडी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। आप नेता दुर्गेश पाठक ने कहा, कि खुद को हिंदुओं का हितैषी बताने वाली भाजपा का असली चेहरा आज देश के सामने बेनकाब हो गया है। भाजपा ने चांदनी चौक में पुराने प्राचीन हनुमान मंदिर को तोड़कर, करोड़ों हिंदुओं की भावनाओं को आहत किया है। पाठक ने कहा, कि नगर निगम ने अपने हलफनामे में साफ तौर पर इस हनुमान मंदिर को तोड़ने की इच्छा जाहिर की थी और बीती रात उन्होंने अपना कहा पूरा कर दिया।

गाजीपुर लैंडफिल की ऊंचाई 12 मीटर कम हुई : गंभीर

कचरे को हटाने के लिए 15 ट्रॉमेल मशीन लगाई गई

● पिछले वर्ष तक 65 मीटर तक खड़ा हो गया था कूड़े का पहाड़

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के सांसद गौतम गंभीर ने दावा किया है कि गाजीपुर लैंडफिल साइट की ऊंचाई 12 मीटर कम हो गई है। इस निरंतर प्रयास के लिए उन्होंने पूर्वी दिल्ली नगर निगम की सराहना की है।

सांसद गंभीर इस परियोजना से करीब से जुड़े हैं। भाजपा सांसद ने कहा कि 2002 से गाजीपुर लैंडफिल साइट पर पूर्वी दिल्ली नगर निगम (ईडीएमसी) क्षेत्रों से उठाए गए कचरे को जमा किया जाता है और इसकी ऊंचाई 65 मीटर तक पहुंच गई थी।

उन्होंने कहा, पूर्वी दिल्ली का सांसद बनने के बाद पहले दिन से उनकी सबसे पहले प्राथमिकता गाजीपुर लैंडफिल की ऊंचाई को कम करना है, जो इस क्षेत्र के लोगों के लिए प्रदूषण और परेशानी का कारण है। उन्होंने कहा कि विभिन्न अधिकारियों के साथ उनकी कई बैठकें, उनकी सांसद निधि (एमपीलैड) से करोड़ों रुपए के उपयोग और ईडीएमसी द्वारा किए गए प्रयासों से आखिरकार लैंडफिल की ऊंचाई को 12 मीटर कम करने में मदद मिली।

गौतम ने कहा कि लगभग डेढ़ साल के बाद आखिरकार कड़ी मेहनत के शुरुआती परिणामों को देख रहे हैं और कचरा पहाड़ कम हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ शुरुआत है और अब हार नहीं मानेंगे जब तक इस विशाल कचरा को पूरी तरह से हटा नहीं देते। ईडीएमसी ने कचरे की खुदाई करके इसके निपटारे के लिए 15 ट्रॉमेल मशीन तैनात किए हैं। इन मशीनों से कूड़े का निस्तारण कर खाद् और बिजली बनाई जाती है। ज्ञात हो कि गाजीपुर लैंड साइट कई बार खतरनाक रूप धारण कर चुकी है। तीन साल पहले इस पहाड़ से कूड़े का रिसाव हुआ और दबकर लोगों की मौत हो गई। मामला राजनीतिक हो गया,जिसके बाद साइट से कूड़े हटाने की कवायाद शुरू हुई। अब लगाकर वहां पर सफाई की जा रही है।

भाजपा ने शुरू किया जनजागरण अभियान

एमसीडी फंड मामला

● प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता की अगुवाई में सभी बूथों पर कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

फंड को लेकर पर्चा बांटते प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता

एमसीडी के मुद्दे पर भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच खींचातानी जारी है। आप भाजपा पर एमसीडी में 2500 करोड़ों के घोटाला का आरोप लगा रही है। वहीं भगवा पार्टी का आरोप है कि दिल्ली सरकार उसके बकाए 13 हजार करोड़ रुपये नहीं दे रही है। इसे लेकर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता की अगुवाई में लगभग 3 लाख कार्यकर्ताओं ने जनजागरण अभियान चलाया और 5 लाख लोगों के बीच 13 हजार कारोड़ रुपए बकाया संबंधित जानकारी के पत्र बांटे।

आदेश गुप्ता ने वेस्ट पटेल नगर स्थित अपने निवास स्थान के बाहर प्लेकार्ड लेकर निगम के बकाए फंड की मांग को लेकर जनजागरण अभियान की शुरुआत करते हुए लोगों को पत्र बांटे। नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने बदरपुर विधानसभा क्षेत्र, प्रदेश संगठन महामंत्री सिद्धार्थन ने प्रदेश कार्यालय के बाहर, सांसद गौतम गंभीर ने कार्यकर्ताओं के साथ जनजागरण अभियान चलाया।

नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी निगम के सभी कोरोना वॉरियर्स ने दिल्ली के लोगों के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया है। लेकिन केजरीवाल ने संवेदनहीनता दिखाते हुए इन कोरोना योद्धाओं के हक के पैसे जारी नहीं कर रही है।

सर्दी में हुई झमाझम बरसात से खिले किसानों के चेहरे

मेवात। रविवार देर रात से ही गरज के साथ आसमान से सोना बरस रहा है। बे मौसम बरसात से भले ही ठंड बढ़ गई हो, लेकिन इस बरसात ने किसानों के चेहरों पर रौनक लाने का काम किया है। सरसों-गेहूं की फसल के अलावा दलहन की फसलों को भी इस बरसात से अच्छा खासा लाभ हुआ है। सबसे अधिक लाभ उन किसानों को हुआ है , जिनके पास प्यासी धरती को सिंचाई करने के लिए पानी का कोई इंतजाम नहीं था।

हरियाणा के नूंह जिले के हजारों किसानों की भूमि बिना सिंचाई के प्यासी रहती है और फसलों का उत्पादन भी कम होता है। कई बार कुदरत अच्छी बरसात कर देते हैं, तो उन प्यासे खेतों में भी सोना उगल जाता है। नगीना खंड के दर्जनों गांव में सिंचाई के कोई साधन नहीं हैं। कृषि बरसात पर आधारित है। बरसात के साथ-साथ कुछ देर जब ओलावृष्टि हुई तो किसानों की सांसें थम गई, लेकिन ओलावृष्टि से फसलों को कम नुकसान होने की संभावना है, क्योंकि ओलावृष्टि कुछ देर बाद ही थम गई। सुबह हुई झमाझम बरसात से ना केवल फसलों में रौनक देखने लायक थी, बल्कि पेड़ों की धुलाई भी इस बरसात में पूरी तरह से करने का काम कर दिया।

झमाझम बरसात होती हुई, खेतों में गेहूं की फसल बरसात के बाद लहराती हुई।

खेतों में सोना बनकर बरसी बेमौसम बारिश

बारिश को देख किसानों के चेहरे खिल उठे

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

रविवार की सुबह से रुक-रुककर हुई बारिश खेतों में सोना बनकर बरसी। बारिश को देख किसानों के चेहरे खिल उठे। किसान बेमौसम बारिश को फसलों के लिए सोने पर सुहागा बता रहे है। शहरी क्षेत्र में बारिश ने आम रास्तों से लेकर सड़कों फैली गंदगी से पैदल चलने वालों को निकलना मुश्किल कर दिया।

रविवार की सुबह से हो रही बारिश से कही खुशी, कही गम का माहौल बना दिया। बारिश को देख किसानों के चेहरे अपनी फसल के ऊपर पड़ता देख खिल उठे। वहीं किसानों ने इस बारिश को सोना बताते हुए लाभदायक बताया है। किसान मांगेराम का कहना है कि रुक-रुककर होने वाली बारिश का पानी खेत में ठहर जाता है। जिसका पानी जमीन के अंदर धीरे-धीरे जाता है। तेज बारिश का पानी बहकर दूर चला जाता है। जो खेत में मिट्टी कटाव से बना ही देता है। वह फसल के लिए अधिक फायदेमंद नहीं होता है। बूंदाबांदी के तरीके से होने वाली बारिश फसलों की जड़ तक पानी पहुंचता है। जिससे फसल तेजी से बढ़ती है।

सोहना में बेमौसम बारिश खेतों में सोना बनकर बरसी।

शहर में सफाई की पोल खुली

जनवरी में होने वाले स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारी में जुटी नगर परिषद के सफाई कर्मियों द्वारा कार्य में बरती जा रही ही लापरवाही की पोल बारिश ने खोल दी है। शहर के मुख्य बाजारों और वार्डों में बनें बरसाती नालों की सफाई न होने गंदा पानी आम रास्तों में बहकर चल रहा है। रविवार को कूड़ा न उठने के कारण बारिश में ऐसे ही आम रास्तों में पैरों के नीचे कुचला जाता रहा है। बरसाती नालियों से पानी ऑवर फ्लो होकर रास्तों जमा हो गया।

फसल निरोग और सर्दी का असर नहीं

किसान भोलूराम सैनी का कहना है कि बारिश होने से सरसों की फसल में चैपा (फसल को बरबाद करने वाला कीड़ा) नहीं लगता है। सरसों की फैली में दाना मोटा होता है। जिससे फसल की पैदावार अनुमान से अधिक होती है। गेहूं, ज्यो की फसलें तेजी से लंबाई में बढ़ती है। उसके अंदर बाल मोटी और अधिक वजन वाली होती है। किसान दलेरसिंह यादव का कहना है कि अब पड़ने वाला पाला और कोहरे का असर फसल पर अधिक असर नहीं कर पाएगा। फसलों को पानी व खाद की अधिक जरूरत नहीं होगी।

नए कृषि कानूनों को रद्द करने तक आंदोलन जारी रहेगा : राकेश टिकैत

गुरुग्राम में चल रहे धरने का समर्थन करने पहुंचे किसान नेता राकेश टिकैत

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

किसान आंदोलन के 39वें दिन किसान, मजदूर तथा गुरुग्राम के विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रमुख व्यक्ति धरने पर बैठे। रविवार को धरने पर भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत पहुंचे और किसानों का हौंसला बढ़ाया।

उन्होंने धरने पर बैठे लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि नए कानून नाम के कृषि कानून है, लेकिन यह पूंजीपतियों के हित के लिए बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि जब तक किसानों की मांगें नहीं मानी जाएंगी, किसान दिल्ली में ही डटे रहेंगे। उन्होंने कहा कि जल्द ही राजस्थान के किसान दिल्ली बॉर्डर पर पहुंचेंगे। उन्होने संयुक्त किसान मोर्चा गुरुग्राम से कहा कि राजस्थान के किसान दिल्ली बॉर्डर पर पहुंचें तो संयुक्त किसान मोर्चा गुरुग्राम उनकी हर संभव सहायता करें।

इस पर संयुक्त मोर्चा गुरुग्राम के अध्यक्ष संतोख सिंह ने आश्वासन दिया कि राजस्थान से जितने भी किसान आएंगे, उनकी हर संभव मदद की जाएगी। धरने पर पहुंचे भारतीय किसान यूनियन के महामंत्री युद्धवीर सिंह ने कहा कि सरकार किसानों को गुमराह कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार को किसानों की मांगे मानकर तीनों कानूनों को रद्द कर देना चाहिए।

इस मौके पर वीरू सरपंच, नवनीत रोज ने संयुक्त बयान में कहा कि 39वें दिन कड़कड़ाती ठंड और लगातार बारिश के बावजूद सैकड़ों की संख्या में विभिन्न मजदूर एवं कर्मचारी संगठनों के व्यक्ति किसानों की मांगों के समर्थन में धरने पर बैठे। उन्होंने कहा कि आंधी बारिश और तूफान भी आंदोलन की राह नहीं रोक सकते हैं। उन्होंने कहा कि जब तक किसानों की मांगे नहीं मानी जाती आंदोलन जारी रहेगा।

गुरुग्राम में कृषि कानूनों के विरोध में धरने पर लोगों के साथ बैठे भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत।

तावडू अनाज मंडी में बरसात में भीगा हजारों क्विंटल बाजरा

तावडू। जिले की तावडू अनाज मंडी में समय पर लिफ्टिंग नहीं होने के कारण खुले में पड़ा हुआ हजारों क्विंटल बाजरा रविवार की बरसात में पूरे दिन भीगता रहा। मंडी में भीगते हुए बाजरे पर मंडी प्रशासन भी लापरवाह दिखाई दिया। वहीं आढ़तियों की ओर से भीगते हुए बाजरे को बचाने की कोई कोशिश मंडी में नजर नहीं आई।

बता दें कि गत 29 दिसंबर से तावडू अनाज मंडी में बाजरे की खरीद दोबारा शुरू की गई थी, जिसके मुताबिक बचे हुए पंजीकृत 626 किसानों की बाजरे की फसल खरीद की जानी थी। जो 1 जनवरी तक पूरी कर ली गई थी, लेकिन खरीद करने के बाद मंडी से समय पर बाजरे की लिफ्टिंग नहीं हुई, जिसके कारण रविवार को आई तेज बरसात में खुले में रखा हुआ बाजरा पूरे दिन भीगता रहा। वही खरीद एजेंसी के अधिकारी ने लेबर की कमी को समय पर लिफ्टिंग नहीं होने का कारण बताया। तावडू मार्केट कमेटी सचिव मनीष कुमार ने बताया कि बचे हुए 626 पंजीकृत किसानों के बाजरे की खरीद एक जनवरी तक पूरी कर ली गई थी। हरियाणा वेयरहाउस तावडू के प्रबंधक जगदीश बांगड़ ने बताया कि दोबारा जारी शेड्यूल में बचे हुए किसानों से अनाज मंडी में लगभग साढ़े 11 हजार क्विंटल बाजरा खरीदा गया था। उन्होंने बताया कि तावडू अनाज मंडी से लगभग 5000 क्विंटल की लिफ्टिंग पहले ही कर ली गई थी, लेकिन मंडी में आढ़तियों के पास कम लेबर की समस्या और खरीद के दौरान मंडी में बाजरे की आवक ज्यादा होने के कारण लिफ्टिंग नहीं हो सकी। वहीं उन्होंने बरसात में बाजरा भीगने के लिए मंडी प्रशासन और आढ़तियों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने बताया कि मंडी में फसल का उचित रखरखाव करने की जिम्मेदारी मंडी प्रशासन व आढ़तियों की है । मंडी में ज्यादातर आढ़तियों ने खरीदे गए बाजरे पर त्रिपाल या शेड लगाकर नहीं ढका है।

पूंजीपतियों की साथी सरकार किसानों का नहीं कर सकती हित: सेलजा

कृषि कानूनों से लोकतंत्र का गला घोटने की जा रही कोशिश

पलवल। पलवल में कृषि कानूनों के विरोध में चल रहे किसानों के धरना प्रदर्शन में रविवार को हरियाणा कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष कुमारी सेलजा पहुंचीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इन बिलों के विरोध करते हुए पहले दिन से किसानों के साथ खड़ी है। इन कानूनों के साथ लोकतंत्र का गला घोटने कोशिश की जा रही है।

उन्होंने केंद्र सरकार पर पूंजीपतियों का साथ देने का आरोप लगाते हुए कहा कि किसानों से सरकार की वार्ता ढोंग है। सरकार दोहरी नीति के तहत किसानों से बात करती है। उसके बाद उन्होंने विश्राम गृह में

प्रेसवार्ता को भी संबोधित किया। पलवल में केजीपी-केएमपी एक्सप्रेस-वे के इंटरचेंज पर पिछले एक माह से धरने पर बैठे किसानों को रविवार को बारिश ने खूब परेशान किया लेकिन सुबह से लगातर चल रही बारिश किसानों के हौसलों को कम नहीं कर पाई। 14वें दिन बुंदेलखंड के 11 किसान क्रमिक भूख हड़ताल पर रहे और किसानों के बीच कांग्रेस प्रदेश अध्यक्षा कुमारी सैलजा पहुंची और भूख हड़ताल पर बैठे किसानों से मुलाकात की। इस आंदोलन के दौरान करीब 50 किसानों ने अपनी जान गंवाई है। बावजूद इसके सरकार ने एक भी शब्द किसानों की साहनुभूति को लेकर नहीं कहा।

एलिवेटेड मार्ग पर अंडरपास बंद होने से ग्रामीणों में रोष

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

गुरुग्राम-सोहना एलिवेटेड मार्ग निर्माण के दौरान गांव धुनेला में अंडरपास बंद होने से ग्रामीणों में भारी निराशा। एलिवेटेड मार्ग के पार राजकीय मिडल स्कूल में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को सड़क पार करने में परेशानी होगी।

गुरुग्राम एलिवेटेड मार्ग पर सोहना से पांच किलोमीटर दूर गांव धुनेला के राजकीय मिडल स्कूल में करीब 207 विद्यार्थियों ने अप्रैल 2020 में कक्षा पहली से आठ में पढ़ने के लिए अपना नाम दर्ज कराया था। कोरोना काल के चलते गांव के निवासी 207 विद्यार्थी अपने घर पर रहकर ऑनलाइन शिक्षा प्राप्त करने के लिए मजबूर है। इन विद्यार्थियों को अपने घर से स्कूल पहुंचने के लिए गुरुग्राम-सोहना मार्ग पर बना एंडरपास में से होकर जाना होता था। जो अब एलिवेटेड मार्ग निर्माण के दौरान अंडर पास पुलिया बनकर रह गया है। जिसमें लंबाई 40 से 50 फुट की है। जिसकी उंचाई छह फुट से घटकर 3 से 4 फुट रह गई है। अंडर पास के अंदर न कोई लाइट लगाई गई है। न ही इसके अंदर भरी मिट्टी को निकाला गया है। अंडर पास बंद होने से यहां के निवासियों की चिंता बढ़ गई है, क्योंकि स्कूल जाते व आते समय उनके बच्चों को एलिवेटेड मार्ग के ऊपर से स्कूल जाना और आना पड़ेगा। सूत्रों के अनुसार शिक्षा विभाग 15 जनवरी के बाद से कक्षा पहली से आठ के विद्यार्थियों की भी कक्षाएं लगाने की तैयारी कर रहा है।

एलिवेटेड मार्ग निर्माण के दौरान बंद हुआ गांव धुनेला में अंडरपास।

क्या कहना है ग्रामीणों का

ग्रामीण प्रताप का कहना है कि उनके मासूम बच्चों की कोरोना काल के चलते पहले ही पढ़ाई प्रभावित हो रही है। दूसरा अंडर पास बंद होने से उनके बच्चों की पढ़ाई को लेकर चिंता और अधिक बढ़ गई है, क्योंकि कक्षा एक से पांच में पढ़ने वाले मासूम बच्चों को एलिवेटेड मार्ग को पार करना जान जोखिम में डालने से कम नहीं है। ईदरीश का कहना है कि बंद अंडरपास को खुलवाने के लिए जीएच कंपनी के ठेकेदार से ग्रामीण कई बार मिल चुके है। लेकिन ठेकेदार उनकी आवाज को अनसुना कर रहा है। उन्होने कहा कि ग्रामीण जल्द उच्चाधिकारियों से मुलाकात करके अंडरपास को खोलने की मांग करेगा। ऐसा नही होता है तो ग्रामीण स्कूल जाने पर विद्यार्थियों को लेकर सड़क पर बैठ जाएंगे।

बारिश से शहर की बत्ती पांच घंटा रही गुल

रविवार को सुबह साढ़े पांच से साढ़े दस बजे तक बिजली आपूर्ति रही ठप

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

रविवार को आई बारिश ने बिजली सप्लाई को गुल कर दिया। जिससे बिजली निगम के 24 घंटा सप्लाई देने के दावों को फेल कर दिया। बिजली कर्मियों की बीच-बीच में रुक रही बारिश के दौरान फाल्टों को ठीक करके सप्लाई करीब पांच घंटा के बाद शुरु कर दी।

बिजली निगम अधिकारियों द्वारा सप्लाई व्यवस्था को दुरूस्त करने के दावे रविवार की सुबह पांच घंटा सप्लाई बंद रहने से दावों की पोल खुल गई। शहर ही नहीं ग्रामीण क्षेत्र के सभी फीडरों पर रविवार को सुबह साढे पांच से साढे दस बजे तक बिजली की सप्लाई व्यवस्था ठप रही। जिससे रविवार को शहरवासियों को पानी की सप्लाई नहीं मिली। कड़कड़ाके के पड़ रही सर्दी के मौसम में लोगों के घरों में लगे गिजर शौ पीस बनकर रह गए। हालाकी रविवार को आमतौर पर अवकास का दिन होता है। लेकिन रविवार को एचटेस्ट की परीक्षा होने के कारण पेपर देने वालों को बिना स्नान किए अपने घर से सेंटर को जाना पड़ा। मुकेश शर्मा ने बताया कि उसकी पुत्रवधू को नूंह पेपर देने जाना था। जब बिजली की सप्लाई सुबह नौ बजे तक नहीं आई तो उसका पुत्र अपनी पत्नी को लेकर चला गया।

वार्ड-17 निवासी सुशील कुमार का कहना है कि उनके यहा पर मोटर चलाने से ही सप्लाई का पानी आता है। लेकिन रविवार की सुबह बिजली थी नहीं तो उनके घर में पानी नहीं भरा गया। सर्दी में पानी को अधिक स्टोर भी करके नहीं रखते। जिसके कारण रविवार को पानी की कमी महसूस हुई।

पांच घंटा गुल रही बिजली

जनस्वास्थ्य विभाग के एसडीओ ओमप्रकाश का कहना है कि विभाग के कर्मचारियों ने शहर में बनें बूस्टरों से पानी सप्लाई दी गई। यह अलग बात है कि उपभोक्ताओं के घरों में बिजली सप्लाई ठप होने के कारण पानी नहीं पहुंचा। उनके कुछ ऐसे बूस्टर है जहा से पानी सप्लाई दी गई।

ट्रांसफार्मर में आई अचानक से खराबी

बिजली निगम के एसडीओ रविन्द्र बैनवाल ने बताया कि जैसे ही बारिश शुरु हुई शहर के 66 केवीए पावॅर हाउस में लगा ट्रांसफार्मर में खराबी आ गई। जिसके कारण पावर हाउस में भी बिजली की सप्लाई ठप हो गई। लेकिन रुक-रुककर हो रही बारिश के कारण ट्रांसफार्मर की कमी को दूर करने में समय अधिक लग गया।

चार दिनों से अंधेरे में हरिजन मोहल्ला के लोग

नूंह। जिले के नगीना पावर हाऊस के अंतर्गत ढाडोली कला गांव में हरिजन मोहल्ले के लोग चार दिनों से अंधेरे में रात बिता रहे हैं। ट्रांसफार्मर खराब होने के चलते उनके बिजली से चलने वाले सभी उपकरण ठप्प पडे हुए हैं। यहां तक कि उनके घरों कि रोशनी भी गायब है। सर्दी के इस मोसम में उन्हें बिना बिजली परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हरिजन मोहल्ले के लोगों ने बिजली निगम के अधिकारियों से खराब ट्रांसफार्मर को जल्द बदलवाने की मांग की है। ढाडोली कला निवासी जावेद अकमल, इकबाल मेम्बर, बाबूलाल, खेमी, रुपचंद, लालचंद, खालिद व खजान ने बताया कि उनके गांव में हरिजन मोहल्ले का ट्रांसफार्मर पिछले चार दिनों से फुंका हुआ है, जिसके कारण करीब दो दर्जन से अधिक आबादी वाले लोग अंधेरे में रात बिताने पर मजबूर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बिना रोशनी अंधेरे के साय में उन्हें बेहद परेशानियां उठानी पड रही हैं। इतना ही नहीं बिजली से चलने वाले उनके सभी उपकरण ठप पड़े हुए हैं, जिससे उनके काम काज में भी रुकावट आ रही है। मोबाइल फोन तक चार्ज नहीं हो पा रहे हैं। ग्रामीणों ने बिजली निगम के उच्च अधिकारियों से तुरंत प्रभाव से फुंके हुए ट्रांसफार्मर को बदलने की मांग की है।

फुंके ट्रांसफार्मर को दिखाते ग्रामीण।

हाजमोला गोली बताकर पति ने दिया पत्नी को जहर, पांच पर केस

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

जिले के पुन्हाना में वार्ड-5 में एक पति ने अपनी पत्नी को रात के समय हाजमोला गोली बताकर जहर देने का मामला प्रकाश में आया है। जब पत्नी की तबीयत बिगड़ने लगी तो उसने अपने परिजनों को बताया। जिसके बाद लड़की को उपचार के लिए होडल के एक अस्पताल में ले जाया गया, जहां पर उसने इलाज के दौरान दम तोड दिया।

पुलिस ने इस मामले में पति, सास, ससुर, देवर व चाचा ससुर के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर आरोपियों के ठिकानों पर दबिश देना शुरु कर दिया है, लेकिन आरोपी गांव छोडकर फरार बताए जा रहे हैं। पुन्हाना के वार्ड-5 निवासी लियाकत पुत्र सौदान ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने अपनी लड़की सुबीना की शादी बीते छह अगस्त को झिमरावट गांव के रहने वाले साजिद पुत्र असगर के साथ की थी। जिसमें उन्होंने एक अल्टो कार व लाखों रुपये की नकदी भी दी। आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोग दहेज में ब्रेजा गाडी की ओर डिमांड करने लगे। जिसके कारण लडकी के साथ लड़ाई झगड़ा और मारपीट करते थे। मृतका के पिता का आरोप है कि बीते 28 दिसंबर को उसका दामाद साजिद उनकी लड़की को पुन्हाना छोड़कर चला गया। जिसके बाद वह 31 दिसंबर की शाम को फिर से पुन्हाना पहुंच गया, जहां पर उसने लड़की के साथ रात में घंटों बातचीत की। आरोप है कि इसी दौरान साजिद ने अपनी पत्नी को जहर की एक गोली हाजमोला की बताकर खिला दी, जहर की गोली खाने से जब सुबीना की हालत बिगड़ने लगी तो साजिद किसी को बिना कुछ बताए झिमरावट आ गया। थोडी देर बाद जब मृतक सुबीना की हालत और बिगड़ने लगी तो उसने ये सारी बात अपने मां बाप को बताई। जिसके बाद उसे अस्पताल पहुंचा गया, जहां पर वह इलाज के दौरान जिंदगी की जंग हार गई।

मृतक की फोटो

संक्षिप्त समाचार

शीतला मंडल के प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

गुरुग्राम। भाजपा शीतला मंडल का दो दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ बीते दिवस पटौदी विधानसभा क्षेत्र के विधायक सत्यप्रकाश जरावता ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष गार्गी कक्कड़, पूर्व विधायक तेजपाल तंवर, नवीन राठी आदि भी शामिल हुए। रविवार को दूसरे दिन के कार्यक्रम का शुभारंभ अरविंद यादव, भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष मनीष यादव, आईटी सैल के अरुण यादव व सत्यव्रत शास्त्री ने सामूहिक रुप से किया। अरुण यादव ने सोशल मीडिया के प्रभाव व उपयोग के बारे में भी विस्तृत चर्चा की। सत्यव्रत शास्त्री ने भारत का इतिहास व विकास पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि भाजपा देश की ही नहीं, अपितु विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। देश में भाजपा का कोई विकल्प दिखाई नहीं देता। उन्होंने मंडल स्तर के कार्यकर्ताओं को पार्टी की कार्यशैली की भूमिकाओं की भी विस्तृत जानकारी देते हुए कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे पार्टी की नीतियों व कार्यक्रमों की जानकारी आमजन को अवश्य दें, ताकि अधिक से अधिक लोग पार्टी से जुड़कर इनका लाभ उठा सकें।

तावडू क्षेत्र में ओलावृष्टि से फसलों में नुकसान, किसान चिंतित

तावडू। रविवार की सुबह क्षेत्र में हुई बरसात किसानों के लिए कहीं राहत भरी रही तो तावडू क्षेत्र कई हिस्सों में बरसात के साथ हुई ओलावृष्टि को फसल के लिए नुकसानदायक बताया गया है। इससे क्षेत्र के किसान चिंतित हैं। क्षेत्र के किसानों ने बताया कि शनिवार देर शाम से ही हल्की बूंदाबांदी के बाद रविवार की सुबह तेज बारिश के साथ हुई। क्षेत्र में बारिश किसान खुश हुए तो वहीं क्षेत्र के कई हिस्सों में इस बारिश के साथ ओलावृष्टि भी हुई जहां पर फसलों को नुकसान पहुंचा है। तावडू के गांव मोहम्मदपुर आहिर, हसनपुर, सराय, बेरी सबरस, नंदू की ढाणी आदि में तेज बरसात के साथ ओलावृष्टि भी हुई जिससे सरसों की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। बेरी के सरपंच अब्दुल जब्बार ,किसान युनूस, उस्मान, दिलबाग, मान सिंह, हरि सिंह आदि ने बताया कि बारिश के साथ हुई ओलावृष्टि से काफी हद तक फसलों को नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि यदि ओलावृष्टि नहीं हुई होती तो यह बरसात फसलों के लिए काफी फायदेमंद साबित होती। लेकिन अब उनकी चिंताएं बढ़ गई हैं। इसके अलावा अन्य क्षेत्रों में किसानों ने इस बरसात वर्तमान फसल के लिए वरदान बताया है। इस बारे में खंड कृषि अधिकारी भगवान दास का कहना है कि रविवार को हुई बरसात गेहूं व सरसों की फसलों के लिए काफी फायदेमंद है। वहीं उन्होंने ओलावृष्टि से हुए नुकसान के बारे में बताया कि जिन किसानों ने अपनी फसल का बीमा कराया हुआ है। वह तीन दिन के अंदर जिला कृषि कार्यालय में शिकायत दर्ज कराएं।

साल-2021 की पहली बारिश ने बढ़ाई ठंड

गुरुग्राम। नए साल में कड़कड़ाती ठंड पड़ रही है, वहीं अचानक रविवार की अलसुबह तेज बारिश ने और सर्दी बढ़ा दी। रविवार को ठंड में बारिश से लोग अपने घरों में कैद रहे। पूरे दिन सूर्य देवता के दर्शन भी नहीं हो पाए। मौसम की पहली ही बारिश से शहर के कई क्षेत्रों में जलजमाव की सूचना भी मिली हैं। जलभराव की समस्या से लोग जूझते दिखाई दिए। बारिश के कारण उन लोगों को अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है जिनके पास सिर छिपाने की कोई जगह भी नहीं है। सड़कों के किनारे जीवन-यापन करने वाले लोग कड़कड़ाती ठंड में कांपते दिखाई दिए। हालांकि कुछ सामाजिक संस्थाएं ऐसे व्यक्तियों की मदद भी कर रही हैं, लेकिन ये पर्याप्त नहीं है। नगर निगम प्रशासन ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में रैन बसेरों की व्यवस्था अवश्य की है, लेकिन ये पर्याप्त नहीं हैं। बढ़ती सर्दी के कारण रविवार को बरसात रुक जाने के बाद लोग शहर के सदर बाजार से गर्म कपड़े खरीदते दिखाई दिए। मौसम के जानकारों का कहना है कि अभी और सर्दी बढ़ने की उम्मीद है। प्रात: घना कोहरा भी छाने की उम्मीद जताई जा रही है। शीत लहर से हर कोई परेशान है। जो बारिश हुई है, वह फसल के लिए अच्छी बताई जा रही है।

सावित्री बाई फुले को संस्थाओं ने अर्पित किए श्रद्धासुमन

गुरुग्राम। शिक्षा के क्षेत्र में महान समाजसेविका सावित्री बाई फुले का नाम बड़े सम्मान से लिया जाता है। सावित्री बाई फुले ही एक ऐसी महिला शिक्षाविद् रही हैं, जिन्होंने देश के पहले बालिका विद्यालय की स्थापना की थी। उन्होंने सदैव दलितों व महिलाओं के अधिकारों एवं दुख-दर्द को दूर करने का काम किया। उनकी जयंती पर विभिन्न समाजों के लोगों व कई सामाजिक संस्थाओं ने रविवार को कार्यक्रमों का आयोजन कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। सामाजिक संस्था सूर्यवंशी क्षत्रिय महासभा ने भी कार्यक्रम का आयोजन कर महान समाजसेविका सावित्री बाई फुले को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने सदैव दलित, गरीब जनता एवं महिलाओं तथा सर्व समाज को साथ लेकर उनके कल्याण के कार्य किए। संस्था के नंदकिशोर सैनी ने कहा कि उन्होंने सदैव महिलाओं को अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाने के लिए जागरुक किया। नंदकिशोर सैनी ने कार्यक्रम में शामिल लोगों से आग्रह किया कि वे सावित्री बाई फुले के दिखाए रास्ते पर चलें, महिला व गरीब वर्ग की यथासंभव सहायता भी करें, ताकि वे समृद्ध व स्वाबलंबी हो सकें और देश तरक्की कर सके।

चिंतन करेंगे तो सारे तनाव हो जाएंगे दूर : बीके शिवानी

गुरुग्राम। पिछले करीब 10 माह से पूरा विश्व कोरोना त्रासदी से जूझता आ रहा है। कोरोना महामारी के कारण हर कोई परेशान रहा है। हालांकि अब इस बीमारी का असर धीरे-धीरे समाप्त होता दिखाई देने लगा है। यदि जीवन में सकारात्मकता को अपनाया जाए और नकारात्मकता को छोड़ दिया जाए तो लोगों को बड़ा ही सुकून मिलेगा। नियमित रुप से योगा व मेडिटेशन भी किया जाना एक अच्छी दिनचर्या मानी जाती है। यह कहना है धार्मिक संस्था ब्रह्माकुमारीज की मोटिवेशनल स्पीकर बीके शिवानी का। बीके शिवानी ने कहा कि यदि स्वस्थ रहना है तो प्रात: जल्दी उठना चाहिए। स्वस्थ रहने के लिए प्रात: मेडिटेशन किया जाए तो वह सोने में सुहागा है। मेडिटेशन हमारी ऊर्जा को बढ़ाता है। सोने व जागने का समय सात्विक होना चाहिए। मेडिटेशन में बैठकर चिंतन करेंगे तो सारे तनाव दूर हो जाएंगे। सोने से पूर्व और जागने के बाद परमात्मा का ध्यान करना चाहिए। खाने-पीने में भी सात्विक भोजन का सेवन करना ही बेहतर होगा, क्योंकि कहा भी जाता है कि जैसा अन्न खाएंगे वैसा मन भी होगा। बीके शिवानी का कहना है कि हर चीज की अपनी वाईब्रेशन है। अच्छे लोगों की संगत में बैठेंगे तो अच्छे बनेंगे और गलत काम करने वालों के संग बैठेंगे तो गलत बन जाएंगे।

पीएम के फिट इंडिया मूवमेंट को आगे बढ़ा रहे हैं क्षेत्र के युवा

नूंह। भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी एवं पार्षद मनीष जैन ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बीते वर्ष देश के लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करने तथा उन्हें मोटिवेट करने के लिए फिट इंडिया मूवमेंट कार्यक्रम का आगाज किया था। सरकार का यह कार्यक्रम आज देश के कौने-कौने में पहुंच रहा है। फिरोजपुर झिरका में हेल्थ फिटनेस सेंटर का उद्घाटन करने के उपरांत पत्रकारों से बातचीत में मनीष जैन ने कहा योग, आसन, व्यायाम, वॉकिंग, रनिंग, स्वीमिंग, हेल्थी फूड हैबिट्स, हेल्थी लाइफ स्टाइल अब हमारे जीवन का हिस्सा बन चुके हैं। उन्होंने कहा क्षेत्र के युवा पीएम के फिट इंडिया मूवमेंट को आगे बढ़ाते हुए उसपर अनुसरण कर रहे हैं। इस मौके पर मेवात कारवां के अध्यक्ष डॉ.असफाक आलम, पूर्व पार्षद खुर्शीद अहमद, मास्टर नाजिम आजाद, , हेल्थ फिटनेस सेंटर के प्रोपराइटर मुस्तकीम खान, नीरज मेहता, परवेज अख्तर, साकिर हुसैन, बरकत मलिक, आरिफ खान, इरशाद मलिक, रसीद मलिक, अरशद अलवी, जलीश खान सहित कई लोग मौजूद रहे।

रोड सेफ्टी बजटः आता तो है पर जाता कहां है, पता नहीं

कविता। फरीदाबाद

एक आरटीआई में पुलिस ने रोड़ सेफ्टी के बजट का जिक्र किया है, लेकिन यह बजट शहर के रोड सेफ्टी के लिए काम रहे लोगों तक नहीं पहुंच रहा है। रोड सेफ्टी ऑफिसर का कहना है कि उन्हें रिफ्लेक्टर टेप जेब से पैसे देकर खरीद कर लगानी पड़ती है। बजट पिछले तीन सालों से आ रहा है, लेकिन रोड सेफ्टी अधिकारियों तक पहुंच ही नहीं रहा है। अन्य जिलों के रोड सेफ्टी अधिकारी भी इस बात से अंजान हैं, हिसार के एक रोड सेफ्टी ऑफिसर ने तो यहां तक बताया कि उन्हें तो कार्यक्रम के लिए भी रिफ्लेक्टर टेप खरीदकर लगवानी पड़ती है।

फरीदाबाद में रोड सेफ्टी के लिए तैनात ऑफिसर अपनी जेबों से पैसा खर्च करके लोगों की जान बचा रहे है। वह रिफ्लेक्टर टेप,

बजट साढ़े 9 लाख, रिफ्लेक्टर टेप के लिए हो रही जेब ढ़ीली

लाइट को ठीक करवाने, यहां तक कि टूटे खम्बों को हटाने तक का काम कर रहे है। इसके लिए उन्हें अपनी जेब ढीली करनी पड़ जाती है। रोड सेफ्टी के नाम पर उन्हें कोन, रिफ्लेक्टर टेप तक उपलब्ध नहीं कराई जाती। इसका ताजा उदाहरण एनएच-एक-दो चौक पर देखने को मिलता है, जहां ट्रेफिक सुचारू रूप से चलाने के लिए बिजली के खम्बे का इस्तेमाल किया गया है।

ऐसे हुआ खुलासा

एक संघर्ष संस्था के अध्यक्ष अजय बहल ने पिछले एक आरटीआई लगाई थी। जिसके जवाब में पुलिस

ने बताया कि सभी जिलों में प्रतिवर्ष रोड सेफ्टी के लिए लाखों रुपये दिए जाते हैं लेकिन जब उन्होंने इस बारे में रोड सेफ्टी ऑफिसर से पूछा तो वह भी हैरान रह गए, क्योंकि सभी जिलों में रोड सेफ्टी के नाम पर आ रहा पैसा सुविधाएं उपलब्ध करवा रहे लोगों तक पहुंच ही नहीं रहा है। कार्यक्रमों में वह अपनी जेबों से पैसा खर्च कर रहे हैं।

कहां खर्चा पता नहीं

रोड सेफ्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एसके शर्मा और हिसार के शमशेर सिंह कुंडू ने बताया कि अब तक एक इंच टेप उन्हें नहीं मिली है। सुरक्षा संबंधी कार्यक्रमों का खर्च जेब से करना पड़ता है। रिफ्लेक्टर टेप हम खरीदकर लगाते है। पैसा कितना आ रहा है और कहां खर्च होता है, इसका पता नहीं।

इतना पैसा मिला

जिला	2019	2020	जिला	2019	2020
अम्बाला	179165	447524	टैफिक एंड	0	1097758
भिवानी	1437525	205096	कैथल	1375055	451089
फरीदाबाद	2499782	937088	नारनौल	1398868	568130
फतेहाबाद	433907	587876	पंचकुला	2684424	992006
गुरूग्राम	4035167	929302	पानीपत	1289326	0
हिसार	1354235	449875	रोहतक	1394576	238134
हांसी	1299889	413700	रेवाडी	984548	460319
यमुना नगर	1096334	820922	सोनीपत	2105830	582006
झज्जर	1974489	328320	सिरसा	827007	164408
जींद	1567704	346760	नूंह	1246347	512059
कुरूक्षेत्र	1399574	336734	पलवल	0	108976
करनाल	2128212	447654	चरखी दादरी	0	407376

होती है खानापूर्ति

पुलिस ने हर साल 100-150 वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगा खानापूर्ति करती है। धुंध में रिफ्लेक्टर, पीली टेप, ट्रैफिक लाइटें, रेड सिग्नल और साइन बोर्ड अभी तक नहीं लगे। जिससे चालकों को रास्ता, मोड़ और कट का पता नहीं चलता। इसके चलते हादसे हो जाते हैं। पिछले दिनों बीके अस्पताल में एक ट्रक घुस गया था।

निकिता हत्याकांड : परिजनों ने एसआईटी गठित करने समेत कई मांगे उठाई

आर्थिक सहायता दिये जाने का वायदा भी अभी तक पूरा नहीं किया गया है

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एनआईटी स्थित अपना घर सोसायटी निवासी छात्रा निकिता की हत्या को करीब 70 दिन का समय बीत चुका है। पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। लेकिन इसके बावजूद परिजन पुलिस के काम से संतुष्ट नहीं हैं। परिजन इस मामले में एसआईटी गठित करने और आरोपियों को दो महीने में सजा दिलवाने के साथ साथ अन्य कई तरह की मांगे अभी कर रहे हैं। इसे लेकर निकिता के परिजनों ने रविवार को एक प्रैसवर्ता आयोजित की।

निकिता के परिजनों ने प्रैस को बताया कि इस हत्याकांड से पूर्व आरोपी तौशिफ ने वर्ष 2018 में निकिता का अपहरण कर लिया था। आरोपी और उसके परिजन काफी पहुंच वाले लोग हैं। उनके दबाव और लोकलाज के कारण उन्हें समझौता करना पड़ा था। उन्होंने इस मामले की पिछले दिनों हुई महापंचायत में जांच की मांग उठाई थी।

परिजनों का कहना है कि इस मामले में दबाव बनाने वाले आरोपियों के परिजनों और समझौता कराने में लिप्त पुलिस कर्मियों के खिलाफ आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उनका कहना है कि ऐसे में एसआईटी का गठन कर पूरा मामले की जांच करवाई जाए।

परिजनों का कहना है कि हत्याकांड के बाद मंत्री और विधायकों ने उनके घर आकर मृतका के भाई को उसकी योग्यता के मुताबिक सरकारी नौकरी देने का आश्वासन दिया था। घटना को हुए 70 दिन का समय गुजर जाने के बाद भी इस ओर कोई कदम नहीं उठाया गया। घटना के बाद हुई भागदौड़ की वजह से परिवार के एक मात्र आय स्त्रोत निकिता के पिता मूलचंद तोमर की नौकरी चली गई। जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति भी खराब हो रही है। आर्थिक सहायता दिये जाने का वायदा भी अभी तक पूरा नहीं किया गया है।

परिजनों का कहना है कि परिवार की सुरक्षा के लिए पुलिस सुरक्षा तो उपलब्ध करवाई गई है। लेकिन यातायात के साधन उपलब्ध नहीं होने से वे सुरक्षा का पूरा फायदा नहीं उठा पा रहे हैं। ऐसे में घर से कम ही निकल पाते हैं। इसके अलावा मृतका के परिजनों ने सेक्टर दो बन रहे सरकारी कॉलेज का नाम निकिता के नाम पर रखने की मांग की है। उन्होंने जिले के विधायकों से इस मांग को विधानसभा के समक्ष रखने की मांग की है। एक नवंबर को महापंचायत के बाद दंगा भड़कने पर पुलिस ने 32 युवकों पर केस दर्ज किया था, जिसे उन्होंने वापस लेने की मांग भी की है।

दिल्ली की तर्ज पर सात से चलेगा ड्राई रन

फरीदाबाद। ईएसआइसी मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में तीसरे चरण में कोरोना वैक्सीन का ट्रायल चल रहा है। पहले एवं दूसरे चरण का ट्रायल सफल रहा है और इसमें शामिल होने वालों को कोई शारीरिक परेशानी नहीं हुई है। ट्रायल के सफल परिणामों को देखते हुए वैक्सीन आमजन को लगाने की तैयारियां चल रही है। अभियान को शुरू करने से पूर्व उसकी तैयारियों को जायजा ड्राई रन चलाकर किया जा रहा है। इसके तहत स्वास्थ्य केंद्र खेड़ीकलां व तिगांव और ईएसआइसी मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में अभियान चलाया जाएगा। जिसके तहत स्वास्थ्य विभाग आगामी सात जनवरी को दिल्ली की तर्ज ड्राई रन चलाएगा। इस संबंध जिला स्वास्थ्य विभाग को निदेशालय की ओर से निर्देश प्राप्त हुए हैं। इसके लिए स्टाफ की भी नियुक्ति कर दी गई है।

प्रशिक्षण आज

उच्च अधिकारी ऑनलाइन के माध्यम से जिले के स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ एक बैठक करेंगे। इसमें टीका लगाने का प्रशिक्षण देने के अलावा संबंधित व्यक्ति के स्वास्थ्य संबंधी जानकारी जुटाने, उससे व्यवहार एवं टीकाकरण के दौरा बरती जाने वाली सावधानियों को बताया जाएगा। बैठक में खेड़ीकलां स्वास्थ्य केंद्र के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डा. हरिजिंदर, डा. अजय व ईएसआइसी मेडिकल कालेज की ओर से डा. हेमा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. रणदीप पूनिया व जिला टीकाकरण नोडल अधिकारी डा. रमेश शामिल होंगे।

तैयारियों का जायजा

सीएमओ डॉ. रणदीप सिंह पुनिया ने बताया कि ड्राई रन में किसी को टीका नहीं लगाया जाएगा, बल्कि तैयारियों का जायजा लिया जाएगा। प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र से 25-25 लोगों ड्राई रन में शामिल किया जाएगा और प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र पर चिकित्सक के अलावा स्टाफ नर्स, आशा कार्यकर्ता, एमएनएम और राजस्व विभाग के कर्मचारी ड्यूटी निर्धारित की जाएगी।

अवैध गर्भपात की सूचना पर क्लीनिक पर मारा छापा

फरीदाबाद। डबुआ कालोनी स्थित दुर्गा मंदिर के सामने स्थित ममता क्लीनिक में अवैध रूप से गर्भपात की शिकायत मिलने पर जिला स्वास्थ्य विभाग की टीम ने छापा मार दिया। जहां क्लीनिक और चिकित्सक रजिस्ट्रेड मिले, जांच करने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम को रिकार्ड में गडबड़ी मिली। जिसे विभाग ने अपने कब्जे में ले लिया और उसे डिस्ट्रीक लेबल कमेटी के सामने जांच के लिए रखा है।

जानकारी के मुताबिक सीएमओ डॉ. रणदीप सिंह पुनिया को किसी ने शिकायत दी कि डबुआ कालोनी स्थित दुर्गा मंदिर के सामने चल रहे ममता क्लीनिक में अवैध रूप से गर्भपात किया जा रहा है। जिस पर सीएमओ ने एक टीम गठित कर वहां जांच को भेजा।

टीम में डिप्टी सीएमओ डॉ. हरीश आर्या, डॉ. हरजिन्द्र और डॉ. अनमोल मुख्य रूप से मौजूद रहे। डॉ. हरीश आर्या ने बताया कि जब क्लीनिक पर उन्होंने छापा मारा तो वह रजिस्ट्रेड सेंटर था। वहां काम कर रही डॉ. स्वाती शर्मा भी रजिस्ट्रेड थी। क्लीनिक में जनरल दवाईयां लोगों को दी जा रही थी। जांच की, तो वहां अवैध रूप से गर्भपात का पता नहीं चला। लेकिन क्लीनिक के रिकार्ड में गडबड़ी मिली। जिस पर उसे टीम ने अपने कब्जे में ले लिया है। फिलहाल रिकार्ड की जांच डिस्ट्रीक लेबल कमेटी से कराई जाएगी।

कोरोना की नई स्ट्रेन से फिलहाल सुरक्षित है जिला

जिले में 27 पॉजिटिव से आंकड़ा पहुंचा 45573

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिलेवासियों के लिए राहत की खबर है कि यूके से लौटी जिस महिला का सैम्पल कोरोना की नई स्ट्रेन का पता लगाने के लिए दिल्ली भेजा गया था, वह कोरोना की नई स्ट्रेन से पीड़ित नहीं है। वहीं दूसरी तरफ महिला की कोरोना की रिपोर्ट भी नेगेटिव आ गई थी। जिस पर विभाग की तरफ से महिला को स्वास्थ्य घोषित किया गया है। वहीं दूसरी तरफ जिले में कोरोना के 27 मामले सामने आए है, जिससे जिले का कोविड-19 का आंकड़ा 45573

पर पहुंच गया है। वहीं जिले में राहत की बात यह रही कि 54 मरीजों ने कोरोना की जंग जीत ली। जिससे जिले का रिकवरी रेट 98.8 प्रतिशत पर पहुंच गया।

यह हो सकते हैं खतरनाक

25 नवंबर से 23 दिसंबर के बीच यूके से वापस लौटे लोगों की जांच में विशेष सावधानी बरती जा रही है। विभाग को 195 लोगों की लिस्ट मिली थी। इनमें से 148 के सैंपल लिए जा चुके हैं। लोगों को इनसे दूरी बनाकर रखनी होगी, क्योंकि वहां से लौटे दस लोगों ने पता और फोन नम्बर गलत होने से उनको स्वास्थ्य विभाग लापता घोषित कर चुका है। पुलिस को उनकी सूचना भी दी गई है। कुछ लोग फरीदाबाद से बाहर घुमने निकल चुके हैं। वहीं एक महिला की कोविड-19 की रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर उसका जीनोम सिक्वेंसिंग का सैम्पल दिल्ली स्थित प्रयोगशाला में भेजा गया था। लेकिन उक्त महिला की रिपोर्ट रविवार को नेगेटिव आई है। उसके बारे में जानकारी देते हुए डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. राजेश श्योकंद ने बताया कि महिला की रिपोर्ट नेगेटिव है और वह पूरी तरह से स्वास्थ्य है। जिस पर उसे घर भेज दिया गया है।

यह है आंकड़ा

जिले में सैम्पल जांच	: 441909
अब तक पॉजिटिव	: 45573
अब तक नेगेटिव	: 395118
रिपोर्ट आनी शेष	: 1218
गंभीर हालत में	: 19
वेंटिलेटर पर	: 2
अब तक मौत	: 403
अब तक ठीक	: 45018

यहां से पॉजिटिव

रविवार को 27 पॉजिटिव में सेक्टर-3 (1), मच्छगर (1), बुखारपुर (1), सेक्टर-55 (2), सेक्टर-8 (3), पर्वतीया कालोनी (1), जनता कालोनी (1), एनएच- 5 (1), सैनिक कालोनी (1), सेक्टर-29 (5), सेक्टर-28 (4), स्प्रींग फिल्ड कालोनी (1), सेक्टर-16 (2), सेक्टर-17 (3) मरीज शामिल है।

विभिन्न मुद्दों पर एफसीसीआई की ऑनलाइन बैठक आयोजित

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले की प्रमुख औद्योगिक संस्था फरीदाबाद चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की ऑनलाइन बैठक चेंबर के अध्यक्ष डॉ एचके बत्रा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में जहां नए साल की बधाई दी गई वही बैठक में कोरोना काल के बाद की स्थितियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक का संचालन फिक्की के संयुक्त सचिव युवा उद्योगपति रोहित रूंगटा ने किया। बैठक में फैसला लिया गया कि वित्त वर्ष 2020 21 को 0 वर्ष मानते हुए वर्तमान कार्यकारिणी ही आगामी वित्त वर्ष में काम करती रहेगी साथ ही जल्द ही चेंबर की आम जनरल मीटिंग भी बुलाई जाएगी।

बैठक के शुभारंभ में सबसे पहले संस्था के प्रधान एचके बत्रा को मानव रचना अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किए जाने पर बत्रा को सभी सदस्यों ने बधाई दी और मानव रचना अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय का इसके लिए धन्यवाद भी किया। सभी सदस्यों का कहना था कि डॉ एच के बत्रा इस सम्मान के सही हकदार हैं उल्लेखनीय है कि 21-22 जनवरी को

एचके बत्रा।

होने वाले मानव रचना अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में परफेक्ट ग्रुप ऑफ कंपनीज के एमडी तथा चेंबर के अध्यक्ष डॉ एच के बत्रा को यह उपाधि दी जाएगी।

बैठक में फरीदाबाद चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के फाउंडर मेंबर तथा पूर्व प्रधान एमपी रुंगटा ने सभी सदस्यों को नए साल की बधाई देते हुए उम्मीद व्यक्त की कि पिछले साल में जो खामियां रह गई हैं हम सभी अपने कठोर परिश्रम से उन सभी कमियों को दूर कर पाएंगे। इसी प्रकार से संस्था के पूर्व प्रधान जेपी मल्होत्रा ने सभी सदस्यों को नए साल की बधाई देते हुए कहा कि हमें उम्मीद है कि वर्ष 2021 वास्तव में हम सभी के लिए 21 साबित होगा। जबकि संस्था के एक अन्य पूर्व प्रधान टीसी धवन ने सभी सदस्यों को नव वर्ष की बधाई देते हुए कहा कि हम सभी को अपनी मेहनत पर विश्वास है तथा हम वर्ष 2021 में पहले से अधिक सक्रिय परिणाम देंगे ऐसी वह कामना करते हैं। बैठक के दौरान मंच संचालन का दायित्व निभा रहे संस्था के संयुक्त सचिव रोहित रूंगटा ने जहां बेहतर संचालन के माध्यम से सभी सदस्यों के बीच सामंजस्य बनाए रखा वही उन्होंने एम एस एम ई के विषय में सभी सदस्यों को विस्तार से जानकारी दी। रोहित रूंगटा ने कोरोना काल के बाद एमएसएमई के लिए बनाए गए नए नियमों की जानकारी तो दी ही साथ ही सभी सदस्यों को यह भी बताया कि किस प्रकार से हम नए नियम व कानूनों का फायदा ले सकते हैं उन्होंने एमएसएमई के लिए नई संभावनाओं पर भी विस्तार से चेंबर के सभी सदस्यों को जानकारी दी और नए साल में नए नियमों का पालन कर अधिक से अधिक उन्नति के रास्ते सुझाए।

इस मौके पर आयकर कानून विशेषज्ञ सीए राज अग्रवाल ने ऑनलाइन बैठक में जुड़े सभी चेंबर के सदस्यों को आयकर को लेकर पिछले दिनों भारत सरकार द्वारा जारी आदेशों की विस्तार से जानकारी दी।

नववर्ष पर सीपी ने शहर वासियों को दिया अनूठा उपहार

शहर वासियों की सुरक्षा के मद्देनजर फरीदाबाद डॉक्टर अर्पित जैन डीसीपी ने किया पुलिस डायरी का विमोचन

फरीदाबाद। पुलिस कमिश्नर ओपी सिंह के मार्गदर्शन पर शहर वासियों की सुरक्षा के मद्देनजर डीसीपी मुख्यालय अर्पित जैन ने पुलिस डायरी का विमोचन किया है। डीसीपी मुख्यालय अर्पित जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस डायरी में पुलिस कमिश्नर, सभी डीसीपी, एसीपी, थाना प्रबंधक, चौकी इंचार्ज के मोबाइल नंबर और उनकी ईमेल आईडी मौजूद है। पुलिस कमिश्नर ने नववर्ष पर शहर वासियों को यह तोहफा दिया है।

करीब 2 लाख परिवारों तक पहुंचाई जाएगी पुलिस डायरी। इससे शहर वासियों को पुलिस की जरूरत पड़ने पर आसानी से मोबाइल नंबर ईमेल आईडी की जानकारी मिलने की मदद मिलेगी। यह पुलिस डायरी फरीदाबाद जिले में तैनात सभी बीट पुलिस ऑफिसर को दी जाएगी जो कि सभी बीट पुलिस ऑफिसर अपने अपने एरिया में स्थिति घरों में पुलिस डायरी पहुंचाने का काम करेंगे। ज्यादातर लोगों को पुलिस अफसरों के नंबर एवं थाना प्रबंधक चौकी इंचार्ज के नंबर मालूम नहीं होते हैं। यहां तक कि कुछ लोग ऐसे हैं की उनको यह पता नहीं होता कि जरूरत पड़ने पर पुलिस की मदद कैसे ले। डायरी के माध्यम से लोगों को पुलिस तक पहुंचने में उनको आसानी होगी। पुलिस डायरी में बच्चों, बुजुर्गों, और महिलाओं की सुरक्षा के संबंध में भी बताया गया हैं। डायरी के माध्यम से हो रहे साइबर अपराध से निपटने के बारे में भी पुलिस ने जागरूक किया है। लोगों को वाहन चोरी घरों में चोरी से बचने के लिए क्या क्या सावधानी बरतनी चाहिए इस संबंध में भी जागरूक किया गया है।

पुलिस उपायुक्त मुख्यालय ने बताया कि पूरे भारत वर्ष में फरीदाबाद पहला जिला है जिसने इस तरह की पुलिस डायरी बनवाकर लोगों तक पहुंचाने का काम कर रही है। इस मौके पर एसीपी मुख्यालय, आदर्श दीप सिंह, के अलावा एवं अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

बारिश के बाद सर्दी ने जनजीवन किया अस्त-व्यस्त

फोटो : राजेश पुंजानी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

रविवार को सुबह 5 बजे से दोपहर ढ़ाई बजे तक लगातार बरसात होती रही

दिल्ली एनसीआर में इन दिनों लगातार मौसम बदल रहा है। रविवार सुबह शुरू हुई हल्की बरसात ने पूरे उत्तर भारत को ठंड से कांपने को मजबूर कर दिया। शहर में ठंड का प्रकोप लगातार जारी है, जबरदस्त ठंड की वजह से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। वहीं सर्दी की पहली बरसात फसलों के लिए फायदेमंद है।

रविवार की सुबह शहर में बारिश की वजह से पारा और नीचे आ गया। बारिश के चलते रैन बसेरे में लोगों की भीड़ काफी बढ़ गई है। जहां एक तरफ साल की पहली बारिश देखने को मिली तो दूसरी तरफ बारिश की वजह से पारा काफी नीचे गिर गया है। जिसके कारण लोगों को ठिठुरन का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिनों में पारा सामान्य से कुछ नीचे रह सकता है। जिसके बाद एक बार फिर से पारा ऊपर जा सकता है। जानकारी के मुताबिक बारिश के बाद जिले में लगातार ठंड में इजाफा हो गया। रविवार को सुबह 5 बजे से दोपहर ढ़ाई बजे तक लगातार बरसात होती रही। वहीं मौसम विभाग का मानना है कि आगामी 5 जनवरी तक बरसात होगी। जिससे पारा गिरने की वजह से तथा तापमान में भारी गिरावट के चलते ठिठुरन बढ़ सकती है।

वहीं ठंड का बढ़ते प्रकोप ने लोगों को जीना मुहाल कर दिया है। लोग जगह-जगह आग जलाकर ठंड से राहत पाने की कोशिश करते देखे गए। लोग शाम होते ही अपने घरों में दुबकने के लिए मजबूर हैं। ठंड के कहर से बचने के लिए अधिकांश वाहन चालक मफलर और गर्म कपड़ों का सहारा लेते देखे गए। ठंड के कारण बीमारियों ने घर करना शुरू कर दिया है। जिसमें सर्दी, खांसी, वायरल बुखार के मरीज आने शुरू हो गए। रविवार को बीके सिविल अस्पताल के अपातकालीन कक्ष में करीब तीस मरीज वायरल फीवर के दाखिल हुए। सुबह के समय जहां बूंदाबांदी हुई। वहीं दोपहर बाद कुछ जिलों में छिटपुट बूंदाबांदी तो कही तेज बौछारें पडऩे की सूचना है। साफ शब्दो में कहे तो देर शाम तक बारिश का सिलसिला जारी रहा।दोपहर बाद करीब तीन बजे सूर्य देव के दर्शन होने से लोगों ने थोड़ी राहत की सांस ली। लेकिन हवा के चलने से ठिठुरन बरकार रही। पिछले दो-तीन दिनों में जारी हाड़कंपा देने वाली ठंड से आम जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है।

संक्षिप्त समाचार

बरसात के कारण परीक्षार्थियों को हुई परेशानी

फरीदाबाद। बरसात के कारण जहां एक तरफ ठंड बढ़ गई। वहीं दूसरी तरफ हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा (एचटेट) की परीक्षा देने पहुंचे परीक्षार्थियों को परेशानी का सामना करने को मजबूर होना पड़ा। रविवार को एचटेट की परीक्षा दो शिफ्टों में आयोजित किया गया। जिसमें सुबह की परीक्षा 10 बजे और शाम की परीक्षा दोपहर को साढ़े तीन बजे से रखी गई। जानकारी के मुताबिक एचटेट की सुबह की परीक्षा 10 बजे शुरू होनी थी, जिसके लिए परीक्षार्थी शहर में हो रही झमाझम बारिश और फिर बूंदाबादी के कारण एक घंटे पहले नहीं पहुंच पाए। जिससे उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ा। उनका कहना था कि इस बरसात से यातायात सुविधाएं प्रभावित हो र्ग थी। ऐसे में वह तय समय से एक घंटे पूर्व की बजाय देरी से पहुंचे। अंग्रेजी से रही दिक्कत एचटेट लेवल-1(जेबीटी) के लिए कुल 150 प्रश्नों की परीक्षा ली गई। परीक्षा रविवार दोपहर 3 से शाम साढे 5 बजे तक आयोजित की गई। प्राइमरी अध्यापक के लिए अभ्यर्थियों को चाइल्ड डेवलेपमेंट-30, भाषा (हिंदी व अंग्रेजी)-30(15 प्रश्न प्रत्येक), गणित- 30, पर्यावरण अध्यन-30, सामान्य ज्ञान(हरियाणा जीके, रीजनिंग)-30 प्रश्न पूछे गए।

व्यापारी से 1.90 लाख छीनने वाले दो आरोपी पकड़े

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच 65 ने व्यापारी से 190000 रुपये छीनने के मामले में दो आरोपियों को काबू करने में सफलता हासिल की है। प्रभारी क्राइम ब्रांच 65 ने जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुनील उर्फ छोटू और विक्की के रूप में हुई है। दोनों आरोपी आदर्श नगर बल्लभगढ़ एरिया के रहने वाले हैं। उपरोक्त आरोपियों ने गत 24 अगस्त 2020 को समय करीब रात 9.30 बजे शहर बल्लभगढ़ एरिया में जनरल स्टोर चलाने वाले एक व्यक्ति से 190000 रुपये छीन कर फरार हो गए थे। जिस पर आरोपियों के खिलाफ थाना शहर बल्लभगढ़ में छीना झपटी के तहत मामला दर्ज कर मामले को जल्द सुलझाने और आरोपियों को काबू करने के लिए क्राइम ब्रांच सेक्टर 65 को सौंपा गया था। क्राइम ब्रांच 65 की टीम ने बेहतरीन कार्य करते हुए आरोपियों को फरीदाबाद एरिया से विशेष सूत्रों से मिली सूचना के आधार पर गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की।

नेताजी सुभाष चद्र बोस स्टेडियम खिलाड़ियों को समर्पित

फरीदाबाद। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि मोदी सरकार शुरू से ही किसानों के साथ है और यह सरकार किसानों के खिलाफ कोई भी फैसला नहीं ले सकती। वह रविवार को जिला के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में करोड़ों रुपए की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करने के उपरांत संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने बताया कि पिछले 6 सालों में पूरे हरियाणा में मनोहर लाल की सरकार ने समान रूप से विकास कार्य कराए हैं। अकेले फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र में 9 कॉलेज व एक यूनिवर्सिटी खोली गई है। इसके साथ गांवो में 24 घंटे बिजली दी गई है उन्होंने कहा कि हमारी सरकार गांव, गरीब व किसान को समर्पित सरकार है। इन कार्यक्रमों में देवेंद्र गर्ग, सुनील कुमार, ताजपुर के सरपंच विनोद नागर, मिर्जापुर के सरपंच महिपाल आर्य, विधायक राजेश नागर के पिताजी रूप सिंह नागर, गांव मंझावली के सरपंच राकेश, बादशाहपुर के सरपंच जितेंद्र, अजीत नंबरदार, अजीत नागर, नीमका के सरपंच रूपचंद, राजवीर नागर, सहित अन्य गांवों की पंच सरपंच व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सर्दी में कंबल बांटना पुण्य का कार्यः गुर्जर

फरीदाबाद। समाजसेवी देवेन्द्र गर्ग एवं सुनील कुमार द्वारा नई अग्रवाल धर्मशाला, ओल्ड फरीदाबाद में नववर्ष के उपलक्ष्य में कम्बल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की शुरूआत केन्द्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने अपने कर कमलों से की जरूरतमंद लोगों को कम्बल वितरित किए। उन्होंने देवेन्द्र गर्ग एवं सुनील कुमार सहित रोटी बैंक से जुड़े सेवादारों के प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की और कहा कि जब भी बात होती है समाजसेवा की तो इनका सहयोग हमेशा अतुलनीय रहता है। लोगों को कडक़ती ठंड में कम्बल वितरण करना वास्तव में नेक कार्य है, इसकी जितना प्रशंसा की जाए कम है। उन्होंने कहा कि लोगों को भोजन कराने से बड़ा कोई काम नहीं हो सकता। कंबल वितरण के इस कार्यक्रम में नीरज गुप्ता, यश आहूजा, विशाल धवन, राजकुमार सिंगला, कल्याण सैनी, कृष्ण अरोड़ा व आशीष गुप्ता आदि ने सहयोग किया।

कर्मचारी पलवल में किसानों के धरने में लेंगे भाग

फरीदाबाद। किसान आंदोलन के समर्थन में सोमवार को फरीदाबाद से बड़ी संख्या में परियोजना कर्मचारी पलवल किसानों के धरने में भाग लेंगी। यह जानकारी सीटू के जिला प्रधान निरंतर पराशर, उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह डंगवाल और जिला महासचिव लाल बाबू शर्मा ने संयुक्त रूप से दी। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आशा वर्कर यूनियन की प्रधान हेमलता, जिला सचिव सुधा पाल, आंगनवाड़ी वर्कर की प्रधान देवेंद्री शर्मा जिला सचिव मालवती, मिड डे मील की प्रधान कमलेश चौधरी, जनवादी महिला समिति प्रधान सुदेश, मदर ग्रुप समिति की प्रधान निजरवि ने पूरी तैयारी कर ली है।

परिवर्तनशील भारत

हाशिए पर विपक्ष

वर्तमान समय में सरकार का सारा ध्यान महामारी से निपटने पर है तथा बाकी चीजों पर संभवत: उतना ध्यान नहीं दिया गया है। वर्ष 2021 में उसे लंबित मुद्दों के समाधान की ओर बढ़ना होगा। कोविड प्रबंधन में आने वाली परेशानियों के बावूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राजनीतिक छवि बहुत ऊंची बनी हुई है। प्रवासी कामगारों को आर्थिक पैकेज के माध्यम से प्रधानमंत्री ने काफी उपलब्धि प्राप्त की है और वे अपनी पार्टी को चुनावी जीतें दिलाने में सफल हुए हैं। अब प्रधानमंत्री की परीक्षा टीकाकरण कार्यक्रम की सफलता पर निर्भर करेगी। इस वर्ष की पहली छमाही पर कोविड-19 की काली छाया मंडराती रहने की संभावना है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्यरक्षा ढांचे को मजबूत करने तथा उसके लिए बजटीय आबंटन बढ़ाने की आवश्यकता सामने आएगी। हालांकि, अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव है, पर साल के अंत में उसमें सुधार शुरू होने की उम्मीद है। पहली छमाही में टीकाकरण पर खर्च के कारण बैंकिंग क्षेत्र पर दबाव व मंदी जैसी स्थितियां सामने आ सकती हैं। बेरोजगारी एक कटु यथार्थ है जिसके कारण उपभोक्ता उत्पादों की मांग नहीं बढ़ रही है। संसाधन एकत्र करना भी एक बड़ी चुनौती है। राजनीतिक रूप से उथलपुथल समस्या समाधान के लिए मध्यमार्गी दृष्टिकोण की मांग करती है। वास्तव में संसद द्वारा पारित नए कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसानों ने इसे राजनीति से अलग रखा है और ये सरकार के लिए बहुत कठिन चुनौती बने हुए हैं। ऐसे में यह देखना भी महत्वपूण्र होगा कि क्या इससे विपक्ष की प्रासांगिकता और कमजोर तो नहीं होती है। क्या यह नेतृत्वविहीन आंदोलन हमारे समय में नेता-संचालित राजनीति का एक विकल्प पेश करता है। इस आंदोलन ने जनता में मौजूद गुस्से की भावना प्रदर्शित की है जो धर्म-आधारित नागरिकता कानून तथा राष्ट्रीय नागरिक पंजी-एनआरसी के विरोध के समय सामने आई थी। देखना होगा कि क्या जनता में छिपा गुस्सा एक बार पहले की तरह सड़कों पर उतरना है तथा केंद्रीय मंत्रियों द्वारा जनता से सीधे संवाद करने का क्या नतीजा निकलता है। विगत लोकसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत से बनी मोदी सरकार ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण तथा जम्मू-कश्मीर को मुख्यधारा में लाने का अपना एजेंडा पूरा किया है तथा इस दिशा में उसने संसदीय प्रक्रियाओं का समुचित उपयोग किया है। अब वर्तमान समय में उसे जनता में स्थिरता लाने का प्रयास करते हुए विकास के मुद्दों को पुन: केन्द्र में लाना चाहिए।

भाजपा चुनावी लाभ के लिए मतदाताओं का ध्रुवीकरण कराने में सफल रहती है। अगले साल होने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में इसी फार्मूले का प्रयोग होने की उम्मीद है। उस समय तक वैक्सीन लगाना शुरू हो जाएगी तथा टीकाकरण संबंधी संभावित समस्यायें मुख्य बन सकती हैं। हालांकि, भाजपा के लिए राज्यों में सत्ता हेतु संघर्ष करना महत्वपूर्ण है, पर उसे महामारी के बाद वाली दुनिया का यथार्थ समझते हुए परिवर्तनकारी राजनीति की दिशा में भी कदम बढ़ाने चाहिए। विपक्ष में बिखराव से प्रधानमंत्री मोदी की छवि और निखर कर सामने आती है, लेकिन जनता की समस्याओं पर समुचित रूप से ध्यान देना आवश्यक है। ऐसे में विपक्ष की कमजोरी के बावजूद स्थितियों को यहां तक खराब होने देने से बचना उचित होगा कि जनता को विरोध में सड़कों पर उतरना पड़े। यह सच है कि वर्तमान समय में विपक्षी पार्टियां अल्पसंख्यकों व किसानों संबंधी विमर्श के मामले में हाशिए पर आ चुकी हैं। हालांकि, राज्यों में स्थानीय निकाय चुनावों से संकेत मिलते हैं कि भाजपा के प्रति अब उतना समर्थन नहीं है जितना 2019 में था। इससे यह भी सिद्ध होता है कि जमीनी स्तर पर परंपरागत पार्टियों का संजाल अब भी मजबूत बना हुआ है। लेकिन विपक्ष राष्ट्रीय विकल्प बनने में विफ्ल हो रहा है। इस प्रयास में योगदान देने वाली मुख्य विपक्षी पार्टी दिशाहीन है। सत्तारूढ़ दल व विपक्ष को समझना चाहिए कि महामारी ने सामाजिक-राजनीतिक व आर्थिक बेचैनी बढ़ा दी है और भारत परिवर्तन चाहता है।

मोदी ने सुधारों को दी सर्वोच्च प्राथमिकता

भारत में, जहां हर क्षेत्र में परिवर्तन कछुए की गति से आगे बढ़ता है, आक्रोश विशेष रूप से मोदी की ओर मुड़ जाता है जो असलियत में यह मानते हैं कि उन्हें बड़े बदलावों हेतु जोर देने के लिए आवश्यक राजनीतिक जनादेश प्राप्त है।

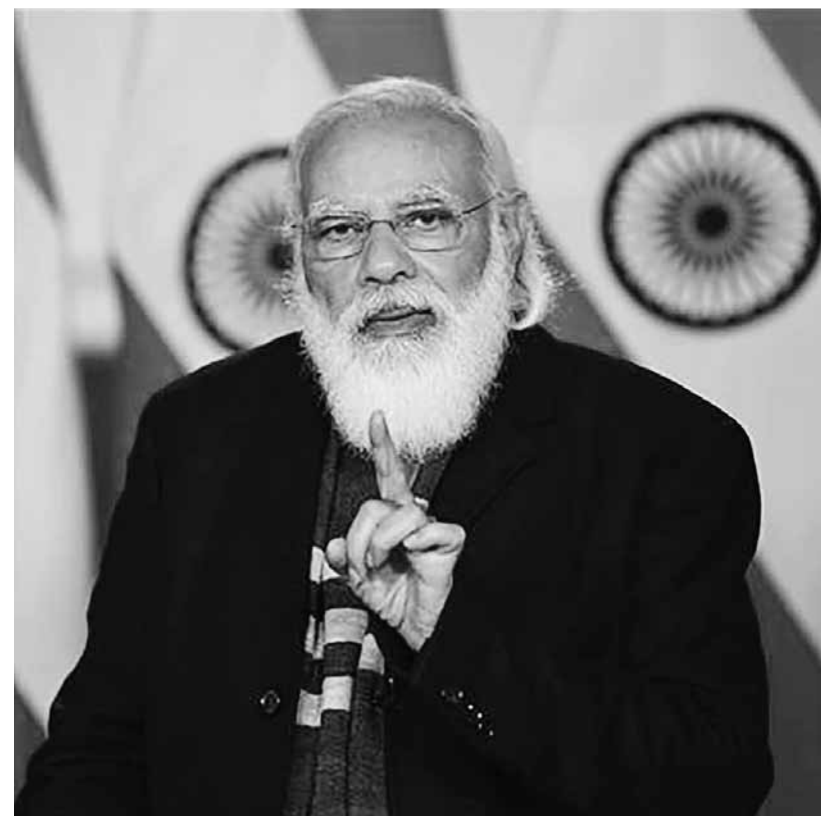

स्वपन दासगुप्ता
(लेखक राज्यसभा सदस्य और वरिष्ठ पत्रकार हैं)

वर्ष 1991 से, सुधार भारत की राजनीति में एक लोकप्रिय शब्द बन गया है। अधिकर दायरों में सह महसूस किया गया जाता था कि जवाहरलाल नेहरू तथा विशेष रूप से, इंदिरा गांधी के समय से निरंतर उद्विकसित हुई चीजों को करने की व्यवस्था अब उद्देश्य के लिए उपयुक्त नहीं रह गई है। केवल इतना ही नहीं है कि कथित समाजवादी व्यवस्था ने भारतीय उद्यमिता का गला घोंट दिया था। साथ-साथ यह माना जाता था कि जिस तरह सरकार काम करती थी उसने अदक्षता, बर्बादी और सबसे ऊपर तो भ्रष्टाचार पनपने में योगदान दिया। अगर भारत ने एक गरीबी में डूबे तीसरी दुनिया के राज्य बने रहने के लिए स्वयं को तैयार नहीं कर लिया है, संकट से संकट बड़ी गलतियां करते रहता है और अनावश्यक रूप से अंतरराष्ट्रीय दान पर निर्भर बना रहता है, तो फिर सुधार अनिवार्य हो जाते हैं।

आसान हिस्सा होता था परिवर्तन की आवश्यकता पर एक बौद्धिक आम सहमति प्राप्त करना और ऐसी दिशा में बढ़ना जो देश की पूर्ण क्षमता का संदोहन करता हो। अधिक कठिन काम है उन राजनीतिक शक्तियों को सक्रिय बनाना जो सुधारों को यथार्थ रूप दे सकें। सुधारों की प्रक्रिया की प्रत्येक अवस्था पर जो प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हाराव के समय से प्रारम्भ हुई थी और नरेंद्र मोदी के अधीन जारी है, यह दो कदम आगे बढ़ने और कम से कम एक कदम पीछे जाने का मामला रहा है। कभी-कभी, पीछे हटना महान कार्य होता है जिससे कि सुधार लगभग अदृश्य हो जाएं।

सोते हुए श्वानों को पड़े रहने देने का दबाव मनमोहन सिंह के 1991 के ऐतिहासिक बजट के समय से नजर आने लगा है। जो लोग निर्णय क्रिय के इतिहास का अनुसरण करते हैं वे याद करेंगे उस संघर्ष को जो कथित भारतीय उद्योगपतियों के बंबई क्लब द्वारा छेड़ा गया जो लाइसेंस-परमिट-कोटा राज के अपने विशेष सुरक्षित विशेषाधिकारों को संरक्षित रखने के लिए व्याकुल थे। उन्होंने स्वदेशी के आवरण तले भारतीय बाजारों को अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा हेतु खोले जाने का विरोध किया था। उनकी साजिश कारगर नहीं हो पाई लेकिन उसने सुनिश्चित किया कि उग्र सुधारों का सपना प्रसुप्तावस्था में रखा जाए। इसके बजाए, राजनीतिक आम सहमति यह थी कि जहां तक संभव हो, परिवर्तन धीरे-धीरे एवं राजनीतिक विमर्श से ढका हुआ होना चाहिए। इसका अर्थ है कि प्राथमिकता चोरी-चोरी सुधारों को लाने को दी गई थी। 1990 के दशक के मध्य में, कथित कांग्रेस वाम द्वारा प्रस्तुत भारी-भरकम चुनौती का सामना करते हुए जिसके नए मसीहा अर्जुन सिंह थे, कांग्रेस ने आर्थिक सुधार को नेहरूवादी सृजनात्मकता के सर्वोच्च चरण में रखा। हास्यास्पद था लेकिन, दुखद रूप से, राजनीतिक वर्ग हंसा नहीं। वे तब भी नहीं हंसे जब कांग्रेस की 1996 और 1998 के चुनावों में शर्मनाक पराजय हुई थी। लोकतांत्रिक जगत में सराहे गए ऐतिहासिक सुधारों का आगाज़ करने के बावजूद, राजनीतिक वर्ग ने अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में राजग की अनापेक्षित पराजय पर ध्यान दिया। पश्चदृष्टि से, वो नरेंद्र मोदी ही थे जो सुधारों को राजनीति में वापस सबसे आगे लेकर आए। वर्ष तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए मोदी ने प्रदेश में शासन की संस्कृति को बदल दिया। राज्य प्रशासन को निवेशकों बिजनेस की आवश्यकताओं के प्रति प्रतिक्रियाशील बनाना ऐसे प्रांत में ज्यादा कठिन नहीं था जहां पैसा अर्जित करना हमेशा से ही एक पसंदीदा लक्ष्य रहा है। जो क्रांतिकारी था वो यह तथ्य कि इसके साथ-साथ दक्षता, पारदर्शिता व ईमानदारी का भी समावेश किया गया था। सरकारी सेवाओं में भ्रष्टाचार का ग्राफ गिरने के पीछे बड़ा कारक है 2014 के चुनावों में मोदी की जीत होना। उन्हें एक भिन्न प्रकार का राजनेता माना गया।

अनतिक्रमणीय सत्यनिष्ठा से परिपूर्ण व्यक्ति वाली मोदी की छवि सुधारों को आगे बढ़ाने के पीछे एक ऐसा कारक है जिसे कम करके नहीं आंका जा सकता। 2016 में लिए गए विमुद्रीकरण के निर्णय को राजनीतिक पंडितों व अर्थशास्त्रियों ने विनाशकारी तथा भाजपा को राजनीतिक रूप से नष्ट करने वाले कदम के तौर पर देखा। उनका सोचना गलत था क्योंकि उस कदम को जनता ने काले धन के खिलाफ एक निर्णयात्मक कदम माना। उसके उद्देश्य जो भी हों, अब जो स्पष्ट हो गया है वो यह है कि नोटबंदी ने बैंकिंग सेवाओं के विलक्षण रूप से विस्तार हेतु जमीन तैयार की और परिणामत: सरकार द्वारा बिचोलियों के बगैर असली लाभार्थियों के लिए कल्याणकारी खर्चों के भुगतान करने की क्षमता बढ़ गई है। विमुद्रीकरण के परिणामस्वरूप नकदीविहीन लेन-देन में बढ़ोतरी देखी जा रही है। इस अवसंरचना कोविड-19 लाकडाउन के दौरान लोगों को राहत पहुंचाने में अहम भूमिका अदा की है। हालांकि, यह एक निरुद्देशित परिणाम था।

सुधारों का प्रतिरोध पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में किसानों के आंदोलन के रूप में सामने आया। सभी कृषि सुधारनों को नकारने के लिए किए जा रहे विरोध प्रदर्शन का उद्देश्य उन लोगों की प्रधानता को बनाए रखना है, जिन्हें वामपंथियों द्वारा कुलक कहा जाता है। इस बार, क्योंकि निशाने पर मोदी सरकार है, तो वामपंथ ने शाहीन बाग की बाधाओं से आगे बढ़कर दिल्ली-हरियाणा सीमा पर लंगरों में प्रवेश किया है। उस उद्देश्य की तलाश में जो मोदी सरकार को अपंग बना सके और, इस प्रक्रिया में, कृषि विपणन के आधुनिकीकरण को, उन्होंने उन सभी का समर्थन जुटाया है जो पूर्व के वर्षों में उस बात पर विलाप करते थे कि उत्तरोत्तर सरकारों ने भारतीय कृषि को सुधारों से अछूता रखा है। उनका अचानक पलट जाना राजनीतिक कारणों से हे और किसी न किसी तरह पीछे हटने को मजबूर करने का उद्देश्य है। उन्हें लगता है कि यदि मोदी पीछे हटते हैं तो भावी सुधार असंभव हो जाएंगे। और यदि सुधार की प्रक्रिया अवरुद्ध हो जाती है तो मोदी सरकार अपना संवेग खो देगी और अपने दूसरे कार्यकाल में केवल शासन चलाने तक सीमित रह जाएगी।

परिवर्तन का विरोध लंबे समय से लोकतांत्रिक राजनीति का लक्षण रहा है। भारत में, जहां किसी भी क्षेत्र में परिवर्तन कछुए की गति से आगे बढ़ता है, आक्रोश विशेष रूप से मोदी की ओर मुड़ जाता है जो असलियत में यह मानते हैं कि उन्हें बड़े बदलावों हेतु जोर देने के लिए आवश्यक राजनीतिक जनादेश प्राप्त है। मोदी यथास्थिति पर आधारित जगत तथा जड़ता से लाभान्वित होने वालों के लिए खतरा बन जाते हैं।

स्वास्थ्यरक्षा में सुधार की उम्मीद

“ नए दशक में स्वास्थ्यरक्षा ढांचे और सेवाओं के ज्यादा डिजिटलीकरण की उम्मीद है जिससे वह बेहतर बनेगा ”

गुरप्रीत संधू
(लेखक हेल्थकेयर एवं फार्मा परिषद के अध्यक्ष हैं)

वर्ष 2020 स्वास्थ्यरक्षा और दवा उद्योग तथा पूरी मानवता के लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा है। दुनिया ने हालिया इतिहास की सबसे भयानक महामारी का सामना किया जिसमें दुनिया भर में 18,00,000 से अधिक लोग मारे गए और इसके 2021 में भी जारी रहने की आशंका है। नए वर्ष में प्रवेश करते समय हमें कुछ प्रवृत्तियों पर गौर करना चाहिए जिनका स्वास्थ्य तकनीकों, संगठनों, बिजनेसों, नियामक संस्थाओं, उत्पादों व सेवाओं में वर्चस्व बना हुआ है। कृत्रिम बुद्धि-एआई, मशीन लर्निंग-एमएल, बिग डेटा, रोबोटिक्स व क्लाउड कंप्यूटिंगआदि के माध्यम से इस क्षेत्र में तकनीकी परिवर्तनों की शुरुआत हो गई है।

नए दशक में स्वास्थ्यरक्षा ढांचे व सेवाओं का ज्यादा उत्कृष्ट डिजिटलीकरण हो सकता है। सरकार और निजी क्षेत्र इस मामले में लीगेसी इन्फार्मेशन टेक्नोलोजी-आईटी व्यवस्थाओं में पूर्ण परिवर्तन के लिए काफी निवेश कर रहे हैं जिनका प्रयोग अब तक मुख्यत: बिलों का भुगतान दर्ज करने में होता था। अगले दशक में स्वास्थ्यरक्षा क्षेत्र की ज्यादातर सुविधायें आईटी आधारित व्यवस्थाओं के माध्यम से होंगी। डिजिटल चिकित्सा विज्ञान से सुदूर निदान और इलाज के साथ ही एलेक्ट्रानिक हेल्थ रिकार्ड-ईएचआर व एलेक्ट्रानिक मेडिकल रिकार्ड-ईएमआर आम हो जाएंगे। ढांचागत दृष्टिकोण से परंपरागत रूप से इमारतों में बने अस्पतालों के बजाय स्वास्थ्यरक्षा प्रदाताओं और सामुदायिक स्वास्थ्यरक्षा केन्द्रों का नया स्वरूप सामने आएगा। परंपरागत अस्पताल इमारतों के साथ ही स्वचालित रिसेप्शन सुविधायें, चेहरा पहचानने वाली व्यवस्थायें व स्वत: बीमारियों का पता लगाने वाले कियोस्क सामने आ सकते हैं।

अस्पतालों में रोबोटिक व स्वचालित स्वास्थ्य सहायक दिख सकते हैं। यह परिघटना खासकर विकसित देशों में सामने आएगी जहां स्वास्थ्यरक्षा पेशेवरों की भारी कमी है। इसके साथ ही रिमोट से संचालित टेली-आईसीयू व स्मार्ट आईसीयू ज्यादा आम हो सकते हैं। हमारे देश में भी फोल्डेबल व पोर्टेबल अस्पताल इकाइयों का विकास किया गया है, पर वे आने वाले दशकों में और संवेदनशील हो जाएंी। आने वाले दशक में रिमोट मानीटरिंग उपकरण तथा पहनने वाले उपकरण ज्यादा सामान्य हो जाएंगे जो एप व साफ्टवेयर से जुड़े होंगे। इसके परिणामस्वरूप इंटरनेट आफ मेडिकल थिंग्स-आईओएमटी परिवर्तनकारी भूमिका अदा करेंगे। वाईफाई व ब्लूटूथ तकनीकों से चौबीसों घंटे व सातों दिन मरीजों से संपर्क बना रहेगा जो स्थिर चिकित्सा उपकरणों, इम्प्लांटों या पहनने वाले उपकरणों से जुड़े होंगे। चिकित्सक तथा देखभाल करने वाले विजुअल व रिमोट देखभाल करेंगे। ब्लड प्रेसर, पल्स आक्सीमीटर, ब्लड ग्लूकोज़ मानीटर जैसे उपकरण स्वास्थ्य पर स्वत: निगरानी रखने में सहायता करेंगे। एआई आधारित मानसिक बेहतरी व चिकित्सा-स्तरीय चैटबोट लोगों की सहायता करने में प्रयोग हो रहे हैं जो बेचैनी व तनाव जैसी मानसिक स्थितियों से निपटने में सहायक हैं। वे आने वाले दशक में आम प्रयोग की चीजें बन जाएंगे। बढ़ते डिजिटलीकरण के साथ एडवांस्ड एनालिटिक्स मूल्य श्रृंखला को शोध एवं विकास, विनिर्माण गुणवत्ता, बिक्री, फार्मा उद्योग आदि में बढ़ावा देंगे। इससे औषधीय उत्पाद सभी स्थानों पर समय पर पहुंचाये जा सकेंगे तथा कंपनियां अपनी सप्लाई श्रृंखलाओं को अस्पतालों व देखभाल केन्द्रों से सीधे ई-फार्मा के माध्यम से जोड़ेंगी। आने वाले दशक में बड़े पैमाने पर डिजिटल मार्केटिंग टूल्स जैसे वीडियो, मोबाइल मार्केटिंग, डिजिटल कंटेंट, सोशल मीडिया, हाई इंपैक्ट विजुअल्स व फार्मा उत्पादों व सेवाओं के सोशल मीडिया पर लाइव सेशन्स के रूप में दिखाई देंगे।

इसके लिए दवा कपंनियों व स्वास्थ्य तकनीक फर्मों के बीच सहयोग बढ़ेगा। एआई, बिग डेटा व एमएल जैसी तकनीकों से औषधि शोध व उत्पाद विकास में लगने वाला समय बहुत कम हो जाएगा। इसमें क्लीनिकल ट्रायल व परीक्षण भी शामिल हैं। आरएंडडी के लिए इतना डेटा मिल जाएगा जिसकी अब तक कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। इससे दवाओं का आरएंडडी जीन-आधारित प्रयोगों में बदल सकता हे। जीनोमिक्स व एआई तथा बिग डेटा के समन्वय से विशिष्ट लक्षणों वाले रोगियों का इलाज उनके जीन्स के आधार पर किया जा सकेगा। अगले दशक में इन तकनीकों से कैंसर, तंत्रिका तंत्र रोगों आदि की चिकित्सा आसान हो जाएगी। एआई व बिग डेटा का प्रयोग महामारी संबंधी शोध में बड़े पैमाने पर अनुमान लगाने के लिए हो सकेगा तथा बायोटेक्नोलोजी व बायोफार्मा की तेज प्रगति होगी।

वैक्सीन निर्माण, चिकित्सा व निदान में इससे तेज गति संभव होगी। आने वाले दशक में और ज्यादा देश मेडिकल मैरीजुआना को वैध ठहरा सकते हैं। कोविड-19 से पैदा चुनौतियों ने मानवजाति व दवा उद्योग के सामने महत्वपूर्ण चुनौतियां पेश की हैं। इससे सबक लेते हुए दुनिया भर की दवा नियामक संस्थाओं ने किसी भावी महामारी से निपटने के लिए ज्यादा सहयोगी दृष्टिकोण अपनाने में सहयोग की रूपरेखा बनाई है।

आप की बात

गोवंश संरक्षण

उप्र सरकार ने आवारा गो वंशीय पशुओं की समस्या से छुटकारा दिलाने के लिये हर जिले के गांवों में गो शालाओं के निर्माण के लिये धन उपलब्ध कराया। लेकिन आवारा पशुओं से लोगों को राहत नही मिली। किसानों ने जानवरों को अन्न चारे और चरागाह के अभाव के कारण छोड़ दिया। लोग पूरी तरह से मशीनीकरण पर आश्रित हो गए है। खेतों की जुताई से लेकर आनाज घर तक लाने का काम मशीनों से हो रहा है। खेतों की कटाई और मड़ाई के लिये कम्बाइन मशीनों की खरीद सरकार ने ऋण देकर कराया। जो जानवरो को वर्ष भर चार देता था।चरागाहों पर कब्जे और तालाबो का पट्टा। किसान के सामने जानवरो के खिलाने और पानी पिलाने का संकट सामने है। योगी सरकार द्वारा 900 रु प्रति जानवर लोगों को जानवरों को गोद लेने का फैसला उत्तम विचार है। इससे जानवरों की समस्या से निजात मिल जाएगी। मुख्यमंत्री ने 21562 लोगों को 87 करोड़ रुपये सीधे उनके खाते में हस्तांतरित किये। उप्र सरकार द्वारा गो शालाओं के प्रबंधन पर खर्च धन पर निगरानी की जरूरत है। जिम्मेदार लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिये। जिनके कारण योजनाओं का सही क्रियान्वयन नही हो पा रहा है।

– **कुलदीप मोहन त्रिवेदी**, जरगांव

नववर्ष में उम्मीदें

बीते वर्ष के कड़वे अनुभवों को भूल कर अब हमें नए वर्ष में सकारात्मक आशाओं, उम्मीदों के साये में जीना होगा। इसमे कोई दो मत नही वक्त की ये भागादौड़ी हमें बहुत कुछ नए रास्ते दिखाती है। कोरोना संक्रमण पर वैक्सीन तो आ रही है पर हमें सतर्कता को अनदेखी नही करना है। हताशा भरा जीवन कोरोना में जरूर रहा परन्तु अब हमें अपने आप को आगे रखकर हमारे उत्तरदायित्व ओर कर्तव्यों को निभाना होगा।प्रशाशन से आम जनता को मूलभूत आवश्यकताओं की अपेक्षाओं को भी ध्यान रखना होगा। आज हरवर्ग महंगाई की मार झेल रहा क्या प्रशाशन इसमे कोई कारगर कदम उठाएगी? दो जून की रोटी और भूखे पेट की ज्वाला को हमारी सरकार शांत करने में कोई प्लान तैयार करेगी? मजदूरों की दर्द भरी दास्तान को अपने कर्ण पटल पर जगह देगी? सिर्फ चुनावी दौर और कुर्सी मोह से परहेज कर के जनता जनार्दन की जरूरतों को पूरा करेगी? ये सवाल आम सवाल है जिनके उत्तर का इंतजार हर नागरिक को है। नए वर्ष में और भी उम्मीदें हैं। कारगर नीतियों की जरूरत है। संकल्प की जरूरत है। तभी भारत मे जनता को सकून का अहसास होगा।

– **योगेश जोशी**, बड़वाह, मप्र

भविष्यवाणी निरर्थक

जीवन में उन्नति करने के आसार हैं। आगामी जीवन सुखमय होगा। कारोबार में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। आत्मविश्वास और पुरुषार्थ से बिगड़े काम भी पूर्ण होंगे। ऐसा ही कुछ अखबारों और चैनलों के भविष्यवाणी कलम में प्रकाशित होता रहता है। इतना ही नहीं ये तो अक्सर सुनने और देखने में भी आया है कि कई लोग कर्म से ज्यादा धर्म और भविष्यवाणी में अन्धाविश्वास रखते हैं। जिससे कि अन्धविश्वास उनपर इतना हावी हो जाता है कि वे खुद उसके शिकार हुए फिरते हैं। भारत और भविष्यवाणी की अनंत गाथा तब तक चलती रहेगी, जब तक शिक्षा का प्रसार पर्याप्त रूप से सभी तक नहीं होगा व इसको बढ़ावा देने वाले लोग रहेंगे। ऐसी ही कुछ भविष्यवाणी 2020 में पंडितो और बुद्धिजीवियों ने की थी। गौरतलब है कि इस बार भी कुछ ऐसा ही भविष्यवाणी की गई होगी। जरूरत है विज्ञान और शिक्षा को बढ़ावा दिया जाए, अन्यथा हम उसी अन्धविश्वास में लिपटे रहेंगे। कड़ी मेहनत और धैर्य के दम पर, कौनसी बुलंदी को नहीं छुएं होंगे।

– **अमन जायसवाल**, दिल्ली

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

“ **कोविड** टीकाकरण के प्रथम चरण में प्राथमिकता पर उन लोगों को मुफ्त वैक्सीन मुहैया होगी जिनमें स्वास्थ्यरक्षाकर्मी व दो करोड़ अग्रिम पंक्ति कार्यकर्ता शामिल हैं।

– **डॉ. हर्षवर्धन**
केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

अधिवक्ताओं को तकनीक से जुड़ना चाहिए क्योंकि इसके द्वारा लोगों को त्वरित न्याय मुहैया कराने में सहायता मिलेगी।

–**योगी आदित्यनाथ**
मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश

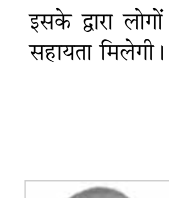

बूटा सिंह के निधन से देश ने सर्वाधिक लंबे समय तक सेवा प्रदान करने वाले सांसदों में से एक तथा प्रचुर प्रशासनिक अनुभव से परिपूर्ण नेता खो दिया है।

–**राम नाथ कोविंद**
राष्ट्रपति ”

विजय संकल्प के साथ त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में उतरेगी भाजपा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

- चुनाव के लिए जिले स्तर पर बीजेपी करेगी बैठकें
- 7 से 17 जनवरी तक आयोजित होंगी बैठकें

नए साल में बीजेपी ने पंचायत चुनाव को तैयारी तेज कर दी है। पंचायत चुनाव को लेकर जिले स्तर पर बीजेपी बैठके करेगी जिसके लिए क्षेत्रीय प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। इस कार्यक्रम को लेकर पार्टी मुख्यालय पर प्रदेश प्रभारी राधा मोहन सिंह की उपस्थिति व प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में पार्टी के प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल, प्रदेश के सह प्रभारी सुनील ओझा एव संजीव चौरसिया सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक में तय किया गया कि पंचायत चुनाव को लेकर जिला स्तर पर बैठकें आयोजित की जाएगीं। राधा मोहन सिंह, स्वतंत्र देव सिंह, सुनील बंसल व प्रदेश सहप्रभारियों सहित अन्य प्रमुख पदाधिकारियों की मौजूदगी में आगामी 7 से 17 जनवरी तक बैठकें सम्पन्न होगी। पार्टी ने स्वामी विवेकानंद जयन्ती 12 जनवरी को युवा मोर्चा द्वारा जिला स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने की भी योजना तैयार की है।

राधामोहन सिंह ने कहा कि वैश्विक स्तर पर सर्वे और रिसर्च करने वाली फर्म मॉनिंग कंसल्ट के नवीनतम सर्वेक्षण के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नेट अप्रूवल रेटिंग 55 प्रतिशत है जो सबसे अधिक है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र की भाजपा सरकार लगातार गांव, गरीब, किसान के विकास को ध्यान में रखकर काम कर रही है। पार्टी के लिए पंचायत चुनाव महत्वपूर्ण है। क्योकि केन्द्र में मोदी सरकार आने के बाद ग्राम पंचायत हो या शहरी निकाय सभी का बजट बढ़ाया गया है ताकि लोगों को बेहतर सुविधाएं मिले और गांवों का भी विकास हो। उन्होंने कहा पंचायत चुनाव में योग्य व कुशल नेतृत्व चुनाव जीतकर आये इसके लिए पार्टी कार्यकर्ताओ को निचले स्तर तक योजनापूर्वक कार्य करना चाहिए। पंचायत चुनाव में योग्य व कर्मठ लोगो के विजयी होने से गांवों के चहुमुखी के लक्ष्य को गति मिलेगी। स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि मोदी ने आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना से गांव, गरीब, किसान के सामाजिक एवं आर्थिक जीवन की खुशहाली का संकल्प लिया है। इस संकल्प की त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में ईमानदार, निष्ठावान एवं गांव के विकास के लिए संकल्पित लोगों के चुनकर आने से ही पूर्ण सार्थकता प्राप्त होगी। इसलिए पंचायत चुनाव भाजपा की प्राथमिकता है। मोदी सरकार एवं योगी सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए पार्टी योग्य उम्मीदवारों का चयन करेगी जो अन्त्योदय के विचार को साकार रूप देंगे। सुनील बंसल ने कहा कि विजय के संकल्प के साथ पार्टी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में उतरेगी। पार्टी के एक-एक कार्यकर्ता मोदी और योगी की जनकल्याणकारी योजनाओं का संवाहक बनकर जनता के दरबार में पहुंचेगें। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष द्वारा प्रदेश महामंत्री जेपीएस राठौर को पश्चिम क्षेत्र, गोविन्द नारायण शुक्ला को प्रदेश मुख्यालय, अश्वनी त्यागी को ब्रज, अमरपाल मौर्य को अवध, सुब्रत पाठक को काशी, अनूप गुप्ता को गोरखपुरख प्रियंका सिंह रावत को कानपुर-बुन्देलखण्ड क्षेत्र का प्रभारी घोषित किया गया। प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पंचायत चुनाव प्रभारी विजय बहादुर पाठक ने बैठक में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में अब तक हुए कार्यों का व्यौरा रखा।

अखिलेश की सोच नकारात्मकः डॉ. शर्मा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना वैक्सीन को लेकर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर पलटवार करते हुए उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि वैक्सीन को लेकर उनकी सोच नकारात्मक है। वैक्सीन को बनाने में लगे वैज्ञानिकों की सराहना होनी चाहिए थी। यह वैक्सीन किसी जाति.धर्म विशेष को देखकर नहीं बनाई गई है। लेकिन दलगत राजनीति करते लोग इस तरीके से बयान दे रहे हैं।

रविवार को गोमतीनगर में नीरज चौक के लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि वैक्सीन को लाने में केंद्र सरकार ने जिस तरीके से तत्परता दिखाई है, इसकी तारीफहर किसी को करनी चाहिए। लेकिन दलगत राजनीति करते लोग ऐसे बयान दे रहे हैं, जिससे अफ्वाह जैसी स्थिति बन रही है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव का बयान नकारात्मक सोच है। वैक्सीन कैसे लगाना है और नहीं लगाना है, यह उनकी विचारधारा सोच हो सकती है। वहीं, बोर्ड परीक्षा को लेकर दिनेश शर्मा ने कहा कि इस पर कोई निर्णय पंचायत चुनाव के बाद लिया जाएगा।

ईज ऑफ डूईंग बिजनेस से प्रदेश में उद्यमियों की राह होगी और आसान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

- निवेश मित्र पोर्टल से जुड़े 10 नए विभाग, बढ़ी 166 ऑनलाइन सेवाएं

यूपी सरकार ने राज्य के विकास के लिए ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर अपना फोकस बढ़ा दिया है। पिछले वर्षो की तुलना में ईज ऑफ डूईंग बिजनेस में 12 स्थानों की लंबी छलांग लगाने के बाद सरकार ने इस प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने और निवेश को प्रोत्साहन देने के लिए सिंगल विंडो पोर्टल निवेश मित्र पर विभागों की संख्या बढ़ाकर 24 कर दी है जो 166 सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध करा रही हैं। अभी तक 14 विभाग पोर्टल से जुड़े हुए थे।

उद्यमियों की पहली पसंद बनाने के लिए प्रदेश की योगी सरकार हर कदम पर कामयाब नजर आ रही है। सरकार की ओर से उद्यमियों को दी जा रही सहूलियतों की बदौलत सैमसंग समेत कई बड़ी कंपनियां प्रदेश में अपने कदम जमा चुकी है। उद्यमियों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए इनवेस्ट यूपी द्वारा निवेश मित्र पोर्टल को और प्रभावी बनाने का काम शुरू हो गया है। पोर्टल से कृषि, रेशम समेत अन्य विभाग भी जुड़ गए हैं। पोर्टल पर विभागों के लिए एक डैशबोर्ड विकसित किया गया है। इस पर उद्यमी अपने सुझाव व शिकायत दर्ज करा सकते हैं। असल में भारत सरकार की ओर से हर साल ईज ऑफ डूईंग बिजनेस के आधार पर प्रदेशों की रैंकिंग की जाती है। आवेदनकर्ताओं के फीडबैक के आधार पर इसका मूल्यांकन किया जाता है। निवेश मित्र पोर्टल पर कोई उद्यमी किसी प्रकार से असंतुष्ट है तो उच्च स्तर पर उसके असंतुष्ट होने के कारणों का मूल्यांकन किया जाएगा। समस्या का समाधान होने के बाद इसकी जानकारी संबंधित आवेदनकर्ता को दी जाएगी।

बीजेपी कार्यकर्ताओं ने किया नवनिर्वाचित एमएलसी का स्वागत

लखनऊ। बीजेपी कार्यकर्ताओं ने नवनिर्वाचित विधान परिषद सदस्य अवनीश कुमार सिंह स्वागत किया। पूर्व संयोजक कैंट विधान सभा स्वाती सिंह के कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में कैंट विधायक सुरेश तिवारी, महापौर संयुक्ता भाटिया का भी स्वागत किया गया।

संयुक्ता भाटिया ने कहा कि स्वाती सिंह ने लखनऊ कैण्ट विधान परिषद चुनाव क्षेत्र के संयोजक का प्रभार संभालते हुए न सिर्फ लखनऊ कैण्ट के कार्यो को संचालित किया बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी भारी संख्या में मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में शामिल किया। महापौर ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। अवध क्षेत्र के सह मीडिया प्रभारी सतबीर सिंह राजू ने कहा कि कार्यक्रम में तहरी भोज का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से योगेन्द्र पटेल, आलोक मिश्रा, मनीष मिश्रा, कुमारी अर्चना, राकेश श्रीवास्तव मौजूद रहे।

सरकार ने शुरू किया वरासत अभियान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में जमीन के झगड़ों को खत्म करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर वरासत अभियान शुरू किया गया है। बिना किसी विवाद के उत्तराधिकार को खतौनियों में दर्ज करने के लिए सभी ग्राम सभाओं में इस अभियान की शुरुआत की गई है। आपकी जमीन, आपका अधिकार, सबको मिले अपना उत्तराधिकार के संकल्प के साथ दो महीने तक यह विशेष अभियान चलेगा। इसके तहत प्रदेश के एक लाख आठ हजार राजस्व गांवों में कई सालों से अटके हुए वरासत के मामलों का निस्तारण किया जाएगा। अभियान के तहत कोई भूलचूक न होने पाए इसके लिए सीएम योगी आदित्यनाथ ने अभियान के तहत विवादों के निपटाने के बाद शासन के वरिष्ठ अधिकारी द्वारा इनका सत्यापन कराने का भी निर्देश दिया है। प्रदेश में वरासत अभियान की शुरुआत 15 दिसंबर से की गई है। इससे जहां तहसील कर्मियों की मनमानी पर रोक लगेगी, वहीं भूमि विवादों पर भी काफी हद तक अंकुश लग सकेगा। वरासत अभियान के तहत वरासत दर्ज कराने के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह की सुविधा है। यदि आपकी जमीन गांव में और आप कहीं और रह रहे हैं तो आपके लिए हर तहसील स्तर पर एक काउंटर भी खोला गया है। सरकार ने हेल्पलाइन नबंर 0522.2620477 इस अभियान के लिए जारी किया है। इस पर फोन कर आप आवेदन में सहायता और पूरी जानकारी मांग सकते हैं। सीएम हेल्पलाइन नंबर 1076 पर भी आप कॉल कर सकते हैं।वरासत अभियान के तहत राजस्व तहसील अधिकारियों द्वारा राजस्व ग्रामों में खतौनियों को पढ़ने की प्रक्रिया और लेखपाल द्वारा ग्रामवार कार्यक्रम बनाकर सर्वे कर लोगों से प्रार्थनापत्र प्राप्त कर उन्हें ऑनलाइन भरा जाएगा।

किसानों के लिए किसान बनेंगे रोलमॉडल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

- हर जिले से रोलमॉडल के रूप में खेतीबाड़ी से जुड़े 100 प्रगतिशील किसानों का चयन करेगा कृषि विभाग

अपनों से अपनों की बात ज्यादा असरदार होती है। योगी सरकार इसी फार्मूले पर खेतीबाड़ी के उन्नत तौर-तरीकों के जरिए किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रगतिशील किसानों की मदद लेगी। किसानों के लिए स्थानीय स्तर पर होने वाले किसान मेलों और किसान गोष्ठियों में यही प्रगतिशील किसान बाकी किसानों को अपनी सफलता के बारे में बताएंगे।

सरकार को उम्मीद है कि उनकी कहानी से प्रेरणा लेकर अन्य किसान भी बेहतर करके खुशहाल होंगे। इसके लिए कृषि विभाग हर जिले से रोलमॉडल के रूप में 100 प्रगतिशील किसानों का चयन करेगा। 6 जनवरी से 350 ब्लाकों पर आयोजित होने वाले किसान कल्याण मिशन के कार्यकमों में अपनी बात रखने के लिए इनको मंच देने के साथ सम्मानित भी किया जाएगा। सरकार इन सबका डाटाबेस भी तैयार करेगी।

महिलाओं के सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए सरकार शारदीय नवरात्रि से मिशन शक्ति अभियान चला रही है। कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी के अनुसार एक्सपोजर न मिलने के मद्देनजर मिशन किसान कल्याण में महिलाओं की भी पर्याप्त भागीदारी सुनिश्चित कराई जाएगी। इस बाबत मुख्य सचिव राजेंद्र तिवारी की ओर से सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए जा चुके हैं। आयोजन में ब्लॉक स्तर पर गठित फार्मर्स प्रोड्यूसिंग ऑर्गनाइजेशन (एफ्पीओ) के पदाधिकारी भी आमंत्रित किए जाएंगे। उनको प्रमाणपत्र देने के साथ, उनके लिए मंजूर फॉर्म मशीनरी बैंक,बीज विधायन संयंत्र भी बाटे जाएंगे।

पूरे अभियान की शासन स्तर से मॉनिटरिंग होगी। इसके कृषि विभाग किसान कल्याण माइक्रो साइट बनाएगा। सभी सूचनाएं विभाग के पोर्टल पर डाली जाएंगी। सूचना विभाग प्रचार के हर माध्यम पर इस आयोजन का प्रचार.प्रसार सुनिश्चित कराएगा। जिलेवार ये सूचना भी एकत्र की जाएगी कि अभियान के दौरान कितने किसानों से संपर्क किया गया, कितनों से वार्ता हुई। सम्बंधित किसानों के मोबाइल/व्हाट्सएप नंबर भी एकत्र किए जाएंगे। अभियान के संचालन के लिए शासन स्तर पर एपीसी (कृषि उत्पादन आयुक्त) की अद्यक्षता में एक समिति गठित होगी। इसमें आयोजन से जुड़े सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव इसके संयोजक होंगे। मीडिया का एक प्रतिनिधि भी समिति में शामिल होगा।

किसानों के मौत की भाजपा सरकार ही है जिम्मेदारः अखिलेश यादव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली की सीमा पर आंदोलनरत तीन दर्जन किसानों की मृत्यु पर गहरा शोक जताते हुए उनके संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। अखिलेश यादव ने कहा देश के अन्नदाता की मौतें विचलित कर देने वाली अत्यंत दु:खद घटनाएं है। शहीद किसानों की संख्या बढ़ती जा रही है लेकिन असंवेदनशील भाजपा सरकार टस से मस नहीं हो रही है। किसान अपने भविष्य को बचाने के लिए अपनी जान दे रहा है लेकिन भाजपा नेतृत्व अपने बेतुके तर्कों एवं झूठे तथ्यों से काले कृषि कानून थोपना चाहती है।

श्री यादव ने कहा कि किसानों के मौत की जिम्मेदार भाजपा सरकार ही है। घने कोहरे और ठण्ड में किसान लगातार हक और इंसाफ की गुहार लगा रहे हैं लेकिन सत्ताधारी हृदयहीन बने बैठे है। भाजपा जैसा सत्ता का इतना दम्भ एवं इतनी निष्ठुरता अब तक कभी देखी नहीं गई। श्री यादव ने कहा बेहतर होगा भाजपा सरकार चंद अमीर मित्रों के फायदे के लिए पूरे देश के किसान को न ठगे, कृषि कानूनों को वापस ले। हर जमीनी कार्यकर्ता, वह चाहे जिस पार्टी में हो, यही चाहता है। भारत का राजनीतिक नेतृत्व इतना बंजर कभी न था। भाजपा लगातार किसानों का तिरस्कार कर रही है। किसान ही इस सरकार को सड़क पर ले आएंगे। अखिलेश यादव ने कहा झूठ और धोखा भाजपा सरकार की आदत में शुमार हैं। किसानों को लागत से ड्योढ़ा मूल्य दिलाने, सन् 2022 तक आय दुगनी करने का वादा करने वाले इन्हें तो भूल गए, गन्ना किसानों को बकाया भी नहीं दे रहे हैं, न्यूनतम समर्थन मूल्य को अनिवार्य किए जाने की मांग पर भी चुप्पी मारे बैठे हैं। उत्तर प्रदेश में तो योगी सरकार ने किसानों को घरो में कैद करने के अलावा पुलिस और प्रशासन के अफ्सरों को भेजकर डराने धमकाने का अलोकतांत्रिक काम भी किया है। साफहै कि सरकार किसान आंदोलन को लेकर गम्भीर नहीं है और वह हल चाहती ही नही है लेकिन किसान जागरूक है और वह भाजपा के बहकावे में आने वाला नहीं है। अखिलेश यादव ने कहा कि कोई भी सत्ता देश के किसानों की मांगों की उपेक्षा करके अपना अस्तित्व नहीं बचाए रख सकती है। भाजपा ने किसान को बर्बादी की कगार पर खड़ा कर दिया है। भाजपा कारपोरेट के समर्थक है। समाजवादी पार्टी की प्राथमिकता में किसान गांव और खेती रही है। समाजवादी इनकी समृद्धि के लिए बराबर संघर्ष करती रही है।

सपा मुख्यालय में मनाई गई सावित्री बाई फुले की 189वीं जयंती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाज सुधारक एवं भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फुले की 189वीं जयंती रविवार को समाजवादी पार्टी में सादगी से मनाई गई। श्रीमती फुले के चित्र पर समाजवादी पार्टी में राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पुष्पांजलि अर्पित की और उनके रास्ते पर चलने का संकल्प दुहराया।

अखिलेश यादव ने इस अवसर पर कहा कि सावित्री बाई फुले ने महिलाओं और दलित जातियों को शिक्षित करने की पहल की थी। उन्होंने विधवा विवाह कराने, छुआछूत मिटाने को अपना मिशन बनाया। जब लड़कियों पर पढ़ने लिखने की पाबंदी थी तब कट्टरवादी लोगों से टकराकर उन्होंने पुणे में 3 जनवरी 1848 में 9 छात्राओं के साथ विद्यालय की स्थापना की जो उस समय बड़े साहस का कार्य था। श्री यादव ने कहा कि श्रीमती सावित्री बाई फुले को समाज सुधार के काम में रूढ़िवादी समाज से विरोध में बहुत कुछ सुनना और सहना पड़ा किन्तु उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। उन्हें स्त्री अधिकारों एवं शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका के लिए हमेशा याद किया जाएगा।

सेमेस्टर परीक्षा बाद स्टूडेंट्स दे सकेंगे मूल्यांकन को चुनौती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

- चैलेंज इवैल्यूएशन में 20 फीसदी से अधिक मार्क्स में परिवर्तन आने पर शिक्षकों पर कार्रवाई तय

जनवरी के अंत से शुरू हो रही सेमेस्टर परीक्षाओं के परिणाम को लेकर स्टूडेंट्स मूल्यांकन को चुनौती दे सकेंगे। परीक्षा परिणाम से नाखुश स्टूडेंट्स की मांग पर अगर दोबारा मूल्यांकन होने पर 20 फीसदी से अधिक मार्क्स में परिवर्तन आने पर शिक्षकों पर कार्यवाही की जाएगी। लखनऊ विश्वविद्यालय ने चैलेंज इवैल्यूएशन को प्रभावी बना दिया है। चैलेंज इवैल्यूएशन में एक स्टूडेंट्स के 20 फीसदी मार्क्स बढ़ने पर इवैल्यूएशन करने वाले टीचर को नोटिस, 3 स्टूडेंट्स के मार्क्स में परिवर्तन आने पर इवैल्यूएशन करने वाले टीचर का पारिश्रमिक काटने और 5 स्टूडेंट्स के मार्क्स में परिवर्तन आने पर इवैल्यूएशन करने वाले टीचर को परीक्षा से डिबार कर दिया जाएगा।

स्टूडेंट्स ऐसे कर सकते हैं चैलेंज इवैल्यूएशन के लिए आवेदन: चैलेंज इवैल्यूएशन के लिए आरटीआई के शुल्क 300 रुपये रखा गया है। इसमें 30 दिन के अंदर स्टूडेंट्स को ऑनलाइन स्कैन कॉपी उपलब्ध कराई जाएगी। यदि कॉपी देखने के बाद स्टूडेंट्स इवैल्यूएशन से संतुष्ट नही है तो वह इवैल्यूएशन का शुल्क 2500 जमा कर चैलेंज कर सकता है। इवैल्यूएशन चैलेंज होने पर सम्बंधित विभाग प्रमुख चार सदस्यों की कमेटी का नाम कुलपति को भेजेंगे। जिनमे दो के नाम पर कुलपति का एप्रूवल होगा। एप्रूवल के बाद पूर्व में प्राप्त अंको को छिपा कर मूल्यांकन कराया जाएगा। मूल्यांकन के बाद दोनों नम्बरों का आंकलन किया जाएगा। यदि स्टूडेंट्स के नम्बर बढ़ते हैं तो जमा 2500 रुपये शुल्क में से 1000 रुपये वापस कर दिए जाएंगे।

लॉजिस्टिक्स सेक्टर की पहली निवेश परियोजना को यूपी सरकार ने दी हरी झंडी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश सरकार ने लखनऊ में वेयरहाउसिंग इकाई की स्थापना के लिए राज्य की वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक नीति-2018 के तहत पहले निवेश प्रस्ताव को अनुमोदन प्रदान कर दिया है। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित प्राधिकार प्राप्त समिति की संस्तुति पर औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना ने मेसर्स नानक लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड के निवेश प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया है। उक्त वेयरहाउसिंग इकाई को लखनऊ के सरोजनी नगर के भउकापुर गाँव में 86000 वर्ग मीटर के क्षेत्र में लगभग 85 करोड़ की लागत से स्थापित किया जा रहा है। एसीएस इंडस्ट्री आलोक कुमार ने बताया कि वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में निवेश के लिए राज्य सरकार को लगभग 438 करोड़ के 6 प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनमें से अनुमोदित इकाई राज्य सरकार की स्वीकृति प्राप्त करने वाली पहली परियोजना है। राज्य सरकर ने लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को उद्योग का दर्जा प्रदान करने के अतिरिक्त लॉजिस्टिक पार्कों के विकास के लिए पात्रता सीमा को 50 एकड़ से घटाकर 25 एकड़ कर दिया है। निर्धारित मापदंडों के आधार पर मूल्यांकन के निष्कर्षों के अनुसार उत्तर प्रदेश में प्रतिस्पर्धी दरों पर लॉजिस्टिक्स की व्यवस्था में सुगमता तथा लॉजिस्टिक्स अवस्थापना की गुणवत्ता के मापदंडों में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है।

लाकडाउन में चुनावी बिसात पर बीजेपी का पलड़ा भारी पड़ा

अभिषेक रंजन। लखनऊ

- राज्यसभा, विधान सभा और शिक्षक निर्वाचन चुनाव में भाजपा सब पर रही हावी
- साल के अंत में किसान संवाद कार्यक्रम के जरिए गांव में पहुंची पार्टी

बीता हुआ साल कोविड के लिए कभी नहीं भूलाया जा सकता है। इस साल में महामारी ने कई लोगों को उनके परिवार से छीन लिया लेकिन अगर बात सियासत की जाए तो बीता हुआ बीजेपी के लिए कई मायनों में अहम रहा। चुनावी बिसात पर भाजपा का पलड़ा भारी तो विपक्ष को नुकसान उठाना पड़ा, राज्यसभा का चुनाव हो या विधान सभा के उप चुनाव और या फिर शिक्षक निर्वाचन चुनाव में बीजेपी ने हर जगह अपना झंड गाड़ दिया। अब बीजेपी नए साल की शुरूआत के साथ तेजी से पंचायत चुनाव की तैयारी में जुट गई है क्योंकि फरवरी में यूपी में पंचायत चुनाव की डुगडुगी बज जाएगी।

बीते साल के कुछ पन्नों को अगर पलट कर देखा जाए तो बीते मार्च में यूपी में लाकडाउन की शुरूआत हुई। शुरूआत के एक माह तक सख्ती के कारण बीजेपी संगठन ने अपनी गतिविधियों को धार नहीं दी लेकिन अप्रैल के अंत तक बीजेपी ने इस लाकडाउन में सेवा सत्कार के जरिए संगठन की गतिविधियों के जरिए जनता के बीच में पहुंची और बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने इस लाकडाउन के बीच आवश्यक सेवाओं को पहुंचाकर अपनी उपसिथिति दर्ज कराई। इसमें बीजेपी के पार्षद से लेकर बूथ अध्यक्ष और फिर मंडल से लेकर जिलाध्यक्षों को जुटाया गया। विधायक, सांसद, मंत्री और संगठन के पदाधिकारियों ने भोजन-पानी व दवाओं की व्यवस्था कर जरूरतमंदों की मदद की, इस बीच दूसरे राज्यों से जो लोग यूपी में पैदल आ रहे थे उसमें भी सरकार व संगठन ने सेवा अभियान के जरिए जनता में उपस्थिति दर्ज कराई। इस बीच कोविड के कारण कई विधायकों और योगी सरकार के मंत्रियों ने अपनी जान गवाई, यह सबसे दु:खद रहा जब सरकार के कैबिनेट मंत्री चेतन चौहान, कमल रानी वरूण समेत कई मंत्री कारोना से लड़ाई हार गए। सरकार ने जब कोविड पर नियंत्रण किया तो नवंबर में यूपी की सात विधान सभा सीटों पर उप चुनाव हुआ। इस चुनाव के लिए बीजेपी ने वेबिनार के जरिए बैठकों का आयोजन किया। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने संबोधित किया। जिन जिलों में चुनाव थे वहां पर पहले वर्चुअल संवाद किया गया। वीडियो कान्फेसिंग की गई। यहीं नहीं बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नडडा ने भी इस माध्यम के जरिए भाजपा संगठन को मजबूत करने का काम किया।

चुनावी चौसर में बीजेपी का दांव रहा भारी

विधान सभा के उप चुनाव में बीजेपी ने 6 सीटों पर दोबारा भगवा लहराया तो एक सीट पर प्रमुख विपक्षी पार्टी सपा को सफलता हासिल हुई। कांग्रेस बांगरमऊ उन्नाव में तो बसपा बुलंदशहर और घाटमपुर में दूसरे स्थान पर रही, इस चुनाव में कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय चेतन चौहान की पत्नी संगीता चौहान नोगांव सदात अमरोहा, विधायक स्वर्गीय वीरेंद्र सिंह सिरोही की पत्नी उषा सिरोही बुलंदशहर से और पारसनाथ यादव के बेटे लकी यादव मल्हनी जौनपुर से चुनाव जीतकर विधान सभा की चौखट पर पहुंचे। नवंबर में ही राज्यसभा की दस सीटों के लिए चुनाव हुआ जिसमें राज्यसभा में बीजेपी की ताकत और बढ़ गई। इस चुनाव में बसपा अपने दांव से एक सीट पाने में कामयाब रही जबकि सपा को सिर्फ एक ही सीट मिल पाई। बसपा के एमजी गौतम तो सपा के प्रोफेसर रामगोपाल यादव उच्च सदन में पहुंचे। बीजेपी के केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, राष्ट्रीय महासचिव अरूण सिंह समेत आठ प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हुए। इस बीच कानपुर के एक चर्चित अपराधी के इंकाउटर के बाद संगठन पर सवाल खड़े होने लगे तो बीजेपी ने राज्यसभा चुनाव में सीमा द्विवेदी, बृजलाल और हरिद्वारा दुबे को भी उच्च सदन भेजकर जातीय समीकरण को संतुलित करने का पूरा प्रयास किया। इसके बाद दिसंबर में यूपी में शिक्षक निर्वाचन चुनाव हुआ जिसमें बीजेपी ने फिर विपक्ष को करारा जवाब दिया। इस चुनाव में यज्ञदत्त शर्मा और केदारनाथ सिंह जैसे दिग्गज नेताओं की हार के बाद भी बीजेपी का दबदबा कायम रहा। बीजेपी ने शिक्षक और स्नातक क्षेत्र की क्रमश: 6 और 5 सीटों में से 3-3 सीटों पर भगवा फहराया। साल के अंत तक यूपी में किसानों की नाराजगी दूर करने के लिए योगी सरकार से लेकर संगठन तक ने किसान संवाद किया। सीएम योगी ने किसान संवाद कार्यक्रम के जरिए केंद्रीय कृषि कानून का प्रसार किया।

दस जनपदों में खाद्य प्रसंस्करण के बारे में दिया जा रहा है प्रशिक्षण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के कुशल दिशा निर्देशन में शिक्षित बेरोजगारों को खाद्य प्रसंस्करण के बारे में दक्ष और सक्षम बनाने के लिये बेहतर प्रशिक्षण उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा दिया जा रहा है । उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार कैटरिंग संस्थानों एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को तकनीकी कर्मचारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शिक्षित बेरोजगार व्यक्तियों को प्रदेश के 10 बड़े नगरों .आगरा ,मेरठ, मुरादाबाद ,बरेली ,वाराणसी, कानपुर, झांसी ,प्रयागराज ,अयोध्या एवं गोरखपुर में स्थापित राजकीय खाद्य विज्ञान प्रशिक्षण केंद्रों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है । वर्तमान सरकार के कार्यकाल में अब तक 1 वर्षीय ट्रेड डिप्लोमा कोर्स,. खाद्य संरक्षण में 609, बेकरी एवं कन्फेक्शनरी ट्रेड डिप्लोमा में 596, पाक कला ट्रेड डिप्लोमा में 598 ,एक मासीय अंशकालीन बेकरी एवं कन्फेक्शनरी में 1029,एक मासीय अंशकालीन पाक कला में 858 , एक मासीय समेकित कुकरी बेकरी एवं कन्फेक्शनरी तथा खाद्य संरक्षण पाठ्यक्रम में 1597 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षित किया गया है।

मप्र में भोपाल को छोड़कर प्रदेश के सभी कोविड-19 केयर सेंटर बंद

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने भोपाल के एक कोविड-19 केयर सेंटर को छोड़कर प्रदेश के ऐसे सभी केन्द्रों को बंद कर दिया है। इस पर मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने सरकार की आलोचना की है, जबकि प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सरकार के इस निर्णय को सही ठहराया है। ये केन्द्र लक्षण रहित या बहुत हल्के लक्षणों वाले कोविड-19 के मरीजों के ठहरने एवं उपचार के लिए स्कूलों, कॉलेजों एवं लोगों के निजी भवनों में स्थापित किए गए थे। प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त निदेशक डॉ. वीना सिन्हा ने रविवार को बताया कि भोपाल के कोविड-19 केयर सेंटर को छोड़कर प्रदेश के समस्त कोविड केयर सेंटरों को बंद करने का यह आदेश 31 दिसंबर को राज्य के समस्त कलेक्टरों और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को जारी किया गया था। वर्तमान में अब केवल एक ही कोविड-19 केयर सेंटर चल रहा है और वह भोपाल में है। सिन्हा ने बताया कि प्रदेश में अब कोविड-19 के मरीज अपने ही घरों में पृथक-वास पर रह रहे हैं। इसलिए अब इनकी जरूरत नहीं रह गई है। कोविड-19 की वर्तमान स्थिति तथा अधिकतर कोविड केयर सेंटर में बहुत ही कम लोग आने के मद्देनजर नीतिगत निर्णय लेते हुए इन्हें बंद किया गया है। सिन्हा ने बताया कि भविष्य में कोविड-19 के मरीजों की संख्या में वृद्धि होने पर जिलों द्वारा कोविड केयर सेंटर खोले जाने की विशेष अनुमति राज्य स्तर से प्राप्त की जाएगी।

इस आदेश के आने के बाद मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए रविवार को ट्वीट किया, प्रदेश में कोरोना से मौतें जारी। संक्रमण का आँकड़ा प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। (मप्र) विधानसभा का सत्र तक कोरोना के भय से निरस्त और शिवराज सरकार ने भोपाल को छोड़कर प्रदेश के सभी कोविड केयर सेंटर बंद किए।

कमलनाथ के इस ट्वीट के जवाब में मुख्यमंत्री चौहान ने यहां मीडिया से कहा, कमलनाथ जी का काम ट्वीट करना रह गया है। क्या वह चाहते हैं कि कोविड केयर सेंटर हमेशा ही खुले रहें। कोविड पूरी तरह से नियंत्रण में है। पॉजिटिव मरीजों की संख्या काफी कम हुई है। जो कोरोना पॉजिटिव होते हैं उनके इलाज की पूरी व्यवस्था है। घर में पृथक-वास की भी व्यवस्था है। कभी जरूरत पड़ेगी तो फिर खोल देंगे। लेकिन खोलने के लिए खोलना, इसका कोई औचित्य नहीं है। चौहान ने कहा, कोरोना टीका का भोपाल में सफलतापूर्वक पूर्वाभ्यास (ड्राइ रन) हुआ है। कोविड का टीक लगाने की पूरी तैयारी मध्यप्रदेश सरकार की हैं।

पंजाब के जालंधर में छह साल की बच्ची के साथ बलात्कार, हत्या

चंडीगढ़। पंजाब के जालंधर जिले में शनिवार शाम से लापता छह साल की एक लड़की के साथ कथित तौर पर बलात्कार किया गया और फिर उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसका शव रविवार को जालंधर-होशियारपुर मार्ग पर स्थित एक गाँव में गन्ने के खेत में मिला। पीड़िता के माता-पिता बिहार के रहने वाले हैं और यहां मजदूरी करते हैं। उन्होंने शनिवार को अपनी लापता बच्ची के बारे में शिकायत दर्ज कराई। उनके घर के पास ही रहने वाले और उनके दूर के रिश्तेदार संतोष ने उन्हें बताया कि वह उसे बिस्कुट दिलाने के लिए साइकिल पर ले गया और बाद में उसे वापस घर पर छोड़ दिया था। पुलिस ने बताया कि जब बच्ची के माता-पिता ने आस-पास के इलाकों में उसे खोजना शुरू किया, तो संतोष फरार हो गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बाद में, परिवार ने संतोष के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

अरुणाचल प्रदेश के सुबनसिरी घाटी में सीडीएएस बिपिन रावत वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास भारत की सुरक्षा चौकियों का निरीक्षण करते हुए

पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन साइबर तकनीक से भर्ती करने में जुटे

श्रीनगर। भारतीय सुरक्षा बलों की कड़ी चौकसी के चलते पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी और आतंकवादी समूह अब साइबर और मोबाइल स्पेस में एप्लिकेशन का इस्तेमाल करते हुए जम्मू कश्मीर में भर्ती करने में जुट गए हैं। सुरक्षा बलों की चौकसी के कारण उनके लिए प्रत्यक्ष रूप से आमने-सामने संपर्क करना कठिन हो गया है। उन्होंने खुफिया सूचनाओं रिपोर्टों और तकनीकी निगरानी के हवाले से बताया कि नए लोगों को शामिल करने के लिए उनकी भावनाओं को भड़काने के वास्ते पाकिस्तान के आईएसआई हैंडलर सुरक्षा बलों द्वारा किए गए कथित अत्याचारों के फर्जी वीडियो का अक्सर इस्तेमाल करते हैं। इसके लिए झूठे विमर्श गढ़े जा रहे हैं। इससे पहले आतंकवाद समर्थक ए लोग आतंकवादी संगठनों में नए लोगों को शामिल करने के लिए उनसे भौतिक रूप से संपर्क साधते थे। लेकिन सुरक्षा एजेंसियों की चौकसी के बाद इन लोगों को अपने तौर-तरीके बदलने को मजबूर होना पड़ा।

सुरक्षा एजेंसियों द्वारा 2020 में 24 से अधिक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया गया और 40 से अधिक इस तरह के आतंकी समर्थकों या इनसे सहानुभूति रखने वालों की गिरफ्तारी हुई। पिछले महीने दो आतंकवादियों तवर वाघेई और अमीर अहमद मीर ने 34 राष्ट्रीय राइफल्स के समक्ष आत्मसमर्पण किया था। इन लोगों ने आतंकी माड्यूल्स में अपने शामिल होने के संबंध में गहन जानकारी दी जिससे पता चला था कि साइबर तकनीक का इस्तेमाल करते हुए बड़े पैमाने पर लोगों को शामिल किया जा रहा है। दोनों आतंकवादी फेसबुक के माध्यम से पाकिस्तान के एक हैंडलर के संपर्क में आए थे, जिसने उन्हें भर्ती होने के लिए राजी किया और एक भर्ती करने वाले के हवाले कर दिया जिसका नाम खालिद और मोहम्मद अब्बास शेख था। दोनों आतंकवादियों को यूट्यूब जैसे मंचों पर उपलब्ध विभिन्न लिंकों का इस्तेमाल करते हुए ऑनलाइन प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया था।

किन्नर अखाड़े को फर्जी बताए जाने के निर्णय से अखाड़ा परिषद में विवाद

हरिद्वार। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद की प्रयागराज में हुई बैठक में किन्नर अखाड़े को फर्जी बताए जाने के निर्णय से अखाड़ा परिषद में ही विवाद पैदा हो गया है। अखाड़ा परिषद के महामंत्री हरिगिरि महाराज ने यहां रविवार को इस निर्णय पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि किन्नर अखाड़े का साथ किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ा जाएगा और वह जूना अखाड़ा के साथ ही इस साल होने वाले हरिद्वार कुंभ में स्नान करेगा। यहां संवाददाताओं से बातचीत करते हुए हरिगिरि महाराज ने जोर देकर कहा, किन्नर अखाड़ा हमारा था, हमारा है और हमारा ही रहेगा, भले ही इसके लिए हमें अखाड़ा परिषद से निकाल दिया जाए। वह खुद महामंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे। वह भले ही अखाड़ा परिषद का हिस्सा ना रहें पर किन्नर अखाड़ा को नहीं छोड़ेंगे। हरिगिरि महाराज कहा कि उन्होंने किन्नर अखाड़ा को साथ स्नान का वचन दिया है। उनका काम वचन की रक्षा करना है। उन्होंने कहा कि उन्होंने साल 2010 में भी स्नान छोड़ दिया था और एक बार फिर संकल्प लेते हैं कि अगर पूरी जिंदगी भी कुम्भ स्नान का अवसर नहीं मिले तो कोई दु:ख नहीं होगा लेकिन वह पूरी तरह से किन्नर अखाड़े के साथ हैं।

जनरल रावत ने अरुणाचल के सीमावर्ती क्षेत्रों में सैन्य तैयारियों की समीक्षा की

भाषा। नई दिल्ली

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत ने रविवार को अरुणाचल प्रदेश के अपने दौरे के दूसरे दिन वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास कई अग्रिम अड्डों पर भारत की सुरक्षा तैयारियों का जायजा लिया। पूर्वी लद्दाख में चीन और भारत के बीच करीब आठ महीने से जारी गतिरोध के बीच उनका यह दौरा हो रहा है। जनरल रावत ने सुबनसिरी घाटी में सबसे अग्रिम चौकी पर तैनात सेना और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के जवानों के साथ बातचीत की। सेना के एक अधिकारी ने जनरल रावत के हवाले से कहा, सीडीएस ने कहा कि वह सभी स्तर के कर्मियों के उच्च मनोबल से संतुष्ट हैं, जो मौका दिए जाने पर या चुनौती मिलने पर जीत सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने स्थानीय रूप से विकसित प्रौद्योगिकी के माध्यम से निगरानी के अभिनव तरीके अपनाने और किसी चुनौती से निपटने की रक्षा तैयारियों के लिए सैनिकों की प्रशंसा की। सूत्रों ने कहा कि जनरल रावत ने अग्रिम ठिकानों पर सशस्त्र बलों की समग्र तैयारियों का जायजा लिया और उनसे चौकन्ना रहने को कहा।

सीडीएस ने शनिवार को अग्रिम क्षेत्रों में कुछ इलाकों का हवाई मुआयना किया और अनेक एयर बेस का भी दौरा किया। पूर्वी लद्दाख में गतिरोध के मद्देनजर चीन के साथ करीब 3,500 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सेना और वायु सेना उच्च स्तर की तैयारियां रख रही हैं। पूर्वी लद्दाख में अनेक पर्वतीय क्षेत्रों में भारतीय सेना के करीब 50,000 सैनिक तैनात हैं। मई में शुरू हुए गतिरोध के समाधान के लिए दोनों पक्षों के बीच अनेक दौर की वार्ता का कोई ठोस परिणाम नहीं निकला है।

चीन ने भी इतनी ही संख्या में सैनिक तैनात कर रखे हैं। छह नवंबर को दोनों पक्षों के बीच आठवें दौर की पिछली वार्ता हुई थी, जिसमें दोनों पक्षों ने टकराव वाले बिंदुओं से सैनिकों की वापसी पर व्यापक रूप से बातचीत की थी। जनरल रावत शुक्रवार को असम के चाबुआ में दिनजान वायु सेना केंद्र पहुंचे थे और दो दिन के दौरे पर शनिवार को अरुणाचल प्रदेश के लिए रवाना हुए। उनकी अरुणाचल प्रदेश की यात्रा भारत के पहले सीडीएस के रूप में उनके कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होने के मौके पर हो रही है।

क्विक न्यूज

निम्न रक्त शर्करा के कारण केंद्रीय मंत्री सदानंद गौड़ा बेहोश हुए, अस्पताल में भर्ती

बेंगलुरू। केंद्रीय मंत्री डी. वी. सदानंद गौड़ा रविवार को शिवमोगा से बेंगलुरू आते समय चित्रदुर्ग में निम्न रक्त शर्करा के कारण बेहोश हो गए और उन्हें यहां के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह जानकारी आधिकारिक सूत्रों ने दी। उन्होंने बताया कि गौड़ा (67) की हालत स्थिर है और उनका अस्पताल में इलाज जारी है। मंत्री को पहले चित्रदुर्ग के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया और बाद में शून्य यातायात प्रबंधन कर उन्हें एंबुलेंस के माध्यम से यहां के एक निजी अस्पताल में लाया गया। शून्य यातायात प्रबंधन के तहत अन्य वाहनों को अस्थाई रूप से रोक कर वीवीआईपी के काफिले को गुजारा जाता है। गौड़ा राज्य भाजपा की एक बैठक में शामिल होने के बाद शिवमोगा से बेंगलुरू आ रहे थे। सूत्रों ने बताया कि चित्रदुर्ग में पार्टी कार्यकर्ताओं एवं नेताओं का अभिवादन करने के बाद वह बेहोश हो गए। वह वहां दोपहर के भोजन के लिए एक होटल में ठहरे थे। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री गौड़ा को तुरंत चित्रदुर्ग के बासावेश्वर चिकित्सा कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया। वहां उपचार के बाद वह ठीक हो गए और भाजपा नेताओं तथा परिवार के सदस्यों से फोन पर बात की। इसके बाद उन्हें बेंगलुरू के अस्पताल में भर्ती कराया गया। गौड़ा के बेटे कार्तिक ने संवाददाताओं से कहा, ... निम्न रक्त शर्करा के कारण ऐसा हुआ... वह अब ठीक है।

महाराष्ट्र से सैकड़ों किसान एवं विद्यार्थी दिल्ली के लिए रवाना

नागपुर। महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों से सैकड़ो किसान, विद्यार्थियो एवं अलग- अलग क्षेत्रों के लोग रविवार शाम को नागपुर से दिल्ली के लिए रवाना हुए। ए लोग कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग को लेकर एक महीने से अधिक समय से राष्ट्रीय राजधानी की सीमाओं पर डेरा डाले कृषकों का साथ देगे। किसान सभा के एक नेता ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पूर्वी महाराष्ट्र एवं मराठवाड़ा में जिन किसानों ने कर्ज या अन्य संबंधित मुद्दों के कारण खुदकुशी कर ली, उनकी विधवाएं भी इस चलो दिल्ली वाहन मार्च में शामिल है। दिन में कोल्हापुर, सांगली, सतारा, नासिक, औरंगाबाद और अहमदनगर एवं अन्य जिलों के युवक एवं अन्य पेशों के लोग महाराष्ट्र राज्य किसान सभा के तत्वाधन में नागपुर में इक्ट्ठा हुए। उन्होंने दोपहर को मार्च निकाला एवं शाम को संविधान चौक पर उनकी सभा हुई। किसान सभा के नागपुर जिला सचिव अरुण वानकर ने कहा, ए किसान और अन्य लोग बसों, चार पहिया गाड़ियों समेत 40 वाहनों में दिल्ली रवाना हुए। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र राज्य किसान सभा के करीब 800 सदस्य भी प्रदर्शनकारी किसानों का साथ देने के लिए दिल्ली जा रहे है। हम उन किसानों का साथ देना चाहते हैं जो तीन कृषि कानूनों के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे है। ए तीनों कानून केंद्र सरकार ने तानाशाही तरीके से संसद से पारित कराए।

मंत्री राजीव बनर्जी सड़क हादसे में बाल-बाल बचे

कोलकाता। कोलकाता के कस्बा क्षेत्र में एक मिनी ट्रक ने रविवार को पश्चिम बंगाल के मंत्री राजीव बनर्जी की कार को टक्कर मार दी। हादसे में वह बाल-बाल बच गए। पुलिस ने बताया कि वन मंत्री घायल नही हुए हैं, लेकिन उनका चालक मामूली रूप से घायल हुआ है। मिनी ट्रक के चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। बनर्जी ने पत्रकारों को बताया कि उनकी कार रासबिहारी कनेक्टर से रूबी क्रॉसिंग की ओर जा रही थी कि इसी दौरान पत्थरों से लदा एक मिनी ट्रक अचानक दाईं ओर मुड़ा और उनके वाहन को टक्कर मार दी, जिससे उनकी कार क्षतिग्रस्त हो गई। उन्होंने बताया, मैंने ट्रक को रोका और पुलिस को सूचना दी। चालक को हिरासत में ले लिया गया है। उसने हमारे सामने दावा किया कि वाहन का ब्रेक फेल हो गया था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि लापरवाही से वाहन चलाने के आरोप में चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है और वाहन को जब्त कर लिया गया है।

छत्तीसगढ़ में प्रायोगिक आधार पर शुरू होगी सेब की खेती

जशपुर। काजू, मिर्च, आलू और अन्य नक्दी फसलों की खेती के लिए पहचाने जाने वाले छत्तीसगढ़ के आदिवासी बहुल जशपुर जिले में अब प्रायोगिक आधार पर सेब की खेती की जाएगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि यह प्रायोगिक खेती यहां से लगभग 70 किलोमीटर दूर स्थित पंद्रापथ में 10 एकड़ सरकारी भूमि पर की जाएगी और परिणामों के आधार पर खेती का विस्तार किया जा सकता है। जशपुर के जिलाधिकारी महादेव कावरे ने बताया, समुद्र तल से लगभग 1200 मीटर की ऊंचाई पर पहाड़ियों में बसे पंद्रापथ की कृषि-जलवायु की स्थिति सेब की कुछ किस्मों को उगाने के लिए अनुकूल है। उन्होंने कहा, पड़ोसी जिले सरगुजा के मैनपाट में सेब की इस किस्म की खेती के अच्छे परिणामों को देखते हुए, हमने इसे यहां दोहराने का फैसला किया है जहां की भू-जलवायु परिस्थितियां पंद्रापथ के ही समान हैं। बागवानी परियोजना के तहत, जिला प्रशासन पंद्रापथ में 100 एकड़ में फैला हुआ एक हरा-भरा पार्क विकसित कर रहा है, जहां सेब के साथ नाशपाती, लीची, सब्जियां आदि उगाई जाएंगी। उन्होंने कहा, हम जनवरी के अंत में सेब के 1600 पौधे लगाएंगे और प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद महिला स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) को भी खेती में शामिल किया जाएगा। इस परियोजना के लिए 22 लाख रुपए का फंड रखा गया है।

अमृतसर में कृषि सुधार कानून के विरोध में उतरे किसानों के समर्थन में आंदोलन के दौरान उनके परिवार के सदस्यों के साथ छात्रों ने दिया धरना।

चावल मिल मालिकों ने धान के आयात पर पाबंदी हटाने की मांग की

गोंडिया (महाराष्ट्र)। महाराष्ट्र के गोंडिया जिले में चावल मिल मालिकों ने आरोप लगाया है कि अन्य राज्यों से धान की ढुलाई पर रोक लगाने के जिला प्रशासन के कदम से कारोबार प्रभावित हुआ है और यह किसान उपज व्यापार एवं वाणिज्य अधिनियम, 2020 के प्रावधानों का उल्लंघन भी है। इन आरोपों का खंडन करते हुए जिले के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि धान के आयात पर पाबंदी स्थानीय किसानों के हितों की रक्षा एवं मुनाफाखोरी रोकने के लिए लगाई गई है।

अधिकारी ने महाराष्ट्र सरकार के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्रालय की ओर से अन्य राज्यों से गोंडिया में धान की ढुलाई पर पाबंदी लगाते हुए जारी किए गए आदेश का हवाला दिया। पूर्वी महाराष्ट्र में गोंडिया, भंडारा, गढ़चिरौली, चंद्रपुर और नागपुर जिले बड़े धान उत्पादक क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। इन जिलों में करीब 700 चावल मिलें चल रही हैं और हजारों लोग अपनी आजीविका के लिए इन मिलों पर आश्रित हैं।

महाराष्ट्र सरकार आम श्रेणी के चावल के लिए 1868 रूपए प्रति क्विंटल का न्यूनतम समर्थन मूल्य दे रही है और उसने प्रति क्विंटल पर 700 रूपए के बोनस की भी घोषणा की है। इस तरह प्रति क्विंटल चावल का दाम 2,568 रूपए हो जाता है। उसके विपरीत उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्यप्रदेश में धान की दर कम है, ऐसे में गोंडिया और उसके आसपास के जिलों के मिल मालिक सस्ते दाम पर इन राज्यों से धान खरीद रहे हैं और मुनाफा कमाने के लिए किसानों के नाम पर खरीद केंद्रों पर उसे बेच दे रहे हैं। इस बीच खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के आदेश के बाद गोंडिया जिले की सीमाओं पर धान से लदे सैंकड़ों ट्रक रोक दिए गए हैं। राइस मिलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक अग्रवाल ने आरोप लगाया है कि जिला प्रशसन ने इस पाबंदी आदेश की गलत व्याख्या की है।

केरल में तीन जंगली हाथियों की मौत

कोझिकोड (केरल)। केरल के तीन क्षेत्रों से तीन जंगली हाथियों की मौत हो जाने की खबर रविवार को सामने आई। उनमें एक शावक हाथी शामिल है। वन अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार दो हाथियों की मौत कथित रूप से दुर्घटनाओं में हुई जबकि शावक हाथी के आसपास बहुत सारे हाथियों के मौजूद रहने के कारण उसका परीक्षण नहीं हो पाया। अधिकारियों के अनुसार रविवार सुबह 20 साल की एक हथिनी की मौत हो गई। कई घंटे पहले उसे कुएं से निकाला गया था। वह तीन दिन पहले कुएं में गिर गई थी। खेत में स्थित कुएं का उपयोग नहीं होता था। कोझिकोड जिले में इस हथिनी को दिन भर की लंबी मशक्कत के बाद शनिवार रात को बाहर निकाला गया था। वन अधिकारियों ने इस काम में खुदाई मशीनों की मदद ली थी। एक वन अधिकारी ने बताया कि जब उसे बाहर निकाला गया तब वह बहुत कमजोर थी। एक अन्य घटना में रविवार सुबह निलाम्बुर में वन से सटे खेत में 20 वर्षीय एक हाथी मरा मिला। एक वन अधिकारी ने कहा, हमें संदेह है कि उसे बिजली का करंट लग गया। वह निलाम्बुर में कालीकावू वनक्षेत्र के चाक्कुकुझी में एक खेत में मरा मिला। एक अन्य घटना में वायनाड वन्यजीव अभयारण्य में एक शावक हाथी मरा मिला। एक वन्यजीव अधिकारी ने बताया कि यह मामला वायनाड जिले के कुरिचियाट वनक्षेत्र का है। उन्होंने कहा, हमारे अधिकारी मृत शावक हाथी के आसपास हाथियों के झुंड के मौजूद होने की वजह से वहां नहीं पहुंच पाए।

प्रसार भारती के डिजिटल चैनलों ने 2020 में 100 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की

नई दिल्ली। प्रसार भारती के डिजिटल चैनलों ने 2020 में 100 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की है तथा दूरदर्शन (डीडी) और आकाशवाणी (एआईआर) के लिए पाकिस्तान दूसरा सबसे बड़ा डिजिटल दर्शक रहा। यह जानकारी सरकार की ओर से रविवार को दी गई। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने कहा कि दूरदर्शन और आकाशवाणी के चैनलों को वर्ष भर में एक अरब से अधिक बार डिजिटल तरीके से देखा गया और इस दौरान इन्हें डिजिटल तरीके से करीब छह अरब मिनट देखा गया। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, दिलचस्प बात है कि 2020 के दौरान भारत के घरेलू दर्शकों के बाद डीडी और आकाशवाणी की सामग्री के लिए दूसरे सबसे अधिक डिजिटल दर्शक पाकिस्तान के रहे। पाकिस्तान के बाद अमेरिका का स्थान रहा। इसमें कहा गया है कि 2020 के दौरान प्रसार भारती के मोबाइल एप्लिकेशन न्यूजऑनएयर के उपयोगकर्ताओं की संख्या में 25 लाख से अधिक की बढ़ोतरी हुई और इस मंच को 30 करोड़ से अधिक व्यूज मिले। इसमें कहा गया है कि लाइव रेडियो प्रसारण सबसे लोकप्रिय रहा। डीडी नेशनल और डीडी न्यूज के अलावा, प्रसार भारती के शीर्ष 20 डिजिटल चैनलों में डीडी सह्याद्री से मराठी समाचार, डीडी चंदना पर कन्नड़ कार्यक्रम, डीडी बांग्ला से बांग्ला समाचार और डीडी सप्तगिरी पर तेलुगु कार्यक्रम शामिल हैं।

बयान में कहा गया, डीडी स्पोर्ट्स और आकाशवाणी स्पोर्ट्स ने लाइव कमेंट्री के साथ डिजिटल दर्शकों और श्रोताओं की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज की है। वहीं प्रसार भारती आर्काईव्स और डीडी किसान ने अच्छा डिजिटल प्रदर्शन किया और वे शीर्ष 10 में शामिल हैं। मंत्रालय ने पूर्वोत्तर से खबरों के लिए पर्याप्त डिजिटल दर्शक संख्या को रेखांकित करते हुए कहा कि आकाशवाणी समाचार की पूर्वोत्तर सेवा भी शीर्ष 10 में शामिल है तथा इसने 1,00,000 सब्सक्राइबर के डिजिटल मील के पत्थर को पार कर लिया है।

बयान में कहा गया है, 2020 के दौरान सबसे लोकप्रिय डिजिटल वीडियो में स्कूली छात्रों के साथ प्रधानमंत्री का संवाद, गणतंत्र दिवस परेड 2020 और डीडी नेशनल आर्काइव्स से शंकुतला देवी का दुर्लभ वीडियो शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि संस्कृत भाषा सामग्री के लिए समर्पित प्रसार भारती यूट्यूब चैनल 2020 में शुरू किया गया था, जिसमें डीडी-एआईआर राष्ट्रव्यापी नेटवर्क के लिए संस्कृत भाषा में तैयार सामग्री अपलोड की जाती है। बयान में कहा गया है, मन की बात और ट्विटर हैंडल ने 2020 में तेज वृद्धि दर्ज की है, जिसमें मन की बात अपडेट ट्विटर हैंडल के अब 67 हजार से अधिक फॉलोअर हैं। यूट्यूब चैनल में मन की बात के विभिन्न एपिसोड के क्षेत्रीय भाषा संस्करण हैं। इसमें कहा गया है, अब हजारों घंटे की शैक्षिक सामग्री विभिन्न भारतीय भाषाओं में हमारे यूट्यूब चैनलों पर उपलब्ध है।

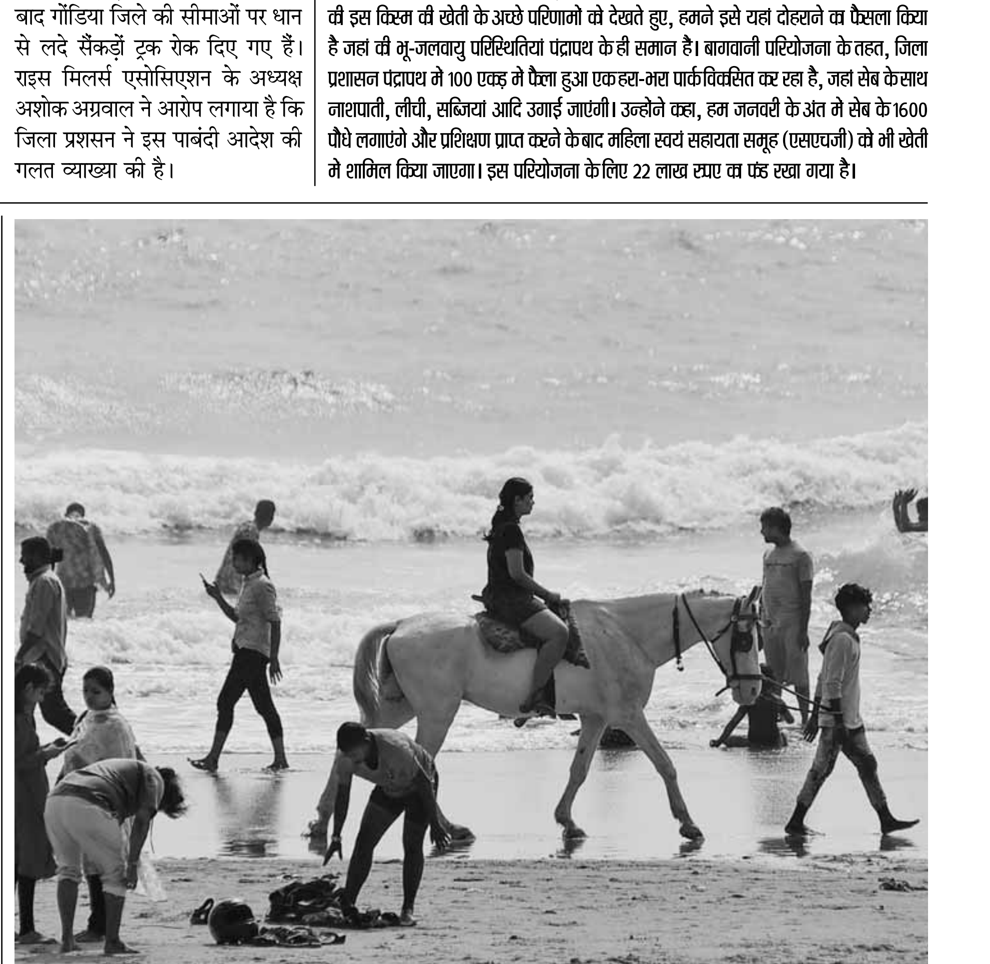

विशाखापट्टनम में कोरोना महामारी के बीच आरके समुद्र तट की यात्रा के दौरान घुड़सवारी करती हुई महिला।

शिवराज सिंह ने किया मंत्रिमंडल का विस्तार

भाषा। भोपाल

मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली भाजपा नीत सरकार के मंत्रिमंडल का बहुप्रतिक्षित विस्तार रविवार को किया गया, जिसमें भाजपा नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थक दो विधायकों को कैबिनेट मंत्री के तौर पर शपथ दिलाई गई।

मंत्रिमंडल के इस तीसरे विस्तार में तुलसीराम सिलावट एवं गोविन्द सिंह राजपूत को फिर से मंत्री बनाया गया। ए दोनों चौहान के मंत्रिमंडल में पहले भी कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंत्रिमंडल विस्तार के लिए यहां राजभवन के सांदीपनि सभागार में आयोजित संक्षिप्त समारोह में इन दोनों को मंत्री पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इन दोनों को पिछले साल 21 अप्रैल को भी मंत्रिमंडल में शामिल किया गया था, लेकिन तब वे विधायक नहीं थे। कोरोना वायरस

● सिंधिया के दो समर्थकों को किया शामिल

महामारी के कारण तीन नवंबर से पहले विधानसभा सीटों के उपचुनाव नहीं हो पाए थे, इसके चलते उन्हें पिछले साल तीन नवंबर में हुए 28 विधानसभा सीटों के उपचुनाव से ठीक पहले संवैधानिक बाध्यता के कारण मंत्री के तौर पर छह माह पूरे होने से एक दिन पहले अक्टूबर में इस्तीफा देना पड़ा था। पिछले साल तीन नवंबर को हुए उपचुनाव में अपनी-अपनी सीट जीतकर अब ए दोनों विधायक बन गए हैं और इसलिए इन्हें फिर से मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। इसी के साथ पिछले साल मार्च में कमलनाथ की पूर्व सरकार गिराने वाले 22 बागियों में 11 बागियों को मंत्रिमंडल में जगह मिल गई है। इनमें से अधिकांश सिंधिया का समर्थन करने वाले नेता

हैं। शपथ ग्रहण समारोह में कोविड-19 को लेकर दिशा-निर्देशों का पालन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री चौहान, प्रदेश विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा एवं कई अन्य मंत्री मौजूद थे।

मध्यप्रदेश की 28 विधानसभा सीटों पर तीन नवंबर को हुए उपचुनाव के 11 नवंबर को परिणाम आने के बाद से ही इस मंत्रिमंडल के विस्तार की चर्चा राजनीतिक गलियारों में चल रही थी। कुल 230 सदस्ईय मध्यप्रदेश विधानसभा में मंत्रिपरिषद में कुल 35 सदस्य हो सकते हैं। इन दो मंत्रियों का मंत्रिमंडल में शामिल करने के बाद मध्यप्रदेश मंत्रिपरिषद में मुख्यमंत्री चौहान सहित कुल 31 सदस्य हो गए हैं। पिछले साल तीन नवंबर को हुए उपचुनाव में भाजपा ने 28 में से 19 सीटें जीती थी, जबकि मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को मात्र नौ सीटें मिली।

इससे 230 सदस्यों के सदन में भाजपा की सीटें बढ़कर 126 हो गई, जबकि कांग्रेस विधायकों की संख्या 96 पहुंच गई। इनके अलावा, मध्यप्रदेश विधानसभा में बसपा के दो विधायक, सपा का एक और चार निर्दलीय विधायक हैं, जबकि एक सीट खाली है। जिन 28 सीटों पर उपचुनाव हुए थे, इनमें से अधिकांश सीटें कांग्रेस विधायकों द्वारा इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल होने से खाली हुई थी। इस उपचुनाव में तीन मंत्री एदल सिंह कंषाना, इमरती देवी एवं गिर्राज दंडोतिया चुनाव हार गए, जिसकी वजह से उन्हें अपने मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा। ए तीनों भी कांग्रेस विधायकी छोड़कर भाजपा में आए थे। भाजपा के कुछ वरिष्ठ विधायकों एवं सिंधिया खेमे के कुछ अन्य विधायकों को उम्मीद थी, इनके स्थान पर उन्हें भी इस विस्तार में मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा।

लेकिन, पार्टी में सिंधिया समर्थित विधायकों एवं भाजपा के अन्य विधायकों के बीच चल रहे खींचतान के चलते चौहान ने केवल उन दो को ही मंत्रिमंडल में आज जगह दी, जो पहले भी उनके मंत्रिमंडल में मंत्री रह चुके थे। इससे मंत्री पद की आस में लगे कई वरिष्ठ विधायकों के मंसूबे पर फिलहाल पानी फिर गया। मालूम हो कि चौहान ने 23 मार्च को अकेले मुख्यमंत्री की शपथ ली थी और कोरोना वायरस महामारी और लॉकडाउन के बीच मुख्यमंत्री चौहान ने 29 दिन तक अकेले ही सरकार चलाते रहे। बाद में 21 अप्रैल को और दो जुलाई को चौहान ने अपने मंत्रिपरिषद का विस्तार किया था।

भोपाल में रविवार को मध्य प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ नवप्रोन्नत कैबिनेट मंत्री तुलसीराम सिलावट (बाएं) और गोविंद राजपूत (दाएं) ने राजभवन में सामूहिक फोटो खिंचवाई।

औरंगाबाद को पहले अन्य नामों से भी पुकारा जाता था: इतिहासकार

भाषा। औरंगाबाद (महाराष्ट्र)

औरंगाबाद का नाम बदलकर संभाजीनगर करने की शिवसेना की मांग को लेकर महाराष्ट्र में एक साल पुरानी महा विकास अघाड़ी सरकार के बीच मतभेद की स्थिति पैदा होने के बीच इतिहासकारों का कहना है कि शहर को अतीत में कई अन्य नामों से भी जाना जाता रहा है।

इतिहासकार डॉ दुलारी कुरैशी ने पीटीआई-भाषा से कहा कि शहर का अतीत में राज तडाग, खड़की और फतेहनगर नाम भी रहा है। उन्होंने कहा कि कान्हेरी गुफाओं में एक शिलालेख है, जिसमें शहर को राज तडाग (शाही झील) कहे जाने का उल्लेख है। द आइकोनोग्राफ़ी ऑफ़ द बुद्धिस्ट स्कल्प्चर्स ऑफ़ एलोरा नामक पुस्तक में इसके लेखक डॉ. रमेश शंकर गुप्ते ने भी उल्लेख किया है कि इस शहर को पहले राज तडाग कहा जाता था। इस नाम का इस्तेमाल 10वीं शताब्दी तक किया जाता रहा और पहले के व्यापार मार्गों में भी इस नाम का उल्लेख मिलता है।

उज्जैन-टेर व्यापार मार्ग महेश्वर, बुरहानपुर, अजंता, भोकरदान, राज तडाग, प्रतिष्ठान (पैठण) और उस्मानाबाद जिले के टेर से गुजरता था। इतालवी लेखक पिया ब्रांकासियो ने बुद्धिस्ट केव्स ऐट औरंगाबाद: ट्रांसफॉर्मेशन इन आर्ट एंड रिलीजन नामक पुस्तक में कहा है कि 10 वीं शताब्दी में राज तडाग कपास के सामान के लिए प्रसिद्ध था। कुरैशी ने कहा कि शहर को उस समय खड़की के नाम से भी जाना जाता था, जब 400 साल पहले मलिक अंबर सिद्दी सैन्य शासक थे। खड़की नाम इस जगह के चट्टानी इलाके को दर्शाता है। इतिहासकार रफ़त कुरैशी ने कहा कि वर्तमान औरंगाबाद का नाम औरंगज़ेब काल के दौरान खुजस्ता बुनियाद (शुभ नींव) भी रखा गया था लेकिन यह नाम थोड़े समय के लिए ही था। बाद में औरंगज़ेब ने शहर का नाम अपने नाम पर रखा और इसे 1653 से औरंगाबाद के रूप में जाना जाता है।

डॉ. बाबासाहेब आम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय के इतिहास और प्राचीन भारतीय संस्कृति विभाग की पूर्व प्रमुख डॉ. पुष्पा गायकवाड़ ने कहा कि शहर की पहचान को उसका नाम बदलकर नहीं बदला जा सकता। गायकवाड़ ने कहा कि प्रसिद्ध है और लोग नाम बदलने के बाद भी इसे इसी नाम से पहचानेंगे। दुनिया इसे इसके वर्तमान नाम से जानती है।

सौरव गांगुली की हालत स्थिर

● एक और एंजियोप्लास्टी के बारे में जल्द होगा फैसला: चिकित्सक

भाषा। कोलकाता

दिल का हल्का दौरा पड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराए गए बीसीसीआई अध्यक्ष एवं भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का उपचार कर रहे चिकित्सकों ने रविवार को कहा कि उनके स्वास्थ्य संबंधी मानक सामान्य हैं तथा उनकी हालत स्थिर है। शनिवार को गांगुली की एंजियोप्लास्टी हुई थी। उनके हृदय की तीन धमनियों में अवरोध पाया गया था, जिनमें से एक में स्टेंट लगाया गया था। गांगुली जिस अस्पताल में भर्ती हैं, वहां से जारी बुलेटिन में कहा गया, बीती रात उनकी सामान्य रही और उन्हें बुखार नहीं है। वह अभी सो रहे हैं। इसमें बताया कि गांगुली का रक्तचाप 110/70 है तथा उनके शरीर में ऑक्सीजन का स्तर 98 फीसदी है। चिकित्सकों ने कहा कि गांगुली की स्थिति को देखने के बाद उनकी एक और एंजियोप्लास्टी करने के बारे में फैसला लिया जाएगा। अस्पताल के प्रवक्ता ने एक सवाल के जवाब में कहा कि मेडिकल बोर्ड बायपास सर्जरी के विकल्प के बारे में विचार नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि आगे के उपचार के बारे में हमारी विशेषज्ञ समिति कल फैसला लेगी। गांगुली का उपचार कर रहे चिकित्सकों में से एक ने संवाददाताओं से कहा, सुबह उन्होंने नाश्ता किया, अखबार पढ़े और अस्पताल के कर्मियों से बात की।

भूख, कोविड जैसी तमाम परेशानियों को मात देकर 19 गरीब छात्र डॉक्टर बनने की राह पर अग्रसर

भाषा। भुवनेश्वर

गरीब परिवारों में जन्म लेने वाले कुछ छात्र अपने भविष्य को लेकर चिंतित थे लेकिन नियति ने उनके लिए कुछ और ही तय कर रखा था। ओडिशा के ऐसे ही 19 छात्र अब भूख, गरीबी और कोविड जैसी तमाम परेशानियों को मात देकर डॉक्टर बनने की दिशा में अग्रसर हैं।

इन छात्रों ने एक एनजीओ की सहायता से चिकित्सा क्षेत्र में जाने के लिए जी-तोड़ मेहनत की और अब ए सभी 2020 में नीट परीक्षा पास कर विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में दाखिला पा चुके हैं। ओडिशा के एक धर्मार्थ समूह ने इन 19 गरीब छात्रों के डॉक्टर बनने के सपने को वास्तविकता में तब्दील करने में सहायता उपलब्ध कराई, जिसके सभी अभ्यर्थियों ने गत अक्टूबर में राष्ट्रीय पात्रता एवं प्रवेश परीक्षा (नीट) में सफलता हासिल की। इन छात्रों में से किसी के अभिभावक दिहाड़ी मजदूर हैं तो किसी के पिता सब्जी विक्रेता, ट्रक चालक, मछुआरे या इडली-वड़ा बेचने वाले हैं। इन सभी मेधावी छात्रों को प्रशिक्षित करने में सबसे अहम भूमिका शिक्षाविद अजय बहादुर सिंह की है जो अपने एनजीओ के माध्यम से जिंदगी कार्यक्रम के जरिए गरीब छात्रों के सपनों को सच कर रहे हैं अजय अपने बचपन में गरीबी एवं अन्य मजबूरियों के चलते डॉक्टर बनने का सपना पूरा नहीं कर सके थे।

बिहार के गणितज्ञ आनंद कुमार के सुपर-30 की तरह ही ओडिशा के अजय की कहानी भी कम दिलचस्प नहीं है। आनंद भी आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को इंजीनियर बनने में सहायता उपलब्ध कराते हैं। सफलता प्राप्त करने वाले मेडिकल अभ्यर्थियों का कहना है कि उन्होंने सपने में भी नहीं सोचा था कि एक दिन कामयाबी का यह दिन उन्हें देखने को मिलेगा।

वे अजय बहादुर सिंह की दरियादिली का आभार जताते हुए कहते हैं कि उन्होंने ना केवल आर्थिक रूप से बल्कि मानसिक रूप से भी कामयाबी के लिए प्रोत्साहित किया। ओडिशा के दूर-दराज के क्षेत्रों से आने वाली खिरोदिनी साहू, रोशन पाइक, सत्यजीत साहू और देबाशीष बिस्वाल की कहानी संघर्षों से भरी है, जिनके परिवार दो जून की रोटी के लिए रोजाना जद्दोजहद करते हैं। खेतों में अपने माता-पिता की मदद करने वाली खिरोदिनी साहू ने कहा, मेरा यह जीवन अजय सर के लिए समर्पित है।

भाजपा को संगठित करने के लिए पूरे कर्नाटक की यात्रा करेंगे एदियुरप्पा

भाषा। बेंगलुरु

कर्नाटक के सीएम बीएस एदियुरप्पा ने रविवार को कहा भाजपा ने अगले विधानसभा चुनाव में 140 से 150 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है और वह इसे हासिल करने के लिए पार्टी को संगठित करने के वास्ते जल्द ही पूरे राज्य का दौरा करेंगे। भाजपा ने एक विज्ञप्ति में एदियुरप्पा के हवाले से कहा गया है कि अगले विधानसभा चुनाव में 140 -150 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा, मैं पार्टी को इसके लिए संगठित करने के वास्ते जल्द ही राज्यव्यापी यात्रा करूंगा। मुख्यमंत्री ने यह बात शिवमोगा में भाजपा की राज्य इकाई की विशेष बैठक में यह बात कही। बैठक में कर्नाटक के प्रभारी महासचिव अरुण सिंह, राज्य इकाई के अध्यक्ष नलिन कुमार कतील, केन्द्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और सदानंद गौड़ा और राष्ट्रीय महासचिव सीटी रवि समेत कई अन्य नेता मौजूद थे। कर्नाटक में अगले विधानसभा चुनाव साल 2023 में होने हैं। साल 2018 के विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा को 104, कांग्रेस को 78 और जद(एस) को 37 सीटों पर जीत हासिल हुई थी।

जम्मू-कश्मीर में बलि का बकरा बन गए हैं मुख्यधारा के राजनीतिक दल: महबूबा

भाषा। श्रीनगर

केंद्र सरकार पर जम्मू कश्मीर के मुख्यधारा के राजनीतिक दलों को दबाने का आरोप लगाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने रविवार को कहा कि दु:ख की बात है कि ए दल बलि का बकरा बन गए हैं और हर कोई उन पर ठीकरा फोड़ रहा है।

पीडीपी नेता ने कहा कि इन सबके बावजूद वे संविधान के अनुच्छेद 370 की बहाली के लिए एक लंबी और कठिन राजनीतिक लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हैं जिसे गैरकानूनी तरीके से हटाया गया था।

महबूबा ने कहा, दु:ख की बात है कि मुख्यधारा बलि का बकरा बन गई है और सब उस पर ठीकरा फोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, सच यह है कि हम अपना पूरा राजनीतिक जीवन दिल्ली की तरफ से लग रहे पाकिस्तान समर्थक होने के आरोपों और कश्मीर से भारत विरोधी तथा कश्मीर विरोधी होने के आरोपों से लड़ते हुए बिता देंगे। महबूबा ने यहां पीटीआई भाषा को दिए साक्षात्कार में इस बात पर जोर दिया कि पीडीपी और गुपकर गठबंधन बनाने वाले मुख्यधारा के छह अन्य दलों ने केवल लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीकों से पूर्ववर्ती राज्य के विशेष दर्जे को बहाल कराने के लिए लड़ने का संकल्प लिया था लेकिन भारत सरकार हमें अब भी दबा रही है और असंतोष के स्वरों को अपराध की तरह दिखा रही है।

मोहम्मद रफीक ने मप्र. उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की शपथ ली

भोपाल। न्यायमूर्ति मोहम्मद रफीक ने रविवार को मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के 26वें मुख्य न्यायधीश की शपथ ली। मध्यप्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने उन्हें यहां राजभवन के सांदीपनि सभागार में आयोजित समारोह में पद की शपथ दिलाई। रफीक को उड़ीसा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से स्थानांतरित कर 31 दिसंबर को मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय का नया मुख्य न्यायाधीश बनाया गया है।

अब देश के 25 में से 24 उच्च न्यायालय में है नियमित मुख्य न्यायाधीश

भाषा। नई दिल्ली

पिछले सप्ताह चार न्यायाधीशों की पदोन्नति के बाद अब देश के 25 में से 24 उच्च न्यायालय में नियमित मुख्य न्यायाधीश पदस्थ हैं। उच्चतम न्यायालय की कोलेजियम ने हाल ही में पांच न्यायाधीशों को विभिन्न उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीश के तौर पर पदोन्नत करने की सिफारिश की थी। सरकारी सूत्रों ने बताया कि इनमें से चार न्यायाधीशों को पदोन्नत किया जा चुका है जबकि उत्तराखंड उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की फाइल प्रक्रियाधीन है। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया को गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के तौर पर पदोन्नत करने की सिफारिश की गई है। गौरतलब है कि कुछ उच्च न्यायालय कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश के अधीन कार्य कर रहे थे। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एस मुरलीधर को ओडिशा उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। दिल्ली उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति हिमा कोहली को तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के तौर पर पदोन्नत किया गया है।

पेज 1 का शेष

कोवैक्सीन व...

बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि इससे कोविड मुक्त भारत की मुहिम को बल मिलेगा। मोदी ने ट्वीट किया कि वैश्विक महामारी के खिलाफ भारत की जंग में एक निर्णायक क्षण। सीरम इंस्टिट्यूट और भारत बायोटक के टीकों को डीसीजीआई की मंजूरी से एक स्वस्थ और कोविड मुक्त भारत की मुहिम को बल मिलेगा। इस मुहिम में जी-जान से जुटे वैज्ञानिकों-अन्वेषकों को शुभकामनाएं और देशवासियों को बधाई। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में लिखा कि यह गर्व की बात है कि जिन दो वैक्सीन के इमरजेंसी इस्तेमाल को मंजूरी दी गई है, वे दोनों मेड इन इंडिया हैं। यह आत्मनिर्भर भारत के सपने को पूरा करने के लिए हमारे वैज्ञानिक समुदाय की इच्छाशक्ति को दर्शाता है। आत्मनिर्भर भारत, जिसका आधार है- सर्वे भवन्तु सुखिन: सर्वे सन्तु निरामया। मोदी ने वायरस के खिलाफ लड़ाई में देश के अग्रिम मोर्चे के कर्मियों को सलाम किया। स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने इसे कोविड-19 के खिलाफ भारत की लड़ाई में निर्णायक क्षण बताया। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भी टीकों को मंजूरी मिलने का स्वागत करते हुए कहा कि इससे इस क्षेत्र में महामारी के खिलाफ लड़ाई को तेज और मजबूत करने में मदद मिलेगी। डब्ल्यूएचओ की दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र की क्षेत्रीय निदेशक, डॉ. पूनम खेत्रपाल सिंह ने कहा कि कोविड-19 के प्रभाव को कम करने के लिए प्राथमिकता वाली आबादी में टीकों का इस्तेमाल तथा अन्य जन स्वास्थ्य उपायों के सतत क्रियान्वयन के साथ सामुदायिक सहभागिता महत्वपूर्ण होगी। सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ आदर पूनावाला ने ट्वीट किया कि कोविशील्ड, भारत के पहले कोविड-19 रोधी टीके को मंजूरी मिल गई, यह सुरक्षित तथा प्रभावी है और आगामी दिनों में उपयोग के लिए तैयार है। मीडिया में जारी किए गए वक्तव्य में सोमानी ने कहा कि कैडिला हेल्थकेयर को भी उसके संभावित टीके के तीसरे चरण के क्लिनिकल परीक्षण के लिए अनुमति प्रदान की गई है। पुणे स्थित सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया का 'टीका रिकम्बाइनेंट चिम्पांजी एडेनोवायरस वेक्टर वैक्सीन (कोविशिल्ड) है। सार्स-सीओवी-2 स्पाइक ग्लाइकोप्रोटीन का पता एस्ट्राजेनेका/ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से प्राप्त प्रौद्योगिकी के माध्यम से लगाया गया है।' सोमानी ने बताया कि कंपनी ने सुरक्षा, इम्युनोजेनिसिटी तथा प्रभाव के बारे में जो डेटा मुहैया करवाया है, वह 18 वर्ष या अधिक आयुवर्ग के 23,745 प्रतिभागियों पर विदेशों में किए गए क्लिनिकल शोध पर आधारित है। यह टीका 70.42 फीसदी प्रभावी पाया गया है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा सीरम को देश में दूसरे एवं तीसरे चरण के क्लिनिकल ट्रायल करने की मंजूरी दी गई। सोमानी ने कहा कि देश में कंपनी के क्लिनिकल परीक्षण चलते रहेंगे। सोमानी ने बताया कि भारत बायोटेक ने आईसीएमआर और एनआईवी, पुणे के साथ मिलकर 'होल वाइरियन इनएक्टिवेटेड कोरोना वायरस' (कोवैक्सीन) बनाई है। यह टीका वीरो सेल प्लेटफॉर्म पर बनाया गया है, जिसे देश और विश्व में सुरक्षित एवं प्रभावी माना जाता है। उन्होंने बताया कि करीब 800 लोगों पर किए गए पहले तथा दूसरे चरण के क्लिनिकल ट्रायल में पता चला कि टीका सुरक्षित है। तीसरे चरण के ट्रायल में अब तक 22,500 प्रतिभागियों को टीका लगाया जा चुका है और अब तक उपलब्ध डेटा के मुताबिक यह सुरक्षित पाया गया है।

भारत बायोटेक...

से व्यवहार कर रहे हैं जिसकी उनसे उम्मीद की जाती है तथा वे 'स्थायी तौर पर राजनीतिक हाशिए पर जाने की राह पर हैं।' इस मुद्दे पर गहन विचार-विमर्श करने वाली गृह मामलों की संसदीय समिति के प्रमुख शर्मा ने कहा कि टीके के उपयोग की मंजूरी के मुद्दे पर बेहद सावधानी बरतना आवश्यक है क्योंकि किसी भी देश ने अनिवार्य चरण तीन परीक्षणों और डेटा सत्यापन के साथ समझौता नहीं किया है। भारत के औषधि नियामक डीसीजीआई ने रविवार को सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा निर्मित ऑक्सफोर्ड के कोविड-19 टीके 'कोविशील्ड' और भारत बायोटेक के स्वदेश में विकसित टीके 'कोवैक्सीन' के देश में सीमित आपात इस्तेमाल को रविवार को मंजूरी दे दी, जिससे व्यापक टीकाकरण अभियान का मार्ग प्रशस्त हो गया है। शर्मा ने 'कोवैक्सीन' का उल्लेख करते हुए कहा कि विशेषज्ञ समिति के समक्ष दी गई प्रस्तुति के अनुसार, चरण तीन के परीक्षण पूरे नहीं हुए हैं और इसलिए, सुरक्षा तथा प्रभाव के आंकड़ों की समीक्षा नहीं की गई है, जो एक अनिवार्य आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय को इस मामले में अनिवार्य प्रोटोकॉल और जरूरतों के साथ समझौता करने के कारण बताने चाहिए, क्योंकि इसमें कोविड-19 के खिलाफ अग्रिम मोर्चे पर काम करने वाले स्वास्थ्य और सुरक्षाकर्मी जुड़े हैं जिन्हें सीमित श्रेणी के तहत टीका लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में तीसरे चरण के परीक्षणों के दौर से गुजर रहे भारत बायोटेक के टीके को आपात स्थिति में सीमित उपयोग की अनुमति से वास्तविक चिंताएं उत्पन्न होती हैं। उन्होंने कहा कि मानक प्रोटोकॉल और सुरक्षा एवं प्रभावशीलता पर डेटा के प्रकाशन की अनिवार्य आवश्यकता, जिसकी समीक्षा की जाती है और सत्यापन किया जाता है, पूरी प्रक्रिया के लिए महत्वपूर्ण है। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि मंजूरी अपरिपक्व है और कोवैक्सीन के इस्तेमाल से बचना चाहिए क्योंकि यह खतरनाक हो सकता है। उन्होंने ट्वीट किया, 'कोवैक्सीन का अभी तक चरण 3 परीक्षण पूरा नहीं हुआ है। मंजूरी समय से पहले है और खतरनाक हो सकती है। डॉ. हर्षवर्धन कृपया स्पष्ट करें। इसका परीक्षण पूरा होने तक इसके इस्तेमाल से बचना चाहिए। भारत इस बीच एस्ट्राजेनेका टीके से शुरुआत कर सकता है। कांग्रेस के एक अन्य वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन से यह स्पष्ट करने को कहा कि चरण तीन के परीक्षणों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत प्रोटोकॉल क्यों 'संशोधित किए जा रहे हैं।' उन्होंने ट्विटर पर कहा कि भारत बायोटेक प्रथम दर्जे का उद्यम है, लेकिन यह हैरान करने वाला है कि चरण 3 के परीक्षण से संबंधित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत प्रोटोकॉल 'कोवैक्सीन' के लिए संशोधित किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन को स्पष्ट करना चाहिए।' हालांकि, सुरजेवाला ने ट्वीट किया कि स्वदेश विकसित कोरोना टीके को मंजूरी के लिए हमारे वैज्ञानिकों और अनुसंधानकर्ताओं को बधाई। साथ ही सीरम इंस्टीट्यूट और उसके वैज्ञानकों को भी बधाई। भारत ने अतीत में महत्वपूर्ण नवाचारों का नेतृत्व किया है और आगे भी करता रहेगा। नए साल की शानदार शुरुआत। पुरी ने कांग्रेस नेताओं पर निशाना साधते हुए ट्वीट किया कि ...जयराम, थरूर और सपा नेता अखिलेश वास्तव में उस तरह से व्यवहार कर रहे हैं जिसकी उनसे उम्मीद की जाती है। उन्होंने पहले हमारे सैनिकों की वीरता पर सवाल उठाया और अब इसको लेकर दुखी हैं कि दो टीके जिन्हें डीसीजीआई की मंजूरी मिली हैं वे भारत में निर्मित हैं। जाहिर है, वे स्थायी राजनीतिक हाशिए के रास्ते पर हैं।' शर्मा ने कहा कि टीके के आगमन और टीकाकरण की शुरुआत की खबर महामारी से पीड़ित देश को 'वास्तव में आश्वस्त' करने वाली है। शर्मा ने कहा कि साथ ही यह देश के वैज्ञानिकों, अनुसंधानकर्ताओं और संस्थानों के लिए भी एक सम्मान की बात है, जिन्होंने भारत को दुनिया के सबसे बड़े टीका निर्माता के रूप में स्थापित किया है। शर्मा ने कहा, 'डीसीजीआई के बयान में स्पष्टता की कमी है और सरकार को टीके की सिद्ध प्रभावशीलता पर किसी भी भ्रम से बचने के लिए वैश्विक प्रभावशीलता परीक्षणों तथा ब्रिटेन में अंतिम परीक्षणों के आंकड़ों को पेश करना चाहिए जिसे ब्रिटेन के एमएचआरए ने दोनों देशों की सरकारों के बीच समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद आधिकारिक रूप से साझा किया है।' इस मुद्दे पर पहले गृह मामलों पर संसद की स्थायी समिति ने गहन विमर्श किया था। समिति ने सरकार से सिफारिश की है कि कोविड -19 के किसी भी टीके को उचित जांच पड़ताल और उसके पर्याप्त परीक्षण के बाद ही आपातकालीन उपयोग की मंजूरी दी जानी चाहिए। गत 21 दिसंबर को राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू को सौंपी गई अपनी रिपोर्ट में, संसद की स्थायी समिति ने उल्लेख किया था कि सीडीएससीओ ने अतीत में कोई आपात उपयोग की मंजूरी नहीं दी है, और सुझाव दिया था कि सभी आवश्यक और अनिवार्य आवश्यकताओं को पूरा किया जाना चाहिए तथा सभी परीक्षण के चरण पूरे किए जाने चाहिए।

अभी और...

तापमान में पांच से नौ डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होगी। आइएमडी के क्षेत्रीय पूर्वानुमान केंद्र के प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के चलते दिल्ली-एनसीआर के मौसम में यह बदलाव आया है। बारिश होने के साथ ही तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। इसके साथ ही श्रीवास्तव ने कहा कि हल्की बारिश के बाद दिल्ली-एनसीआर में पारा 6 जनवरी तक बढ़ जाएगा। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में 5 जनवरी तक बर्फबारी का अलर्ट जारी किया गया है।

बर्फ की...

है। इसने शनिवार रात से इस क्षेत्र को प्रभावित किया है। पश्चिमी विक्षोभ के कारण कश्मीर और लद्दाख के जोजिला क्षेत्र में अधिकांश स्थानों पर रविवार से तीन दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश और हिमपात होने की संभावना है। इसके बाद गुरुवार से मौसम में कुछ सुधार हो सकता है। इस बीच, आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा पुंछ और किश्तवाड़ जिलों के ऊपरी इलाकों में मध्यम तथा राजौरी, रामबन, डोडा, अनंतनाग, कुलगाम, बारामूला, कुपवाड़ा, बांदीपोरा और कारगिल जिलों के पहाड़ी क्षेत्रों में हल्के स्तर के बर्फीले तूफान की चेतावनी जारी की गई है।

देश में...

मृत्यु दर 1.45 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार, देश में इस समय 2,47,220 संक्रमित लोगों का उपचार चल रहा है, जो कुल मामलों का 2.39 प्रतिशत है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार, देश में दो जनवरी तक 17,48,99,783 नमूनों की जांच की जा चुकी है, जिनमें से 9,58,125 नमूनों की जांच शनिवार को की गई।भारत में सात अगस्त को संक्रमित लोगों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितंबर को 40 लाख के पार चली गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर को 50 लाख, 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख, 20 नवंबर को 90 लाख और 19 दिसंबर को एक करोड़ के पार चले गए थे। देश में संक्रमण के कारण पिछले 24 घंटे में 217 लोगों की मौत हुई है, जिनमें से महाराष्ट्र में 51, पश्चिम बंगाल में 28, केरल में 21, पंजाब में 15, दिल्ली में 14, छत्तीसगढ़ में 11, उत्तर प्रदेश में आठ और उत्तराखंड में सात लोगों की मौत हुई है। देश में कोरोना वायरस संक्रमण के चलते अब तक कुल 1,49,435 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें से महाराष्ट्र में 49,631, तमिलनाडु में 12,146, कर्नाटक में 12,099, दिल्ली में 10,571, पश्चिम बंगाल में 9,766, उत्तर प्रदेश में 8,387, आंध्र प्रदेश में 7,111, पंजाब में 5,364 और गुजरात में 4,314 लोगों की मौत हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि कुल मौतों में से 70 प्रतिशत से अधिक मामलों में मरीज अन्य बीमारियों से भी पीड़ित थे।

ट्रायल से...

इस निर्णय से टीके को लेकर आम लोगों में अविश्वास की स्थिति पैदा हो सकती है और इस हालत में केंद्र के लिए अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर इस वैक्सीन का बचाव करना बहुत मुश्किल हो सकता है। गुड़गांव के फोर्टिस अस्पताल के निदेशक (इंस्टीट्यूट ऑफ ब्लड डिसऑर्डर एंड बोन मैरो ट्रांसप्लांट) डॉ. राहुल भार्गव ने कहा कि सरकार फेज थ्री ट्रायल से संबंधित प्रोटोकॉल को संशोधित करने का प्रयास कर रही है। फाइजर और सीरम इंस्टीट्यूट द्वारा विकसित वैक्सीन को मंजूरी देना तो उचित था, क्योंकि उन्होंने इसके लिए आवश्यक दिशानिर्देशों का पालन किया है, लेकिन भारत बायोटेक की को-वैक्सीन तो अभी भी तीसरे चरण के ट्रायल से गुजर रही है और ऐसे में वर्तमान डेटा के आधार पर इसे मंजूरी देना हानिकारक हो सकता है। संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ. गगनदीप कंग ने एक समाचार चेनल से कहा कि वह को-वैक्सीन के प्रभावकारिता डेटा से बिल्कुल अनभिज्ञ हैं और यह कहना अभी मुनासिब नहीं कि टीका नए स्ट्रेन पर असरकारक होगा। एम्स के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया ने कहा कि को-वैक्सीन को बैकअप के तौर इस्तेमाल किया जा सकता है। दूसरी ओर, कई तरह की चिंता जाहिर करते हुए ऑल इंडिया ड्रग एक्शन नेटवर्क ने तो को-वैक्सीन का दी गई अनुमति को वापस लेने की मांग उठा दी है।

एलएसी पर...

दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ गलियारे के सभी सिविल काम के लिए निविदाएं दे दी गई हैं और समय पर परियोजना को चालू करने के लिए निर्माण पूरे जोरों पर चल रहा है। इस कॉरिडोर को एशियाई विकास बैंक (एडीबी) द्वारा वित्त पोषित किया जा रहा है। इसमें खरीद प्रक्रिया बैंक और सरकार के दिशानिर्देशों के तहत संचालित हो रही है। एडीबी की खरीद दिशानिर्देशों के अनुसार, बैंक के सभी सदस्य देशों के विक्रेता बिना किसी भेदभाव के बोली प्रक्रिया में भाग लेने के लिए पात्र हैं।

अमेरिका, रूस, कनाडा और फिनलैंड सेमीफाइनल में

एडमंटन। अमेरिका ने अपना विजय अभियान जारी रखते हुए स्लोवाकिया को 5-2 से हराकर विश्व जूनियर आइस हॉकी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अमेरिका सोमवार को होने वाले सेमीफाइनल में फिनलैंड का सामना करेगा जबकि अन्य सेमीफाइनल कनाडा और रूस के बीच खेला जाएगा। क्वार्टर फाइनल के अन्य मैचों में फिनलैंड ने आखिरी क्षणों में गोल करके स्वीडन को 3-2 से हराया जबकि मेजबान कनाडा ने चेक गणराज्य को 3-0 और रूस ने जर्मनी को 2-1 से पराजित किया।

श्रीलंका ने किए टीम में चार बदलाव

जोहानसिबर्ग। चोटिल खिलाड़ियों से जूझ रहे श्रीलंका ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए अपनी टीम में चार बदलाव किए है। श्रीलंका ने रविवार को यहां इस मैच में टास जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। श्रीलंका इस मैच में बल्लेबाज दिनेश चंदीमल, आलराउंडर धनंजय डिसिल्वा तथा तेज गेंदबाज कसुन रजिता और लाहिरू कुमारा के बिना खेलेगा। ये चारों खिलाड़ी पहले मैच में चोटिल हो गए थे जिसे श्रीलंका ने पारी और 45 रन से गंवाया था। लाहिरू तिरिमाने, मिनोद भानुका, दुसमंत चमीरा और असिता फर्नांडो को अंतिम एकादश में शामिल किया गया है। बल्लेबाज भानुका और तेज गेंदबाज फर्नांडो का यह पहला टेस्ट मैच है।

चयन ट्रायल से पहले भोपाल में अभ्यास करेंगी मनु भाकर

नई दिल्ली। तोक्यो ओलंपिक के लिए टिकट हासिल करने की दौड़ में शामिल युवा भारतीय निशानेबाज मनु भाकर यहां डाक्टर कर्णी सिंह निशानेबाजी परिसर में राइफल और शॉटगन चयन ट्रायल के दौरान भोपाल स्थित मध्य प्रदेश निशानेबाजी अकादमी में अभ्यास करेंगी। राष्ट्रमंडल खेलों और युवा ओलंपिक की स्वर्ण पदक विजेता 18 साल की यह पिस्टल निशानेबाज चार से 10 जनवरी तक भोपाल में अभ्यास करने के लिए रविवार को रवाना हो गई। वह 11 जनवरी को यहां अपने चयन ट्रायल में भाग लेने के लिए वापस आएंगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने गांगुली से बात की, उनके जल्द उबरने की कामना की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष और पूर्व कप्तान सौरव गांगुली से बात की और उनसे हालचाल पूछा। गांगुली की हल्के दिल के दौरे के बाद एंजियोप्लास्टी की गई थी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मोदी ने इस पूर्व क्रिकेटर की पत्नी डोना गांगुली से भी बात की। प्रधानमंत्री ने उनके जल्द उबरने की कामना की। डॉक्टरों ने रविवार को बताया था कि गांगुली की हालत स्थिर है और उनका स्वास्थ्य ठीक है। इस दिग्गज क्रिकेटर की तीन धमनियों में अवरोध है।

पूरी भारतीय टीम एक साथ सिडनी जाएगी

● चौथे टेस्ट के ब्रिसबेन में ही खेले जाने की संभावना

भाषा। नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर एहतियात के तौर पर पृथकवास में रह रहे पांच भारतीय खिलाड़ियों के साथ पूरी टीम श्रृंखला के तीसरे टेस्ट के लिए एक साथ चार्टर्ड विमान से सोमवार को मेलबर्न से सिडनी रवाना होगी। भारतीय उपकप्तान रोहित शर्मा, ऋषभ पंत, शुभमन गिल, पृथ्वी साव और नवदीप सैनी के खिलाफ कोरोना वायरस से बचाव के लिए लागू जैव सुरक्षा प्रोटोकॉल के उल्लंघन को कथित तौर पर तोड़ने की जांच जारी है लेकिन उन्हें टीम के साथ यात्रा करने से नहीं रोका जाएगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को जारी मीडिया विज्ञप्ति में कहा कि वे इस मामले की जांच बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) के साथ मिलकर कर रहे हैं। यह मामला तब तूल पकड़ा जब नवलदीप सिंह नाम के एक प्रशंसक ने ट्विटर पर एक वीडियो साझा किया जिसमें ए पांचों एक इनडोर रेस्तरां में खाना खा रहे थे। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, अगर आप क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के बयान को ध्यान से पढ़ेंगे तो उन्होंने कभी नहीं कहा कि यह एक उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि वे यह निर्धारित करना चाहते हैं कि क्या यह उल्लंघन है। इसलिए टीम के साथ सिडनी जाने वाले इन पांच खिलाड़ियों पर कोई प्रतिबंध नहीं है। पूरी टीम कल दोपहर उड़ान भर रही है। यह पता चला है कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के इस मसले से निपटने के तरीके से भारतीय टीम खुश नहीं है। सूत्र ने कहा, उस प्रशंसक ने अगर सोशल मीडिया पर खिलाड़ी (पंत) को गले लगाने को लेकर झूठ नहीं बोला होता तो यह मामला बड़ा नहीं होता। खिलाड़ी अंदर इसलिए गए क्योंकि वहां बूंदाबांदी हो रही थी। उसने बिना अनुमति के वीडियो बनाया और फिर बिना किसी के कहे ही पब्लिसिटी के लिए बिल का भुगतान कर उसे सोशल मीडिया पर डाल दिया। उन्होंने सवाल किया, क्या आप यह कहना चाहते है कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ऐसे व्यक्ति के वीडियो के आधार पर निर्णय लेगा, जिसने पहले झूठ बोला और फिर अपने बयान से मुकर गया। इस पूरे मामले के बाद टीम के प्रशासनिक प्रबंधक गिरिश डोंगरे की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहा है। बीसीसीआई के एक अन्य अधिकारी ने कहा कि डोंगरे बीसीसीआई के कार्मचारी है और उन्हें कोविड-19 प्रोटोकॉल को लेकर टीम को संभालने के लिए रखा गया है।

खिलाड़ियों के लिए प्रोटोकॉल की हर बात याद रखना जरूरी नहीं है। इस काम के लिए एक पेशेवर टीम है, जिन्हें यह सुनिश्चित करना है कि हर नियम का पालन किया जाए। यह सुनिश्चित करने के लिए डोंगरे का कर्तव्य था कि खिलाड़ियों को बताया जाए कि वे एक इनडोर क्षेत्र में नहीं जा सकते। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ने रविवार को दावा किया था कि ब्रिसबेन में पृथकवास के कड़े नियमों के कारण भारतीय टीम चौथे टेस्ट के लिए वहां की यात्रा नहीं करना चाहती है। लेकिन यह पता चला है कि श्रृंखला का चौथा और आखिरी टेस्ट अपने तय कार्यक्रम 15 जनवरी से ब्रिसबेन के गाबा मैदान में ही खेला जाएगा।

सिडनी में नहीं, गाबा में खेलना चाहते हैं अंतिम टेस्ट : वेड

मेलबर्न। आस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज मैथ्यू वेड ने रविवार को कहा कि उनकी टीम नही चाहती कि ब्रिस्बेन मे होने वाला अंतिम टेस्ट मैच भी सिडनी मे खेला जाए क्योकि रिपोर्टो मे कहा गया है कि भारत पृथक्वास के कड़े नियमो के कारण गाबा मे खेलने का इच्छुक नही है। रिपोर्टों के अनुसार भारतीय टीम क्वीन्सलैड मे पृथक्वास के कड़े नियमो के कारण ब्रिस्बेन नही जाना चाहती है और इसके बजाय सिडनी मे लगातार दो मैच खेलने के लिए तैयार है। तीसरा टेस्ट मैच गुरुवार से सिडनी मे शुरू होगा। वेड ने वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन मे कहा, मैने इस बारे मे नही सुना लेकिन हम निश्चित तौर पर सिडनी मे लगातार दो मैच नही खेलना चाहेंगे। कार्यक्रम तय हो चुका है और हम उसी अनुसार चलना चाहेंगे। भले ही वह पृथक्वास से जुड़ा होटल हो तो फिर मैदान पर जाओ, खेलो और वापस आ जाओ। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने गर्मियो के शुरू मे जो कार्यक्रम तय किया था वह उस पर अडिग है और इसलिए हमे गाबा मे खेलने की पूरी उम्मीद है। यह सच्चाई छिपी नही है कि हम गाबा मे खेलना पसंद करते है। वहां पृथक्वास के कड़े नियम और सख्त जैव सुरक्षित प्रोटोकॉल होगा लेकिन हम अधिक बलिदान और अधिक चुनौतियो का सामना करने के लिए तैयार है।

जेमीसन की घातक गेंदबाजी, पाक ने पहली पारी में 297 रन बनाए

क्राइस्टचर्च। तेज गेंदबाज काइल जेमीसन के कहर के बीच पाकिस्तान ने अनुभवी अजहर अली की 93 रन की पारी की मदद से न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच के बारिश से प्रभावित पहले दिन रविवार को यहां अपनी पहली पारी में 297 रन बनाए। अपना छठा टेस्ट मैच खेल रहे जेमीसन ने अतिरिक्त उछाल और मूवमेंट से बल्लेबाजों को खासा परेशान किया तथा 69 रन देकर पांच विकेट लिए। न्यूजीलैंड के टास जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण के फैसले के बाद जेमीसन ने सुबह के सत्र में तीन ओवर के अंदर तीन विकेट लेकर पाकिस्तान का स्कोर चार विकेट पर 83 रन कर दिया था। इसके बाद अजहर और कप्तान मोहम्मद रिजवान (61) ने पांचवें विकेट के लिए 88 रन जोड़कर टीम को इन झटकों से उबारा। जेमीसन ने दूसरे सत्र में रिजवान को आउट करके अपना चौथा विकेट लिया जबकि अंतिम सत्र में फहीम अशरफ (48) का विकेट लेकर तीसरी बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट लेने का कारनामा किया। अजहर अली ने बहुत अच्छी बल्लेबाजी की लेकिन वह अपने 18वें शतक से चूक गए। टिम साउथी ने शान मसूद (शून्य) को तीसरे ओवर में आउट कर दिया जिसके बाद अजहर ने क्रीज पर उतरकर पारी संवारने का काम किया और अपने करियर का 32वां अर्धशतक लगाया।

साइना, प्रणीत और श्रीकांत थाईलैंड रवाना, सिंधू लंदन से वहां पहुंचेंगी

नई दिल्ली। ओलंपिक कोटे के दावेदार भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल, बी साई प्रणीत और किदांबी श्रीकांत रविवार को थाईलैंड रवाना हो गए जहां वे दो बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 1000 प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे। कोरोना वायरस के कारण अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के रोके जाने के बाद श्रीकांत ने अक्टूबर(2020) में डेनमार्क सुपर 750 में भाग लिया था जबकि बाकी खिलाड़ी लगभग 10 महीने के बाद किसी प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट में खेलेंगे। ओलंपिक रजत पदक विजेता पीवी सिंधू रविवार को लंदन से दोहा होते हुए बैंकाक पहुंचेंगी। कोविड-19 के कारण आई रूकावट के बाद यह उनके लिए भी पहला टूर्नामेंट होगा। पिछले साल मार्च में ऑल इंग्लैंड चैम्पियनशिप के बाद बीडब्ल्यूएफ को कैलेंडर को रद्द करने पर मजबूर होना पड़ा था। इस दौरान डेनमार्क ओपन के अलावा सारलोरलक्स सुपर 100 टूर्नामेंट का ही आयोजन हो सका था। अब सब की नजरें सुपर 1000 की दो प्रतियोगिताओं पर हैं जिसमें योनेक्स थाईलैंड ओपन (12 से 17 जनवरी) और टोयाटा थाईलैंड ओपन (19 से 24 जनवरी) खेला जाएगा। इन प्रतियोगिताओं से दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी लंबे ब्रेक के बाद वापसी करेंगे। भारतीय टीम में इन चारों खिलाड़ियों के अलावा ओलंपिक कोटा लगभग पक्का कर चुके सात्विकसाइराज रंकीरेड्डी एवं चिराग सेट्टी की पुरूष युगल जोड़ी और अश्विनी पोनप्पा एवं एन सिक्की रेड्डी की महिला युगल जोड़ी भी शामिल है।

लक्ष्य थाईलैंड में होने वाली दो प्रतियोगिताओं से हटे

नई दिल्ली। भारत के उभरते हुए बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ट्रेनिंग के दौरान पीठ की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण थाईलैंड में होने वाली दो प्रतियोगिताओं से हट गए हैं। बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 100 टूर्नामेंट सारलोरलक्स ओपन और डच ओपन सहित 2019 में सीनियर सर्किट में पांच खिताब जीतने वाले 19 साल के लक्ष्य को पीठ की चोट के बाद डॉक्टरों ने आराम की सलाह दी है। पूर्व भारतीय कोच विमल कुमार ने कहा, दुर्भाग्य से लक्ष्य ट्रेनिंग के दौरान पीठ की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण थाईलैंड में दो प्रतियोगिताओं में नही खेल पाएगा। थाईलैंड 12-17 जनवरी और 19-24 जनवरी के बीच दो सुपर 1000 प्रतियोगिताओं की मेजबान करेगा।

रीयाल मैड्रिड स्पेनिश फुटबॉल लीग में शीर्ष पर पहुंचा

बार्सिलोना। मौजूदा चैंपियन रीयाल मैड्रिड मार्को एसेनसियो और लुकास वाजक्वेज के गोल की मदद से सेल्टा विगो को 2-0 से हराकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा की अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंच गया। रीयाल मैड्रिड के अब 17 मैचों में 36 अंक हो गए हैं और वह एटलेटिको मैड्रिड से एक अंक आगे हो गया है। एटलेटिको ने हालांकि रीयाल से तीन मैच कम खेल हैं। वह अलावेज के खिलाफ जीत से फिर से अंकतालिका में पहले स्थान पर पहुंच सकता है। वाजक्वेज ने खेल के छठे मिनट में एसेनसियो के क्रास पर रीयाल के लिए पहला गोल किया। वाजक्वेज ने इसके बाद 53वें मिनट में अपने साथी फारवर्ड एसेनसियो के लिए गोल बनाया जिन्होंने उसका पूरा फायदा उठाकर स्कोर 2-0 किया। एक अन्य मैच में सेविला के गोलकीपर यासिनी बोनोउ ने नाबिल फेकियर की पेनल्टी को बचाकर अपनी टीम को रीयाल बेटिस के खिलाफ एक अंक दिलाया। यह मैच 1-1 से ड्रा छूटा। जीसस सुसो फर्नाडिज ने 48वें मिनट में गोल करके सेविला को बढ़त दिलाई लेकिन सर्जियो केनालेस ने 53वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर बेटिस को बराबरी दिला दी।

नेतृत्व करने के लिए हुआ है रहाणे का जन्म, वह साहसी और होशियार कप्तान है: चैपल

भाषा। नई दिल्ली

कार्यवाहक कप्तान अजिंक्य रहाणे को जन्मजात नेतृत्वकर्ता करार देते हुए आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल ने मेलबर्न टेस्ट में भारत की जीत का श्रेय बल्ले से उनके उपयोगी योगदान के अलावा चतुराई से भरी साहसिक कप्तानी को दिया। एडीलेड में पहला टेस्ट मैच गंवाने वाली भारतीय टीम ने रहाणे की अगुवाई में मेलबर्न में दूसरे टेस्ट मैच में आठ विकेट से जीत दर्ज करके शानदार वापसी की। चैपल ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो में अपने कॉलम में लिखा, इसमें कोई हैरानी नहीं कि अजिंक्य रहाणे ने एमसीजी (मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड) पर शानदार तरीके से भारत की अगुवाई की। जिस किसी ने भी 2017 में धर्मशाला में उन्हें कप्तानी करते हुए देखा होगा वह पहचान गया होगा कि उनका जन्म क्रिकेट टीमों का नेतृत्व करने के लिए हुआ है। धर्मशाला में 2017 में खेले गए टेस्ट मैच में भारत ने चौथे टेस्ट मैच में आठ विकेट से जीत हासिल करके चार मैचों की श्रृंखला 2-1 से जीती थी। भारत ने तब भी लक्ष्य का पीछा किया था और रहाणे 38 रन बनाकर नाबाद रहे थे। चैपल ने लिखा, एमसीजी में खेले गए मैच और 2017 के मैच में काफी समानताएं हैं। पहला यह उन्हीं दो बेहद प्रतिस्पर्धी टीमों के बीच खेला गया था, दूसरा रविंद्र जडेजा ने पहली पारी में निचले क्रम में उपयोगी योगदान दिया था और तीसरा रहाणे ने कम लक्ष्य के सामने दबाव वाली परिस्थितियों में आक्रामक बल्लेबाजी करके जरूरी रन जुटाए। रहाणे ने धर्मशाला में तब मेरा ध्यान अपनी तरफ खींचा था जब उन्होंने अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को गेंद सौंपी जबकि तब डेविड वार्नर और स्टीव स्मिथ ने शतकीय साझेदारी कर रखी थी। मुझे लगता है कि यह साहसिक कदम था और यह बेहद अच्छा साबित हुआ। यादव ने जल्द ही वार्नर का विकेट लिया जिससे आस्ट्रेलियाई पारी लड़खड़ा गई थी।

अभ्यास नही कर पाई भारतीय टीम

मेलबर्न। भारतीय टीम बारिश के कारण मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर रविवार को अभ्यास नही कर पाई और खिलाड़ियों को जिम मे जाकर समय बिताना पड़ा। तीसरा टेस्ट मैच सात जनवरी से सिडनी मे शुरू होना है और भारतीय टीम मेलबर्न मे उसकी तैयारी कर रही है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बयान मे कहा, भारत का एमसीजी पर आज होने वाला अभ्यास सत्र बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। भारत और आस्ट्रेलिया की टीम सोमवार को सिडनी के लिए रवाना होगी। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने शनिवार को कहा था कि उप कप्तान रोहित शर्मा सहित भारत के पांच टेस्ट खिलाड़ियों को पृथक्वास पर रखा गया है और यह जांच की जा रही है कि उन्होंने जैव सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन तो नही किया है। एक प्रशंसक ने ट्विटर पर वीडियो डाली थी जिसमे ए पांचो एक इनडोर रेस्तरां मे खाना खा रहे थे जिसके बाद यह कदम उठाया गया। बीसीसीआई ने पहले अपने स्तर पर जांच से इनकार किया लेकिन क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने बाद में कहा कि मामले की संयुक्त जांच की जा रही है।

रामपाल की अगुवाई भारतीय महिला हॉकी टीम अर्जेंटीना रवाना

नई दिल्ली। रानी रामपाल की अगुवाई में भारतीय महिला हॉकी टीम रविवार को अर्जेंटीना के दौरे पर रवाना हो गई जहां टीम कोविड-19 महामारी के कारण लगभग एक साल के विश्राम के बाद अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। महामारी के कारण अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं आयोजित नहीं की गई और ऐसे में भारतीय टीम को बेंगलुरू में भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) केंद्र में अभ्यास करके ही काम चलाना पड़ा। भारतीय टीम को विश्व की नंबर दो टीम अर्जेंटीना के खिलाफ चार मैचों की श्रृंखला खेलनी है। ए मैच 26, 28, 30 और 31 जनवरी को खेले जाएंगे। इससे पहले भारतीय टीम अर्जेंटीना की जूनियर टीम और बी टीम के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगी। रानी ने टीम की रवानगी से पहले कहा, फिर से दौरे पर जाना अच्छा लग रहा है। पिछले कुछ महीनों में हमने अपने खेल पर कड़ी मेहनत की है और अब समय आ गया है कि हम अंतरराष्ट्रीय मैचों में अपने कौशल का प्रदर्शन करें। इस समय अंतरराष्ट्रीय मैचों में खेलना थोड़ा भिन्न होगा क्योंकि हमें जैव सुरक्षित वातावरण में रहना होगा। टीम हालांकि मैदान पर लौटने को लेकर उत्साहित है।

श्रीलंका को 157 रन पर समेटने के बाद दक्षिण अफ्रीका की मजबूत शुरूआत

जोहानिसबर्ग। कई खिलाड़ियों के चोटिल होने से परेशानी का सामना कर रहे श्रीलंका को 157 रन पर ऑल आउट करने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी मे रविवार को यहां शुरूआती दिन का खेल खत्म होने तक एक विकेट पर 148 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। स्टंप्स के समय सलामी बल्लेबाज डीन एल्गर 92 और रासी वेन डेर डुसेन 40 रन बनाकर खेल रहे थे। दोनो ने दूसरे विकेट के लिए 114 रन की अटूट साझेदारी कर ली है। पहली पारी के आधार पर दक्षिण अफ्रीका श्रीलंका से सिर्फ नौ रन पीछे है। इससे पहले टॉस गंवाने के बाद गेंदबाजी करते हुए एनरिज नोर्जे (56 रन पर छह विकेट) के करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और वियान मुलदर (25 रन पर तीन विकेट) की शानदार तेज गेंदबाजी का श्रीलंकाई बल्लेबाजो के पास कोई जवाब नही था। श्रीलंका की पूरी टीम महज 40.3 ओवर ही खेल पाई।

डिजिटल बाजार के मामले में सभी के लिए एक जैसा रुख काम नहीं करता: सीसीआई

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के चेयरपर्सन अशोक कुमार गुप्ता ने कहा कि डिजिटल बाजार के मामले में सभी के लिए एक समान रुख काम नहीं करता और तथ्यों के आधार पर मामलों का आकलन समय की जरूरत है। डिजिटल खंड में अनुचित व्यापार गतिविधियों की आशंका को लेकर चिंता के बीच उन्होंने यह बात कही है। सीसीआई डिजिटल बाजार पर करीब से नजर रख रहा है और उसने अन्य कदमों समेत ई-वाणिज्य खंड में विस्तृत अध्ययन किया है। गुप्ता ने इस बात को स्वीकार किया कि डिजिटल बाजार की नेटवर्क प्रभाव और डेटा से जुड़ी जो विशेषताएं हैं, उसको देखते हुए गैर-प्रतिस्पर्धी गतिविधियों की आशंका बढ़ी है।

किसानों की आय, रोजगार सृजन में लाभकारी है ठेका खेती, पर मोल-तोल शक्ति बढ़ाने की जरूरत

नई दिल्ली। कृषि कानूनों को लेकर किसानों के विरोध के बीच एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ठेका खेती किसानों को नई प्रौद्योगिकी तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने के साथ ही उनकी आय बढ़ाने और रोजगार सृजन में लाभकारी है। हालांकि, इसमें इस बात को लेकर सावधान किया गया है कि कंपनियों के समक्ष किसानों की मोल- तोल की ताकत बढ़ाने की जरूरत है।

ठेका और काश्तकारी खेती: पांच राज्यों से सबक विषय पर जारी रिपोर्ट में यह बात कही गई है। इसमें कृषि कारोबार से जुड़ी कंपनियों के समक्ष किसानों के व्यक्तिगत रूप से मोल-तोल की शक्ति बढ़ाने की जरूरत को रेखांकित किया गया। इसके साथ ही कंपनियों के साथ बेहतर और समान स्तर पर अनुबंध के लिए कदम उठाने का सुझाव भी दिया गया है। पांच राज्यों ... पंजाब, हरियाणा, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश अैर तेलंगाना के 2014 किसानों और 384 श्रमिकों के बीच किए गए सर्वेक्षण पर आधारित इस रिपोर्ट के अनुसार ठेका खेती किसानों की आय बढ़ाने के साथ रोजगार सृजन में भी फायदेमंद है।

भारत के कोविड-19 के खिलाफ अभियान में टीकों को मंजूरी निर्णायक मोड़ : नीति आयोग

नई दिल्ली। नीति आयोग के सदस्य वी के पॉल ने रविवार को देश में कोरोना वायरस से बचाव के लिए दो टीकों के आपात उपायोग की मंजूरी दिए जाने को कोविड-19 के खिलाफ अभियान में एक निर्णायक मोड़ बताया। उन्होंने कहा कि इस चुनौती को पूरा करने के लिए वैज्ञानिकों और उद्योग ने जिस गति से साथ मिलकर काम किया, वह आत्मानिर्भर भारत की भावना और क्षमता को दर्शाता है।

भारत के औषधि नियामक डीसीजीआई ने रविवार को देश में सीमित आपात उपयोग के लिए सीरम इस्टीट्यूट द्वारा विनिर्मित ऑक्सफोर्ड कोविड-19 टीका कोविशील्ड तथा स्वदेश विनिर्मित भारत बॉयोटक की कोवैक्सीन को मंजूरी दे दी। इससे बड़े स्तर पर टीकाकरण अभियान का रास्ता साफ हो गया है। नीति आयोग ने पॉल के हवाले से ट्विटर पर लिखा है, भारत के कोविड-19 के खिलाफ जारी अभियान में आज का दिन निर्णायक मोड़ है क्योंकि भारत में बने दोनों टीकों को आपात उपयोग के लिए मंजूरी मिल गई है। पॉल टीका प्रबंधन पर बने राष्ट्रीय विशेषज्ञ समूह के चेयरमैन भी हैं।

सात कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में बढ़त

● देश की 10 मूल्यवान कंपनियों में से सात के पास कुल 75,845 करोड़ रुपए की वृद्धि

भाषा। नई दिल्ली

देश की 10 सर्वाधिक मूल्यवान कंपनियों से सात के बाजार पूंजीकरण में पिछले सप्ताह कुल मिलाकर 75,845.46 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। इसमें सर्वाधिक लाभ एचडीएफसी और एचडीएफसी बैंक को हुआ। दोनों एचडीएफसी के अलावा टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इन्फोसिस, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और बाजाज फाइनेंस लाभ में रहीं। दूसरी तरफ रिलायंस इंडसट्रीज लि. (आरआईएल), हिंदुस्तान यूनिलीवर लि. और भारतीय एयरटेल के बाजार पूंजीकरण (एमकैप) में गिरावट दर्ज की गई। एचडीएफसी का बाजार मूल्यांकन 20,857.99 करोड़ रुपए उछलकर 4,62,586.41 करोड़ रुपए जबकि एचडीएफसी बैंक का एमकैप 15,393.9 करोड़ रुपए बढ़कर 7,84,758.50 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 10,251.38 करोड़ रुपए बढ़कर 5,36,878.45 करोड़ रुपए रहा। जबकि आईसीआईसीआई बैंक का एमकैप 9,609.3 करोड़ रुपए बढ़कर 3,64,199.40 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 7,410.96 करोड़ मजबूत होकर 10,98,773.29 करोड़ रुपए रिकार्ड किया गया। कोटक महिंद्रा बैंक का एमकैप 6,500.94 करोड़ रुपए बढ़कर 3,94,914.98 करोड़ रुपए जबकि बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 5,820.99 करोड़ रुपए मजबूत होकर 3,18,181.18 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। दूसरी तरफ, रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 4,279.13 करोड़ रुपए घटकर 12,59,741.96 करोड़ रुपए तथा एचयूएल का एमकैप 2,948.69 करोड़ कम होकर 5,60,933.06 करोड़ रुपए पर आ गया। भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 1,063.83 करोड़ रुपए घटकर 2,81,015.76 करोड़ रुपए रहा। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलयंस इंडस्ट्रीज शीर्ष पर रही।

एफपीआई का दिसंबर में शेयर बजार में रिकार्ड 62,016 करोड़ रुपए का निवेश

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) भारतीय बजारो मे लगातार तीसरे महीने शुद्ध लिवाल रहे और दिसंबर मे 68,558 करोड़ रुपए निवेश किए। वैश्विक निवेशक उभरते बाजारो में निवेश बढ़ा रहे है और भारत उसमे से बड़ा हिस्सा हासिल करने मे सफल रहा है। डिपोजिटरीज आंकड़े के अनुसार विदेशी निवेशको ने दिसंबर महीने मे शेयरो मे शुद्ध रूप से रिकार्ड 62,016 करोड़ रुपए निवेश किए जबकि बांड मे 6,542 करोड़ रुपए लगाए। नेशनल सिक्योरिटीज डिपोजिटरी लि. द्वारा एफपीआई आंकड़ा उपलब्ध कराए जाने के बाद से इक्विटी खंड मे यह सर्वाधिक निवेश है। इससे पहले, एफपीआई ने नवंबर माह मे इक्विटी मे सर्वाधिक 60,358 करोड़ रुपए निवेश किए थे। शुद्ध रूप से कुल निवेश दिसंबर महीने मे 68,558 करोड़ रुपए रहा। आंकड़े के अनुसार एफपीआई अक्टूबर और नवंबर में शुद्ध रूप से लिवाल रहे थे। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशको ने अक्टूबर मे 22,033 करोड़ रुपए तथा नवंबर मे 62,951 करोड़ रुपए निवेश किए।

कैग ने वित्त मंत्रालय से सरकारी बैंकों में पूंजी डाले जाने के बारे में प्रदर्शन ऑडिट का ब्योरा मांगा

नई दिल्ली। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने वित्त मंत्रालय को पत्र लिखकर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंको (पीएसबी) मे बड़े स्तर पर पूंजी डालने के अभियान के संदर्भ मे जारी प्रदर्शन ऑडिट को लेकर ब्योरा मांगा है। सूत्रो ने कहा कि कैग 2016-17 के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के बैंको मे डाली गई पूंजी के बारे मे प्रदर्शन ऑडिट को देख रहा है और उसने वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग को पत्र लिखा है। पत्र मे विभिन्न पीएसबी मे पूंजी डालने के औचित्य समेत अन्य जानकारी मांगी गई है।

भारत सरकार ने 2017-18 मे पीएसबी मे 90,000 करोड़ रुपए की पूंजी डाली, जो अगले साल बढ़कर 1.06 लाख करोड़ रुपए हो गई। पिछले वित्त वर्ष में बांड के जरिए 70,000 करोड़ रुपए की पूंजी डाली गई। चालू वित्त वर्ष के लिए सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंको मे 20,000 करोड़ रुपए की पूंजी डालने की योजना बनाई है। इसमें से सरकार ने बासेल तीन दिशानिर्देशो के अंतर्गत नियामकीय जरूरतो को पूरा करने के लिए 2020 मे 5,500 करोड़ रुपए पंजाब एंड सिंध बैंक मे डाले।

भूमिगत मार्ग के एक हिस्से के निर्माण का ठेका चीनी कंपनी को

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने दिल्ली-मेरठ आरआरटीएस परियोजना के तहत न्यू अशोक नगर से साहिबाबाद तक 5.6 किलोमीटर के भूमिगत मार्ग के निर्माण का ठेका एक चीनी कंपनी शंघाई टनल इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड को दिया है।

PUBLIC NOTICE

Public at large is hereby informed that my client Smt. Sharda Ahuja Wife of Late Shri Som Nath Ahuja declared that she has transferred her property at B-38, Gopal Nagar, Azadpur, Delhi-110033 is in sound and disposing and without under influence coercion of fraud and due or natural love and affection of the donor, towards the Donees i.e. Shri Pankaj Ahuja S/o Late Shri Som Nath Ahuja & Shri Tarun Ahuja S/o Late Shri Som Nath Ahuja i.e. the mentioned property through relinquishment Gift Deed executed by Smt. Sardha Ahuja Wife of Late Shri Som Nath Ahuja W.R.T. this property she is the absolute owner of the property. If somebody has any objections regarding this property or will please contact me within 10 days at Advocate Amarendra Kr. Dubey, (Enr. No. D-200/2013) 501A, 5th Floor, Usha Kiran Building, Commercial Complex, Azadpur, Delhi-110033 Mob.: 9599801188.

PUBLIC NOTICE

OXIGEN WALLET has surrendered it's ppi license certificate of authorization no. 31/2010, granted by RBI, dept of payments and settlement systems, Mumbai, on 18.01.2010 to OXIGEN SERVICES INDIA PVT. LT,
No new wallets can be created nor can any fresh wallet loading be made. Therefore as per RBI process Oxigen Wallet requests it's holders to reclaim/ refund or use their wallet balance using the following steps within a period of 30 days from the date of this notice:-
1. Use the app to transfer money from the PPI Wallet to their personal bank account. OR
2. Customer can send an e- mail to care@oxigenwallet.com with subject matter CLOSE WALLET, for the closure of wallet.
Customers must attach with their email the following for verification of documents so a refund can be initiated to their bank account:
a. Bank Name, Your name-Beneficiary, Account number, IFSC code.
b. a self-attested copy of government ID proof such as PAN, Aadhar
Customers Kindly note: Refund of unused balances will be processed as per regulations, from the escrow bank in 10 working days from the date of approval of receipt of request and documentation verification. No new requests will be entertained post 1st Feb 2021
The process of transfer and closure of wallet is listed on the website www.myoxigen.com/walletclosure
For Assistance: Email: care@oxigenwallet.com or Contact Nodal Officer nodal@myoxigen.com, Mobile: +919811280815, Mr Sudhanshu Mishra, Address: Oxigen Services, 8th Floor, Magnum Towers, Golf Course Extension Road, Sector 58, Gurugram, 122018, Haryana

फाइलों को आगे बढ़ाने में देरी का पता लगाने के लिए सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करेगा एनएचएआई : गडकरी

नई दिल्ली। देश में राजमार्गों का विस्तार करने वाली संस्था भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण लालफीताशाही पर अंकुश लगाने और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए सॉफ्टवेयर का सहारा लेगी। साफ्टवेयर के जरिए फाइलों के प्रसंस्करण में देरी किस बिंदु पर हो रही है उसका पता लगाया जा सकेगा। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि यह पहल एनएचएआई में दक्षता व पारदर्शिता को बढ़ावा देने के विभिन्न उपायों का हिस्सा होगी। एनएचएआई ने पिछले साल जून में कहा था कि वह निर्माण क्षेत्र का पहला संगठन है जोकि क्लाउड आधारित डेटा-लेक-सॉफ्टवेयर के साथ पूरी तरह से डिजिटल बन गया है। लाल फीताशाही को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। देरी से निर्णय लेने का परिणाम नुकसान हैं। लाल फीताशाही को मिटाने के लिए हम एक सॉफ्टवेयर लाएंगे, जो विशेष रूप से पता लगाएगा कि किसी फाइल को निपटाने में किस विशेष अधिकारी ने कितना समय लिया।

विवाद से विश्वास योजना के तहत एक लाख करोड़ के विवादित कर मामलों का निपटान

भाषा। नई दिल्ली

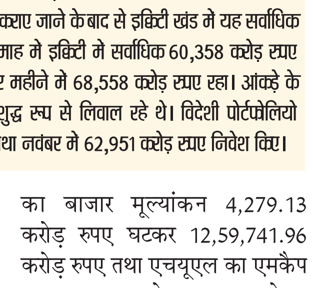

सरकार के साथ कर मुद्दों को लेकर कानूनी मुकदमों में उलझे करीब पांच लाख उद्यमों में से बीस प्रतिशत ने सरकार की विवाद निपटान योजना को चुना है। इससे करीब 83 हजार करोड़ रुपए की विवादित राशि से जुड़े मामलों को सुलटाने में मदद मिली। वित्त मंत्रालय के एक शीर्ष अधिकारी ने रविवार को इसकी जानकारी दी।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2020- 21 का बजट पेश करते हुए प्रत्यक्ष कर से जुड़े पुराने कानूनी मामलों को सुलटाने के लिए विवाद से विश्वास योजना की घोषणा की थी। योजना के जरिए विभिन्न अपीलीय मंचों में लंबित करीब 4.8 लाख अपीलों के चलते अटके 9.32 लाख करोड़ रुपए के कर- राजस्व को मुक्त करने का प्रयास था। वित्त सचिव अजय भूषण पांडेय ने पीटाआई-भाषा से एक साक्षात्कार में कहा, लंबित मामलों में से 96 हजार ने लंबित कानूनी मामले के निपटान की योजना का चयन किया। इन मामलों में करीब 83 हजार करोड़ रुपए का राजस्व अटका पड़ा है। पांडेय ने कहा कि इस योजना के तहत मिल रहे आवेदनों और दिसंबर में आवेदनों में तेजी को देखते हुए सरकार ने इसकी समय सीमा एक महीने बढ़ाकर 31 जनवरी कर दी थी।

चीन के नए रक्षा कानून से शी के नेतृत्व वाली सेना की शक्तियां बढ़ीं

भाषा। बीजिंग

चीन ने अपने राष्ट्रीय रक्षा कानून को संशोधित करते हुए राष्ट्रपति शी चिनफिंग के नेतृत्व वाले अपने सशस्त्र बलों की शक्तियों में वृद्धि की है। इस कदम का उद्देश्य देश और विदेशों में चीन के राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सैन्य एवं असैन्य संसाधन जुटाना है।

हांगकांग से प्रकाशित समाचार पत्र साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रविवार की एक खबर के मुताबिक नया कानून एक जनवरी से लागू हो गया है। इसने सैन्य नीति निर्माण व केंद्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) में निर्णय लेने की शक्तियों में प्रधानमंत्री ली कियांग नीत मंत्रिमंडल स्टेट कौंसिल की भूमिकाओं को कमतर कर दिया है।शी के नेतृत्व वाला सीएमसी, चीन की 20 लाख कर्मियों वाली पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) का संपूर्ण आलाकमान है। शी (67), कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) के संस्थापक माओत्से तुंग के बाद इसके सबसे शक्तिशाली नेता के तौर पर उभरे हैं। शी, सीपीसी महासचिव और सेना प्रमुख हैं। इसके अलावा वह राष्ट्रपति हैं और संभवत: आजीवन इस पद पर रह सकते हैं। वह सीएमसी में एकमात्र ऐसे असैन्य नेता हैं, जिस सैन्य अधिकारी भरे हुए हैं। राष्ट्रीय रक्षा कानून में संशोधनों को नेशनल पीपुल्स कांग्रेस की स्थाई समिति ने पिछले साल 26 दिसंबर को पारित किया था। गौरतलब है कि पिछले साल नवंबर में सीपीसी का अहम सम्मेलन हुआ था जिसमें अमेरिका की तर्ज पर 2027 तक पूरी तरह से आधुनिक सेना बनाने की योजना को अंतिम रूप दिया गया था। संशोधित कानून, परंपरागत हथियारों के अलावा साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक्स के क्षेत्र में सरकारी एवं निजी उद्यमों को नई रक्षा प्रौद्योगिकी के अनुसंधान में हिस्सा लेने के लिए लामबंद करने की जरूरत पर विशेष बल देता है। सैन्य एवं राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि नए कानून का लक्ष्य शी के तहत देश के सैन्य नेतृत्व को मजबूत करना है। कम्युनिस्ट पार्टी के प्रकाशन स्टडी टाइम्स के पूर्व डिप्टी एडिटर डेंग युवेन ने कहा कि संशोधनों का लक्ष्य देश-विदेश में शासन को नुकसान पहुंचाने वाली परिस्थितियों से निपटने के लिए चीन की राजनीतिक एवं रक्षा प्रणाली की विशिष्ट प्रकृति को लागू करना तथा कानूनी रूप देना है। डेंग ने कहा, चीन की राजनीतिक प्रकृति कई देशों से बिल्कुल ही अलग है...बीजिंग के लिए यह आश्चर्य की बात नहीं है कि सीएमसी के नेतृत्व को उस वक्त मजबूत किया गया है जब पीएलए चीन के राष्ट्रीय हितों की दुनिया भर में हिफाजत करने जा रही है। शंघाई विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान के प्राध्यापक रह चुके चेन दाओईन ने कहा कि कानून में किए गए ए बदलाव यह प्रदर्शित करते हैं कि शासन ने अपने उस पुराने सिद्धांत को औचित्यपूर्ण साबित करने का विश्वास हासिल कर लिया है, जो यह कहता है कि पार्टी का बंदूक पर नियंत्रण है और यह सशस्त्र बलों एवं रिजर्व बलों पर उसके पूर्ण नेतृत्व पर मुहर लगाता है।

बीजिंग में कोविड 19 की वैक्सीन लगने के बाद आधे घंटे तक परीक्षण के लिए रुके लोग

पाक में मंदिर पर हमले के मामले में 45 और गिरफ्तार

भाषा। पेशावर

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक कट्टरपंथी इस्लामिक पार्टी के सदस्यों के नेतृत्व में भीड़ द्वारा एक हिंदू मंदिर में की गई तोड़फोड़ की घटना में शामिल होने के आरोप में पुलिस ने 45 और लोगों को गिरफ्तार किया है।इसके साथ ही इस मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपियों की संख्या बढ़कर 100 हो गई है। खैबर पख्तूनख्वा में करक जिले के टेरी गांव में कुछ लोगों ने गत बुधवार को मंदिर के विस्तार कार्य के विरोध में उसमें तोड़फोड़ की थी और आग लगा दी थी। इस घटना के सिलसिले में दर्ज की गई प्राथमिकी में 350 से अधिक लोग नामजद हैं।गिरफ्तार किए गए लोगों को आतंकवाद रोधी अदालत (एटीसी) में पेश किया गया और अदालत ने आरोपियों को तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। इस मंदिर में एक हिंदू धार्मिक नेता की समाधि थी। मंदिर की दशकों पुरानी इमारत के जीर्णोद्धार के लिए हिंदू समुदाय ने स्थानीय अधिकारियों से अनुमति ली थी।कुछ स्थानीय मौलवियों और जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम पार्टी (फजल उर रहमान समूह) के समर्थकों की अगुवाई में भीड़ ने पुराने ढांचे के साथ-साथ नए निर्माण कार्य को ध्वस्त कर दिया था।मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के नेताओं ने मंदिर पर हमले की कड़ी निंदा की है।भारत ने भी मंदिर में तोड़फोड़ की घटना को लेकर पाकिस्तान के समक्ष विरोध दर्ज कराया है और इस घटना के दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्वाई किए जाने की मांग की है। सूत्रों ने नई दिल्ली में शुक्रवार को बताया था कि राजनयिक माध्यम से पाकिस्तान के समक्ष विरोध दर्ज कराया गया है।खैबर-पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री महमूद खान ने आश्वासन दिया है कि उनकी सरकार क्षतिग्रस्त मंदिर और समाधि का जल्द से जल्द पुनर्निमाण कराएगी।मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से शनिवार देर जारी अधिसूचना के अनुसार, खैबर पख्तूनख्वा सरकार ने मंदिर को हुए नुकसान के आकलन के लिए चार सदस्ईय समिति का गठन किया है। साथ ही इसके पुनर्निमाण के लिए हिंदू समुदाय के साथ विचार-विमर्श किया है।समिति से 10 दिन में कार्य पूरा करने को कहा गया है।पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने स्थानीय प्राधिकारियों को पांच जनवरी को पेश होने का आदेश दिया है।हिंदू समुदाय पाकिस्तान का सबसे बड़ा अल्पसंख्यक समुदाय है। आधिकारिक अनुमान के अनुसार, पाकिस्तान में 75 लाख हिंदू रहते हैं, लेकिन समुदाय का कहना है कि देश में 90 लाख से अधिक हिंदू रह रहे हैं।

पाकिस्तान ने अफगान शरणार्थियों के दो लाख फर्जी नागरिकता पहचान पत्रों को रद्द किया

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान शरणार्थियों द्वारा फर्जी तरीके से बनवाए गए लगभग 2,00,000 कम्प्यूटरीकृत राष्ट्रीय पहचान पत्रों (सीएनआईसी) को रद्द कर दिया है। गृह मंत्री शेख राशिद अहमद ने शनिवार को अपने गृह नगर रावलपिंडी में पत्रकारों से बात करते हुए कहा, हमारे पास 15 लाख अफगान शरणार्थियों का डेटा है, जिनको कानूनी दर्जा मिला हुआ है और देश में लगभग 8,00,000 अफगान अवैध रूप से रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि वीजा जारी करने में होने वाले भ्रष्टाचार से निपटा जा रहा है और सरकार 192 देशों के नागरिकों को ऑनलाइन वीजा सुविधा प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा, भ्रष्टाचार की आशंकाओं को खत्म करने के लिए हमने ऑनलाइन वीजा सेवा शुरू की है क्योंकि वीजा की मैनुअल प्रोसेसिंग में भ्रष्टाचार की आशंका रहती है। उन्होंने कहा कि एक ही दिन में ऑनलाइन वीजा के लिए 2,00,000 से अधिक वीजा आवेदन प्राप्त हुए हैं। इस बीच, राशिद ने कहा कि सशस्त्र बलों को निशाना बनाने वाले लोग विदेशों के इशारे पर ऐसा कर रहे हैं और सेना विरोधी टिप्पणी करने वालों के खिलाफ 72 घंटों के भीतर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहाकि हम अपने देश और सरकारी संस्थानों के खिलाफ इस तरह के दुष्प्रचार को मात दे देंगे।

शिया हजारा समुदाय के 11 खनिकों की हत्या

भाषा। करांची

पाकिस्तान के अशांत दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में अज्ञात बंदूकधारियों ने अपहरण करने के बाद अल्पसंख्यक शिया हजारा समुदाय के कम से कम 11 कोयला खनिकों की रविवार को गोली मारकर हत्या कर दी और चार अन्य को घायल कर दिया। एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने पुलिस के हवाले से कहा कि काम करने के लिए माछ कोयला खदान जा रहे खनिकों का अज्ञात बंदूकधारियों ने अपहरण कर लिया और पास की पहाड़ियों पर ले जाकर उन्हें गोली मार दी। पुलिस के अनुसार इनमें से छह खनिकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई तथा गंभीर रूप से घायल पांच अन्य ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। इसमें चार अन्य भी घायल हुए हैं।

● बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री जाम कमाल खान ने भी इस घटना की निंदा की और संबंधित अधिकारियों से जांच रिपोर्ट मांगी

मीडिया में आई खबरों के अनुसार प्रारंभिक जांच से पता चला है कि हमलावरों ने पहले खनिकों के शिया हजारा समुदाय से होने की पहचान की और उसके बाद उन्हें अपने साथ ले गए। घटना के बाद पुलिस, फ्रंटियर कोर के भारी संख्या में कर्मी और जिला प्रशासन के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने खनिकों की हत्या की निंदा की तथा इस घटना को कायराना एवं आतंकवाद का एक और अमानवीय कृत्य करार दिया। खान ने ट्वीट किया, मृतकों के परिवारों को (सरकार द्वारा) अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। फ्रंटियर कोर से कहा गया है कि वह इन हत्यारों को पकड़ने और उन्हें न्याय के कठघरे में लाने के लिए पूरी ताकत झोंक दे। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री जाम कमाल खान ने भी इस घटना की निंदा की और संबंधित अधिकारियों से जांच रिपोर्ट मांगी।उन्होंने कहा, बेगुनाह खनिकों को निशाना बनाने वाले किसी भी रियायत के हकदार नहीं हैं। किसी भी समूह ने इन हत्याओं की अभी जिम्मेदारी नहीं ली है लेकिन प्रतिबंधित सुन्नी अतिवादी समूह लश्कर-ए-झांगवी पूर्व में बलूचिस्तान में अल्पसंख्यक हजारा समुदाय को निशाना बनाता रहा है।

अगले महीने मंगल की कक्षा में प्रवेश कर सकता है चीन का यान

बीजिंग। चीन के पहले मंगल अन्वेषण यान तियानवेन-1 ने रविवार सुबह तक 40 करोड़ किलोमीटर से अधिक की दूरी तय कर ली और इसके अगले महीने मंगल की कक्षा में प्रवेश करने की संभावना है। चीन राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन (सीएनएसए) ने बताया कि मंगल पर भेजे गए यान को अंतरिक्ष में अभी तक 163 दिन हो चुके हैं और यह पृथ्वी से 13 करोड़ किलोमीटर दूर और मंगल से करीब 83 लाख किलोमीटर दूर है। सीएनएसए ने बताया कि यान सुचारू रूप से आगे बढ़ रहा है और यह संभवत: करीब एक महीने बाद मंगल की कक्षा में प्रवेश करेगा, जिससे पहले इसकी गति धीमी होगी। चीन ने मंगल ग्रह के बारे में जानकारी जुटाने के उद्देश्य से हैनान द्वीप के वेनचांग अंतरिक्ष यान प्रक्षेपण केंद्र से 23 जुलाई को अपना यान प्रक्षेपित किया था। तियानवेन-। यान का वजन पांच टन है और इसमें एक ऑर्बिटर, एक लैंडर और एक रोवर है। तियानवेन-। मंगल ग्रह का चक्कर लगाने, मंगल पर उतरने और वहां रोवर की चहलकदमी के उद्देश्य से प्रक्षेपित किया गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यान मंगल ग्रह की मिट्टी, चट्टानों की संरचना, पर्यावरण, वातावरण और जल के बारे में जानकारी एकत्र करेगा। यान के तीन भाग- ऑर्बिटर, लैंडर और रोवर मंगल की कक्षा में पहुंचने के बाद अलग हो जाएंगे। ऑर्बिटर लाल ग्रह की कक्षा में चक्कर लगाकर जानकारी जुटाएगा जबकि लैंडर और रोवर मंगल की सतह पर उतरकर वैज्ञानिक अनुसंधान करेंगे। भारत, अमेरिका, रूस और यूरोपीय संघ के बाद चीन भी मंगल पर यान भेजने वाला अगला देश बनना चाहता है।पिछली बार चीन ने 2011 में रूस के साथ मिलकर मंगल ग्रह पर यान भेजने की असफल कोशिश की थी। यह मिशन प्रक्षेपण के कुछ देर बाद ही विफल हो गया था।

ईराक के ताहिर स्कावयर पर पीएमएफ के कमांडर की फोटो के साथ प्रदर्शन करते लोग

क्विक न्यूज

ईरान के शीर्ष जनरल कासिम सुलेमानी की मौत के एक वर्ष पूरे होने पर लोगों ने निकाला मातमी जुलूस

बगदाद। ईरान के शीर्ष जनरल कासिम सुलेमानी और इराकी मिलिशया के शीर्ष नेता अबु महदी अल मुहंदिस की अमेरिकी ड्रोन हमले में मौत के एक वर्ष पूरा होने पर इराक में मातमी जुलूस निकाला गया। बगदाद के निकट ड्रोन हमले में सुलेमानी मारे गए थे। शनिवार को बगदाद हवाई अड्डे की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर हजारों की संख्या में लोगों ने मातमी जुलूस में हिस्सा लिया। इस दौरान सड़क के दोनों ओर उनके पोस्टर लगे थे। इसके अलावा जुलूस में शामिल लोगों के भोजन के लिए टेंट लगाए गए थे। घटनास्थल को दरगाह जैसा बना दिया गया था और लाल रंग की रस्सियां लगाई गई थी और बीच में सुलेमान तथा अल मुहंदिस की तस्वीरें रखी गई थी। शोकाकुल लोगों ने यहां मोमबत्तियां जलाईं।हमले के निशान इलाके में अब भी स्पष्ट हैं। गौरतलब है कि सुलेमानी की हत्या के बाद ईरान और अमेरिका के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया था और क्षेत्र में युद्ध के बादल मंडराने लगे थे।

दिग्गज अमेरिकी प्रस्तोता कोविड-19 से संक्रमित होने के बाद अस्पताल में भर्ती

लॉस एंजिलिस। प्रसिद्ध टॉक शो होस्ट लैरी किंग कोरोनावायरस से संक्रमित पाए गए है और उनका यहां एक अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट से रविवार को यह जानकारी मिली। वह 87 वर्ष के है। सीएनएन के पूर्व साक्षात्कारकर्ता के करीबी सूत्रो ने बताया कि वह एक सप्ताह से अधिक समय से सेडार्स-सिनाई मेडिकल सेंटर मे है।किंग के प्रतिनिधियो ने सार्वजनिक रूप से उनके अस्पताल मे भर्ती होने पर कोई टिप्पणी नही की है, और उनकी वर्तमान हालत के बारे मे पूरी जानकारी नही मिल पाई है।एक सूत्र ने सीएनएन को बताया, लैरी पिछले कुछ वर्षों मे कई स्वास्थ्य समस्याओ से लड़े है और वह इससे भी जोरदार तरीके से लड़ रहे है। किंग के अस्पताल मे भर्ती होने की खबर पर कैलिफोर्निया मे आपातकालीन अधिकारियो ने कहा कि अस्पतालो मे बड़ी संख्या मे कोविड-19 रोगियो का इलाज चल रहा है।

गायिका अशांटी और उनका परिवार कोविड-19 से मुक्त

लॉस एंजिलिस। गायिका-गीतकार अशांटी ने कहा कि वह और उनके माता-पिता कोरोना वायरस संक्रमण से मुक्त हो गए है। 40 वर्षीय गायिका फूलिश और हैप्पी जैसे गीतो के लिए मशहूर है। उन्होंने शनिवार को इंस्टाग्राम पर अपने स्वास्थ्य की जानकारी साझा की। अशांटी ने बताया कि 2021 की शुरुआत कोविड-19 से मुक्ति के साथ हुई। वह और उनके माता-पिता अब संक्रमण से मुक्त है। उन्होंने सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं दी। गायिका ने दिसंबर में संक्रमित होने की पुष्टि की थी। इसके बाद वेबकास्ट सीरिज वेरूज को टालना पड़ गया क्योंकि यहां ग्रैमी-विजेता गायिका और कीशा कोल के बीच मुकाबल होना था। अब इसका प्रसारण नौ जनवरी, 2021 को होने वाला है।

कोविड-19 संकट के बीच अमेरिकी संसद का सत्र होगा शुरू

वाशिंगटन। अमेरिकी संसद के रविवार को शुरू हो रहे नए सत्र मे सांसद ऐसे समय में शपथ ग्रहण करेंगे, जब कुछेक रिपब्लिकन सांसद राष्ट्रपति पद के लिए हुए चुनाव परिणाम को चुनौती दे रहे है और देश कोरोना वायरस महामारी से जूझ रहा है। डेमोक्रेटिक नेता नैंसी पेलोसी को उनकी पार्टी पुनः प्रतिनिधि सभा की स्पीकर नियुक्त करेगी। प्रतिनिधि सभा मे डेमोक्रेटिक पार्टी का बहुमत बरकरार है, लेकिन पिछले 20 साल मे पार्टी ने इस बार सबसे कम अंतर से बढ़त हासिल की है। जॉर्जिया से सीनेट की दो सीटो के लिए मंगलवार को होने वाले चुनाव के परिणाम के बाद स्पष्ट होगा कि सीनेट पर किस का नियंत्रण होगा।हालांकि देश के निवर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत कुछ रिपब्लिकन नेताओ ने चुनाव मे फर्जीवाड़े के आरोप लगाए है, लेकिन देशभर के चुनाव अधिकारियो ने इन आरोपो का खंडन किया है। बाइडन को निर्वाचन मंडल के चुनाव मे जीत मिली थी। निर्वाचन मंडल बुधवार को इसकी औपचारिक घोषणा करेगा। रिपब्लिकन नेता निर्वाचन मंडल की बुधवार को होने वाली बैठक मे बाइडन की जीत को चुनौती देंगे। रिपब्लिकन नेता टेलर ग्रेने ने कहा, छह जनवरी की चुनौती बाकी है।

अमेरिका: कोविड-19 का प्रकोप बढ़ा, कैलिफोर्निया में अंत्येष्टि स्थलों पर नहीं बची और शवों के लिए जगह

लॉस एंजिलिस। अमेरिका मे कोरोना वायरस के कारण हालात बद से बदतर होते जा रहे है। वायरस का प्रकोप इतना बढ़ गया है कि अंत्येष्टि स्थलों मे शवो के लिए जगह तक नही बची है। दक्षिण कैलिफोर्निया मे अंत्येष्टि स्थलो के एक संगठन की ओर से कहा गया है कि उन्हे शोक संतप्त परिवारो को लौटाना पड़ रहा है क्योंकि यहां शवो के ढेर लग रहे है तथा अब और शवो के लिए जगह नही बची है। लॉस एंजिलिस मे कॉन्टिनेंटल फ्यूनरल होम्स की माग्दा मेल्डोनाडो ने कहा, इस क्षेत्र मे मै बीते 40 साल से काम कर रही हूं।

कोरोना वायरस: ऑस्ट्रेलियाई राज्यों में फिर से लगाए गए यात्रा प्रतिबंध

एपी। सिडनी

ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स और विक्टोरिया राज्यों में संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ने के कारण कई राज्यों ने फिर से यात्रा प्रतिबंध लगा दिए हैं। ऑस्ट्रेलियाई कैपिटल टैरेटरी ने सिडनी के उत्तरी समुद्री तटों, ग्रेटर सिडनी और अन्य छोटे केंद्रों से यात्रियों के प्रवेश पर रोक लगा दी है। तस्मानिया राज्य ने विक्टोरिया में हाल में संक्रमित हुए लोगों से सीधे तौर पर जुड़े हर व्यक्ति के आने पर रोक लगा दी है। तस्मानिया ने ग्रेटर सिडनी और सिडनी के वोलोनगोंग से आने वाले यात्रियों के लिए 14 दिन का पृथक-वास अनिवार्य कर दिया है, जबकि सिडनी के उत्तरी समुद्री तटों के लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध है। विक्टोरिया में रविवार को संक्रमण के तीन नए मामले सामने आए, जबकि शनिवार को 10 नए मामले सामने आए थे। विक्टोरिया में हाल के दिन में संक्रमण के 21 नए मामले सामने आए हैं, जिनका संबंध न्यू साउथ वेल्स में फैले संक्रमण से है। विक्टोरिया की सीमा को न्यू साउथ वेल्स से आने वाले यात्रियों के लिए बंद कर दिया गया है।न्यू साउथ वेल्स में रविवार को संक्रमण के आठ नए मामले सामने आए। राज्य में इस समय 161 लोग उपचाराधीन हैं और इनमें से अधिकतर मामले सिडनी के उत्तरी तटों से जुड़े हैं। ऑस्ट्रेलिया में अब तक 28,462 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं और 909 लोगों की मौत हो चुकी है। इस बीच, चीन में घरेलू स्तर पर फैले संक्रमण के कुल आठ मामले सामने आए। संक्रमण के नए मामले सामने आने के मद्देनजर प्राधिकारी अत्यधिक सतर्कता बरत रहे हैं। बीजिंग ने टीकाकरण अभियान शुरू कर दिया है। चीन ने अपने देश में बने कोविड-19 के एक टीके को शुक्रवार को मंजूरी दी थी। यह देश में बना पहला टीका है, जिसे चीन ने स्वीकृति दी है। चीन में अब तक कुल 87,117 लोग संक्रमित हो चुके हैं और संक्रमण से 4,634 लोगों की मौत हो चुकी है।

अमेरिका में कोरोना वायरस संक्रमण से जान गंवाने वालों की संख्या 3,50,000 के पार

बाल्टीमोर (अमेरिका)। अमेरिका में कोरोना वायरस संक्रमण के कारण जान गंवाने वालों की संख्या 3,50,000 के पार चली गई है। वहीं, क्रिसमस और नववर्ष उत्सव के दौरान भीड़ एकत्र होने को लेकर विशेषज्ञों ने एक बार फिर संक्रमण के मामलों और मृतकों की संख्या में बढ़ोत्तरी की आशंका जताई है। जॉन हॉप्किंस विश्वविद्यालय के आंकड़ों के मुताबिक, रविवार सुबह तक 3,50,000 लोग इस घातक वायरस के कारण अपनी जान गंवा चुके थे जबकि देश में संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर दो करोड़ के पार चली गई।अमेरिका ने स्वास्थ्यकर्मियों और 80 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के बचाव के लिए कोविड-19 के दो टीकों का उपयोग शुरू किया है।

ब्रिटेन में लॉकडाउन को और कड़ा किया जा सकता है : जॉनसन

भाषा। लंदन

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने रविवार को चेतावनी दी कि कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए वर्तमान प्रतिबंधों को और कड़ा किया जा सकता है क्योंकि देश कोरोना वायरस के नए प्रारूप (स्ट्रेन) से जूझ रहा है।वायरस के नए प्रारूप के तेजी से फैलने के कारण शिक्षक संगठन कुछ हफ्ते के लिए देश भर में सभी स्कूलों को बंद करने की अपील कर रहे हैं।

जॉनसन ने कहा कि अभिभावकों को सोमवार से अपने बच्चों को उन इलाकों के स्कूलों में भेजना चाहिए जहां वे खुले हुए हैं क्योंकि खतरनाक वायरस से बच्चों को खतरा काफी कम है।बहरहाल, उन्होंने कहा कि आगामी हफ्तों में लोगों के लिए कड़े प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं क्योंकि देश में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या में इस सप्ताहांत 57,725 की वृद्धि हुई वहीं मृतकों की कुल संख्या बढ़कर करीब 75,000 हो गई।लॉकडाउन के बारे में पूछे जाने पर जॉनसन ने बीबीसी से कहा, प्रतिबंध और कड़े हो सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, ऐसा हो सकता है कि अगले कुछ हफ्तों में हमें चीजों को और कड़ा करना होगा। मैं इससे पूरी तरह सहमत हूं। मेरा मानना है कि पूरा देश इससे सहमत है। हमें कई कड़े उपाय करने होंगे। उन्होंने कहा, स्कूल सुरक्षित हैं। बच्चों को बहुत कम खतरा है। कर्मचारियों को बहुत कम खतरा है। शिक्षा के लाभ बहुत ज्यादा हैं। वर्तमान नियमों के तहत देश के अधिकतर हिस्सों में श्रेणी चार के कड़े उपाय लागू हैं जिसमें अधिकतर व्यावसायिक एवं गैर आवश्यक दुकानें लगभग पूरी तरह बंद हैं। लोगों के अस्पतालों में भर्ती होने की संख्या ज्यादा बढ़ने के कारण सरकारी राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा काफी दबाव में है।महामारी से निपटने का बचाव करते हुए जॉनसन ने कहा कि उनकी सरकार ने ऐसे सभी उपयुक्त कदम उठाए हैं जो हम सर्दी के महीनों की तैयारी के लिए कर सकते थे। प्रधानमंत्री खुद कोरोना वायरस से संक्रमित हुए थे और उन्हें इससे उबरने में कुछ हफ्ते लग गए थे।

यह जानना जरूरी है कि आपने जिस पद के लिए आवेदन किया है उसके लिए कौन सी योग्यताएं अनिवार्य हैं। **अंकित श्यामसुख** ऐसे नुस्खे बताते हैं जो उम्मीदवारों को अपनी मनचाही नौकरी हासिल करने में सहायता करेंगे

अपनी योग्यताओं को जानें

कंपनियों के सुदूर कामकाज दिशानिर्देशों के बीच काम करने से, तकनीकी व व्यवहारिक योग्यताएं महत्वपूर्ण अनुलाभ बन रही हैं जिन्हें इंटरव्यू लेने वाले इंटरव्यू प्रदाता में तलाश रहे हैं। आनलाइन इंटरव्यू में आप जिस प्रकार खुद को प्रदर्शित करेंगे वह प्रभावी ढंग से आपकी काम करने की योग्यता को काफी कुछ बता देगा।

नियुक्त होने पर, तकनीक मास्टरी के साथ आपको खास प्रावधानों का पालन करना सीखना होगा। इसीलिए, यह पता लगाना आवश्यक हो जाता है कि आपके द्वारा आवेदित नौकरी विशेष के लिए आपको किन साक्षात्कार योग्यताओं की आवश्यकता पड़ सकती है। अनेक शैक्षणिक कंपनियां एवं प्रशिक्षण संस्थान निशुल्क आनलाइन कोर्सेज साझा कर रहे हैं जिनसे आप पुन: अपनी योग्यताएं निखार सकते हैं और जो समय की आवश्यकता हैं।

निम्न कुछ योग्यताएं ऐसी हैं जो आपको अपनी मनचाही नौकरी हासिल करने में सहायता करेंगी।

स्थिरता या संतुलन

जब चीजें गलत हो जाती हैं तो आपके लिए यह अत्यावश्यक हो जाता है कि आप शांत व स्थिर बने रहें। यह गुण दिखाता है कि आप किसी भी तनावपूर्ण व दबाव वाले हालातों में काम करने में सक्षम होंगे। कोविड-19 के समय में, जब नयी सहजता की चुनौतियों में ढल रहे हैं, तो संकट आना अपरिहार्य है। अपना शांत पक्ष प्रदर्शित करने से न केवल आपके भावी नियोक्ता प्रभावित होंगे बल्कि इससे आपको प्रभावी ढंग से संकट से निपटने में सहायता भी होगी। एक और बात याद रखें, काम में शांतचित्त व्यक्ति हमेशा प्रशंसा प्राप्त करता है।

उचित शिष्टाचार

बैठक चाहे जितनी भी नीरस या अरूचिकर हो, आपको उत्साह दिखाने की जरूरत है। आपको भागीदार दिखना चाहिए और यह कि आप बातचीत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। जब आप आनलाइन मीटिंग में भाग ले रहे हों तो संपर्क से अलग हो जाना बहुत आसान है क्योंकि आपके लैपटाप पर इंटरनेट समस्याओं के साथ बहुत सी अन्य विंडोज खुली रहती हैं। चूंकि आपकी आवाज पहला असर होती है, तो इसे सधा होने की आवश्यकता है। आपको मीटिंग में जिस विषय पर बोलना है या जो कहना है तो उसे बोलने से पहले अपनी बातों के नोट्स बना लें।

म्यूट एवं चैट फीचर्स का इस्तेमाल करें यदि आप किसी तकनीक या अपरिहार्य समस्या का सामना कर रहे हैं। यदि आप प्रत्यक्ष मीटिंग में भाग ले रहे हैं तो कम से कम 15 मिनट पहले पहुंचे और अपने फोन को साइलेंट अवस्था में डाल दें।

नयी चीजें आजमाएं

यह देखा गया है कि अनेक लोग हैं जो अपनी मौजूदा नौकरी को लेकर परेशान रहेंगे लेकिन अपनी मनपसंद चीजों को आजमाने की हिम्मत व साहस नहीं रखते हैं। अपनी मनचाही नौकरी हासिल करने के लिए हिम्मत अत्यावश्यक है। जोखिम लेने तथा अपने दिल की सुनने हेतु साहस जुटाने में कुछ भी बुराई नहीं है।

एक साल पहले, साझा कार्य का अर्थ केवल टीमवर्क था। लेकिन, आज साझा कार्य का अर्थ व्यापक हुआ है और टीमवर्क से बहुत आगे बढ़ गया है। साझा कार्य का अर्थ आनलाइन दस्तावेजों को साझा करना तथा तय समय सीमा के भीतर उन्हें संपादित करना भी होता है।

अपनी खोज करें

अपनी मनचाही नौकरी पाने के हिस्से में शामिल होता है कि उस खास नौकरी की खूबियों व खामियों को जान लें। जब आप नयी कंपनी में आवेदन कर रहे हें तो आपको कंपनी संस्थापकों, कार्य प्रक्रिया एवं उसके प्रतिष्ठित उत्पादों के बारे में व्यापक शोध करना चाहिए। कंपनी की वेबसाइट, टिवटर एवं लिक्डइन पेज आपके शोध में आपकी सहायता करेंगे। शोध में अपने गुणों का परीक्षण करना भी शामिल होता है जो रोजगार आवश्यकता से संबंधित हैं। यह पता लगाने में थोड़ा समय लगाएं कि आप क्या चाहते हैं और पदविशेष के लिए किन योग्यताओं की आवश्यकता है।

कंप्यूटर स्वच्छता

जिस प्रकार काम आज तकनीक पर चलता है, यह महत्वपूर्ण बन जाता है कि आप अपनी कंप्यूटर फाइलों के लिए बैकअप व्यवस्था स्थापित करें। हालांकि, अध्ययन दिखाता है कि एक तिहाई कर्मचारी दस्तावेजों का बैकअप रखने से बचते हैं क्योंकि इसमें काफी समय लगता है। अपने साक्षात्कार में, आपसे तकनीक के उपयोग संबंधी अपने अनुभव को दर्शाने के लिए कहा जा सकता है, आपसे बताने के लिए कहा जा सकता है कि आप किस प्रकार क्लाउड आधारित साझा उपकरणों का उपयोग करते हुए फाइलें सुरक्षित रखते हैं। आप लिंक्स व टेब्स को नजर कैसे रखते हैं? क्या आप ड्रापबाक्स? गूगल डाक्स? कन्यफ्लूएंस? का उपयोग करते हैं? इसलिए पहले से ऐसे प्रश्नों के लिए बेहतर ढंग से तैयार हों।

साझा कार्य

एक साल पहले, साझा कार्य का अर्थ केवल टीमवर्क था। लेकिन, आज साझा कार्य का अर्थ व्यापक हुआ है और टीमवर्क से बहुत आगे बढ़ गया है। साझा कार्य का अर्थ आनलाइन दस्तावेजों को साझा करना तथा तय समय सीमा के भीतर उन्हें संपादित करना भी होता है।

सूक्ष्म चिंतन

आपके पास त्वरित सूक्ष्म चिंतन क्षमता तथा प्रत्येक चुनौतीपूर्ण स्थिति के लिए रचनात्मक समाधान होना चाहिए। अधिकांश कंपनियां आपकी सूक्ष्म चिंतन योग्यताओं को परखने के लिए आपको एक काल्पनिक स्थिति प्रदान करेंगी। सूक्ष्म चिंतन एक व्यक्तिगत योग्यता है और इसे शिक्षा व्यवस्था के जरिए सीखा नहीं जा सकता।

भविष्य के लिए हों तैयार

विशेषज्ञ मानते हैं कि भविष्य के लिए तैयार कर्मचारियों की मांग बढ़ी है, जो आसानी से डिजीटल या ईकामर्स, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों, डाटा एनालिस्टों, मशीन लर्निंग जैसी शुरूआती योग्यताओं में समायोजन बैठा सकें।

उद्योग के अनुमान मुताबिक अकाऊंट बैंकिंग, फाइनेंस एवं कराधान में नौकरियां लगातार बढ़ने वाली हैं और एचआर को उचित योग्यताओं वाले लोगों की तलाश में है।

-लेखक आईसीए एडू स्किल्स के सीईओ हैं।

कैसे प्राप्त करें उत्तम स्कोर

अनीता किशोर का कहना है कि अनेक लोगों के लिए, गणित ऐसा विषय है जो उन्हें अत्यंत डराता है। हालांकि कुछ बुनियादी तरीकों का पालन करके, व्यक्ति को संख्याओं से लगाव हो जाएगा

गणित एक उल्लेखनीय महत्वपूर्ण अवधारणा है- वो अवधारणा जिसका हम रोजमर्रा समस्याओं को हल करने में अपरिहार्य व सहज भाव से उपयोग करते हैं। गणित के सिद्धांत हमारे इर्दगिर्द हर चीज को संचालित करते हैं, और उनकी अच्छी समझदारी के बिना, व्यक्ति जीवन में खासी दिक्कतों का सामना कर सकता है। बतौर विषय, छात्रों को इसे लेकर ध्रुवीकृत नजरिया है, हालांकि कुछ लोगों को यह दिलचस्प एवं समझने में आसान लग सकती है, मगर अधिकांश मानते हैं कि वे गणित के सवालों को हल की योग्यता नहीं रखते हैं। यहां पांच नुस्खे हैं जो गणित को पसंद करने तथा इसे सीखने का अपने अनुकूल उत्तम तरीका गढ़ने में छात्रों की सहायता करेंगे।

Anita Kishor
Teacher & Chief Strategy Officer, BYJU'S

अवधारणा समझना

यह समझना महत्वपूर्ण है कि गणित एक अवधारणात्मक विषय है जो तर्क गहरे रोपित है। प्रत्येक एकल गणित अवधारणा को मूल आधारों में विभाजित किया जा सकता है। उन्नत गणितीय प्रक्रियाओं को सीखने में सक्षम होने के लिए, छात्रों को पहले गणित के मूलाधारों की पक्की समझदारी हासिल करनी होती है। मूलाधारों की समझ हासिल करने से सुनिश्चित होगा कि छात्र ज्यादा जटिल समस्याओं पर काम करने के दौरान अंततोगत्वा समय बचा लेंगे और अपने संदेह को उल्लेखनीय स्तर पर घटा लेंगे।

आनलाइन स्त्रोत तलाशना

शोध ने बार बार दिखाया है कि गणित जैसे कठिन विषय बहुत असरकारी ढंग से आनलाइन सीखे जा सकते हैं। वर्तमान सुदूर-शिक्षण परिदृश्य से, छात्रों को विभिन्न आनलाइन स्त्रोत तलाशने के अपार अवसर मिले हैं जो गणित में ऊंचाई हासिल करने में उनकी सहायता करते हैं। आनलाइन शिक्षण गणित समस्या का आंकलन करने तथा उन्हें हल करते समय अवधारणात्मक समझदारी हासिल करने में छात्रों की सहायता कर सकता है। विभिन्न आनलाइन शिक्षण मंचों पर खेलनुमा कंटेंट एक प्रभावी शिक्षण रणनीति है क्योंकि वे छात्रों को संलिप्त करते हैं और निरंतर अभ्यास के लिए प्रोत्साहित करते हैं। छात्र गणितीय खेलों से मूल अवधारणाएं सीख सकते हैं जो उन्हें प्रेरित रख सकती हैं।

अभ्यास एवं और अभ्यास

छात्र गणित में अच्छा प्रदर्शन करें इसे सुनिश्चित करने का एक सबसे महत्वपूर्ण तरीका है कि वे सीधे उसमें भागीदारी करें और , जितना संभव हो सके उतनी ज्यादा बार, विषय का सक्रिय अभ्यास करें। गणित के प्रश्नों को अनेक बार हल करना मूल शिक्षण सहायता है क्योंकि यह चेतन से लेकर अवचेतन स्तर पर समस्या-समाधान करने में सहायता करता है। सीखने का यह तरीका गणित की समस्याओं को समझने के लिए न केवल मन को नए ढंग से साधने में सहायता करेगा बल्कि विषय के प्रति रूचि जगाने में छात्रों की सहायता भी करेगा। एक शिक्षक और गणित प्रेमी के रूप में, मैं आश्वस्त भाव से कह सकता हूं कि गणित में दक्षता सिर्फ उन लोगों तक सीमित नहीं है जिनमें इसके प्रति एक लगाव होता है। नियमित व समझदारीपूर्ण अभ्यास से, कोई भी गणित में अच्छा कर सकता है।

तर्क पर ध्यान दें

गणित की सुंदरता उसकी विभिन्न अवधारणाओं के पीछे के तर्क में निहित है। हालांकि छात्रों और शिक्षकों द्वारा गणित को सरल बनाने के लिए बार बार शार्टकट और चालों का उपयोग किया गया है, मगर ये तरीके असलियत में छात्रों को अवधारणागत सोच को नजरंदाज करने की स्थिति तक पहुंचा देते हैं। शार्टकट का निरंतर उपयोग छात्रों को दिमाग में परीक्षा के दौरान बहुत सारी चालें रखने के लिए प्रेरित करेगा, और पूछे गए सवाल के बारे में सोचने के लिए तैयार नहीं करेगा। छात्रों को प्रत्येक गणित की समस्या को एक नयी चुनौती के रूप में समझना होगा और विभिन्न तरीकों का पता लगाना होगा जिनसे उन्हें हल किया जा सकता है।

सहायता मांगें

अधिकांशतया छात्र कम जानकार दिखने के भय के कारण सहायता मांगने से कतराते हैं। एक पारंपरिक क्लासरूप ढांचे में, छात्र खुद को अपने सहपाठियों के साथ उलझा हुआ पाते हैं और अक्सर अपने संदेहों का समाधान नहीं प्राप्त करते हैं। छात्रों को अपनी क्षमता सुधारने हेतु सहायता मांगते हुए, अपने आत्मविश्वास पर काम करना चाहिए। आज असंख्य आनलाइन स्त्रोतों के, छात्रों की सहूलियत अनुसार उपलब्ध होने से, छात्र सीखने का लचीला प्रारूप भी अपना सकते हैं।

स्कॉलरशिप

युनिवर्सिटी आफ शेफील्ड, यूके का इंजीनियरिंग विभाग, सितंबर 2021 में आरंभ हो रहे अंडरग्रेजुएट डिग्री कोर्स के लिए विदेशी छात्रों को 3000 पाऊंड तक की स्कालरशिप प्रस्तावित करते हुए, अंडरग्रेजुएट छात्रों की अकादमिक मेधा को मान्यता देता है।

यह स्कालरशिप उन विदेशी अंडरग्रेजुएट छात्रों को प्रदान की जाएगी जिन्होंने हमारे मानक यूसीएएस प्रस्ताव की अकादमिक शर्तों में सफलता प्राप्त करते हैं।

जो उम्मीदवार ए एए या उससे बेहतर स्तर का एक लेवल ग्रेड(या अपने देश में समकक्ष योग्यता) प्राप्त करते हैं, वे एक्सीलेंस स्कालरशिप प्राप्त करेंगे।

स्कालरशिप की धनराशि आपकी अकादमिक उपलब्धि पर निर्भर होगी : ए एए: 1000 पौंड, एएए : 2000 पौंड, एएए : 3000 पौंड।

योग्यता : 2021 प्रवेश के लिए यूसीएएस आवेदन प्रक्रिया में युनिवर्सिटी आफ शेफील्ड को पहली पसंद बनाते हों, अंडरग्रेजुएट छात्र हो, ट्यूशन फीस के लिए विदेशी छात्र के रूप में वर्गीकृत हों, अपनी चयनित डिग्री के लिए सभी पूर्व निर्धारित विषय ले रहे हों।

पूर्ण विवरण व नियमों की जानकारी के लिए कृपया देखें : https://www.sheffield.ac.uk/engineering/study/scholarships-international-excellence

आवेदन की अंतिम तिथि: स्कालरशिप हेतु आवेदन की अंतिम तारीख 30 जून, 2021 है।

सिंगापुर मैनेजमेंट युनिवर्सिटी में बेनेफिशियल साइंस एवं टेक्नोलोजिकल अंडरग्रेजुएट एशियन स्कालरशिप के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। इस स्कालरशिप में भारतीय आवेदन कर सकते हैं।

योग्यता : उम्मीदवार पूर्णकालिक एसएमयू प्रथम वर्ष अंडरग्रेजुएट छात्र होना चाहिए।

उम्मीदवार ने उत्कृष्ट अकादमिक प्रदर्शन किया हो तथा वह नेतृत्वकार्य एवं संप्रेषण योग्यताएं प्रदर्शित करता हो।

संलग्न दस्तावेज : आवेदकों को जमा करने होंगे : व्यक्तिगत वक्तव्य समेत सीवी, व्यक्तिगत पहचान दस्तावेज, भागीदारी संबंधी प्रत्येक विश्वविद्यालयी पांडुलिपि।

प्रवेश शर्तें: सिंगापुर मैनेजमेंट युनिवर्सिटी में प्रवेश लेने के लिए आवेदक प्रवेश शर्तों को अवश्य जांच लें।

भाषा शर्त : आवेदकों को टीओईएफएल या आईईएलटीएस परीक्षा में भाग लेकर अपनी अंग्रेजी भाषा दक्षता प्रदर्शित करनी होगी।

आवेदक का पाठ्येतर गतिविधि एवं समुदाय सेवा भागीदारी के अच्छे रिकार्ड के साथ अच्छी चरित्र पृष्ठभूमि होनी चाहिए।

आवेदन कैसे करें : आवेदक को युनिवर्सिटी में अंडरग्रेजुएट डिग्री कोर्स में प्रवेश लेना होगा। स्कालरशिप के लिए अलग से कोई आवेदन फार्म नहीं है।

आवेदन की अंतिम तिथि : 19 मार्च, 2021।

डिजिटल तंत्र का शैक्षणिक क्षेत्र में प्रभाव

डिजिटल तंत्रों ने लगभग प्रत्येक शैक्षणिक क्षेत्र में प्रभाव जमाया है और उस तरीके का बदलना शुरू कर दिया है जिसमें छात्र प्रशिक्षित किए जा रहे हैं। ये तल्लीन, वर्चुअल अनुभव समकालीन शिक्षा जगत के मोर्चे पर हैं। हालांकि खेल शिक्षा का क्षेत्र डिजीटलीकरण को अपनाने में पर्याप्त सुस्त रहा है, लेकिन यह इस बदलाव से बचा नहीं है।

डिजीटल सिर्फ छात्र-रूपांतरण स्पर्श बिन्दुओं से कहीं ज्यादा बढ़कर है। बल्कि, यह पूर्णतया नयी खेलयोजना है जो खेल उद्योग में उन्नति के लिए अप्रतिम अवसरों को सामने लेकर आई है। वे संस्थान, जो खेलों के लिए प्रशिक्षण देते आए हैं, नवीन व संशोधित अनुभवों के जरिए बेहतर संभावनाएं सामने ला सकते हैं। इस डिजीटल हिमशैल की चोटी के भीतर, संगठनों को नयी रणनीति, तकनीकी निवेश व नवोन्मेशन का नजरिया तलाशना चाहिए जो समस्त कामकाजी क्षेत्रों पर डिजीटल नजरिया गढ़ता है।

लाइव स्पोर्ट्स का सामाजिक प्रवाहन : डिजीटल क्रांति ने खेल व्यवसाय के लिए खेल को परिवर्तित किया है। एनालिटिक्स, क्लाउड और इंटरनेट सामग्री जैसे प्रामाणिक मॉडलों, जिन पर बमुश्किल शोध किया गया है, पर प्रयोग किए जा रहे हैं और खेल शिक्षा संगठनों को उचित बनाए रखने के लिए मौजूदा रुझानों को अपनाना चाहिए। एक खास दायरा जहां यह प्रत्यक्ष बनकर उभरता है, वो लाइव खेलों में सामाजिक प्रवाहन का क्षेत्र है। भागीदारीपूर्ण सोशल मीडिया मंचों माहिर हुए हैं और वे लाइव खेलों के प्रसारण अधिकार जीतने तथा उन्हें अपने व्यक्तिगत मंचों के जरिए विश्व स्तर पर प्रसारित की स्थिति में पहुंच गए हैं। छात्रों की खेल देखने तक पहुंच बन सकती है जो उन्हें कहीं भी पसंद होता है, जीवनशैली मांग पर हालांकि प्रसारण परिदृश्य पहले से कहीं अधिक बिगड़ जाता है।

प्रयोजकों को जोड़ना : आज छात्र आडियो खपत, टीवी दर्शक-सदस्यता होने से पहले से कहीं ज्यादा मीडिया के साथ संवादरत हैं और एप्लीकेशन का उपयोग वर्तमान दौर में दुगुना हुआ है। खेल अवरस्नातकों में धीरे धीरे स्वीकार्यता से व्यक्तिगत भागीदारी की प्रवृत्ति है। लक्षित विज्ञापनों को गैर-लक्षित विज्ञापनों की तुलना में दुगुना असरकारी एवं भागीदारीपूर्ण माना जाता है।

डिजीटल एनालिटिक्स एक असरकारी उपकरण है जिसे बेहतर रियायत पाने के लिए डिजाइन किया गया है जो छात्रों की समझदारी को प्रेरित करती है, प्रायोजकों को समझ प्रदान करती है कि किस प्रकार के विज्ञापन एवं भागीदारीपूर्ण मॉडल्स व्यक्तिगत श्रोता के लिए कारगर होंगे। डिजीटल उपकरण टाइमिंग, कंटेंट निर्धारित करने तथा अधिक प्रभाव क्षमता के लिए संदेश प्रसारण में प्रायोजकों की सहायता कर सकते हैं।

माइंड इट

खेलों में भविष्यसूचक एनालिटिक्स की शुरुआत : छात्र प्रदर्शन को उन्नत बनाने के निरंतर दबाव ने धीरे धीरे खेल शिक्षा क्षेत्र में प्रभावी होने के लिए भविष्यसूचक एनालिटिक्स जैसे तकनीकों पर पहुंचाया है। इस क्षेत्र में हुई उन्नतियां भविष्यसूचक मार्डल्स बनाने में सहायता करती हैं जो जीत या हार की भविष्यवाणियों के साथ छात्रों के प्रदर्शन का विश्लेषण करने तथा कंप्यूटिंग खेल संभावनाओं में सहायता करेंगे।

यह हिस्सा सरल गेम सांख्यिकियों की गणना में सहायता करता है और साथ ही विभिन्न गेम मेट्रिक्स के बीच संख्यात्मक संबंधों को वर्गीकृत करने के लिए सहसंबंध का इस्तेमाल भी करता है। यह निर्धारण में भी सहायता करता है कि कहां, कब और कैसे छात्र खेलों में भाग लें और सफल व असफल शिविरों के बीच वर्गीकरण करें। जो हिट हैं। इस सूचना के आधार पर खेल संगठन सर्वाधिक सक्रिय उत्पाद प्रस्तावों का निर्धारण कर सकते हैं और उसी के अनुसार वैयक्तिक माकेटिंग अभियानों की शुरूआत कर सकते हैं।

ई-स्पोर्ट्स स्पष्टतया खेलों का भविष्य हैं: आज के छात्र डिजीटल भागीदारी हेतु शिक्षक माड्यूल्स की उम्मीद करते हैं तथा वर्चुअल भागीदारी प्रदान करने का सबसे प्रभावी तरीका गेमिफिकेशन के जरिए है। ई-स्पोर्ट्स, जिसे देखने को खेलने में रूपांतरण के बतौर सही नाम कहा जा सकता है, एक भविष्य प्रस्तावित कर रहा है जहां वर्चुअल रीयल्टी खेल अनुभव का सृजन ने ई-स्पोर्ट्स को शारीरिक तौर पर सक्रिय अनुभवों में बदल दिया है।

- लेखक विपुल सोलंकी, नेस्ट ऐकेडमी आफ स्पोर्ट्स मैनेजमेंट के डायरेक्टर हैं।